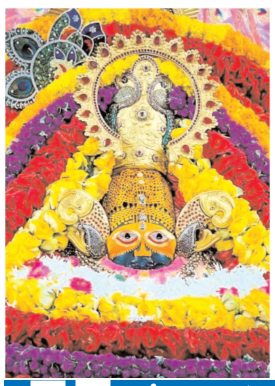

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 32। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 28 सितंबर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

200 फीट गहरे गड्ढे करके प्रकृति का हो रहा विनाश और लोग परेशान!

BJP नेताओं की सरपरस्ती में चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल: क्या किस्तों की रकम गांधीनगर पहुंचती है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजन । तपालेज से नरेश्वर जाने वाली सड़क पर इस समय चल रही कुदरती तबाही और अंधाधुंध माइनिंग ने पूरे इलाके के लोगों की नींद छीन ली है। बिना किसी नियम-कानून के चल रही गैर-कानूनी मिट्टी और रेत माइनिंग की गतिविधियों से सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, यह काला धंधा सत्ताधारी पार्टी BJP के लोकल बड़े नेताओं की सीधी या अप्रत्यक्ष सरपरस्ती में फल-फूल रहा है और इस माइनिंग से जमा हुए करोड़ों रुपये गांधीनगर ले जाए जाने की सनसनीखेज चर्चाएं जोरों पर हैं। ओवरलोडेड डंपरों के अत्याचार से सड़क पर मौत रोती है: गड्डों में रोज़ाना होते हैं हादसे इस अवैध खनन से भरे सैकड़ों ओवरलोडेड रेत और मिट्टी के डंपरों के अत्याचार से पालेज-नरेश्वर रोड की हालत बेहद दयनीय हो गई है। सड़क पर मौत के गड्ड बड़े और भारी वाहनों के आने-जाने से पूरी सड़क पर बड़े-बड़े गड्ड हो गए हैं, जिससे आम वाहन चालकों और पैदल चलने वालों का यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है।

रोज़ाना होते हादसे: सड़कों की खराब हालत और लापरवाही से दौड़ते ओवरलोडेड डंपरों के कारण अक्सर गंभीर हादसे होते रहते हैं, जिनमें कई बेगुनाह लोग अपनी जान गंवा चुके हैं या विकलांग हो चुके हैं। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन या खान एवं खनिज विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

200 फीट गहरे गड्डे और नर्मदा जल से वंचित लोग

मिट्टी और रेत माफियाओं की लालची निगाहों ने धरती मां को नोच डाला है। अंधाधुंध खुदाई से इलाके में जमीन में 200 फीट गहरे और खतरनाक गड्ड हो गए हैं, जिससे ग्राउंडवाटर लेवल को भी काफी नुकसान पहुंचा है। एक तरफ किसानों और गांव वालों को मां नर्मदा से भरपूर पानी नहीं मिल रहा है, वहीं ये माफिया कुदरती पानी के बहाव और ज़मीन को बर्बाद कर रहे हैं। लोकल क्क्कनेताओं ने इस गैर-कानूनी माइनिंग के दम पर करोड़ों रुपये कमाकर गैर-कानूनी प्रॉपर्टी बना ली हैं, जबकि आम लोग परेशान हैं।

प्रशासन की मिलीभगत और जनता का गुस्सा

बार-बार लिखकर और बोलकर शिकायत करने के बाद भी माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और लोकल प्रशासन आंखें मूंदे हुए है। अगर प्रशासन खुद भ्रष्टाचार में लिप्त है, तो जनता को अब अपने हक के लिए आवाज़ उठाने पर मजबूर होना पड़ा है। क्या सरकार इन माफियाओं के खिलाफ कोई सख्त और कठोर कार्रवाई करेगी या सिर्फ कागजी नोटिस से संतुष्ट हो जाएगी?

220 करोड़ की अवैध संपत्ति का पता; गैंगस्टर से लेकर तस्करों तक पर शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। फिरौती, धमकी, हत्या, ठगी और तस्करी जैसे अपराधों से काली कमाई कर करोड़ों की संपत्ति जुटाने वाले बदमाश अब राजस्थान पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस ने प्रदेश के 636 हार्डकोर अपराधियों की पूरी जानकारी जुटाकर उनकी सूची तैयार की है। इन बदमाशों की अब तक करीब 220 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति का पता लगाया जा चुका है। इसमें फार्महाउस, बंगले, लग्जरी वाहन और कब्जे में ली गई सरकारी जमीन जैसी संपत्तियां शामिल हैं। राजस्थान पुलिस ने 636 हार्डकोर अपराधियों की सूची सभी जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ साझा की है। किसी अपराधी की किसी भी जिले में संपत्ति का रिकॉर्ड मिलने पर उसकी जानकारी उस संबंधित थाने तक पहुंचाई जा रही है, जहां उसकी हिस्ट्रीशीट खुली हुई है। पुलिस का उद्देश्य अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों के साथ उनकी आर्थिक स्थिति पर भी नजर रखना है। एडीजी क्राइम विपिन कुमार पांडे के मुताबिक, पहली बार प्रदेश में बदमाशों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की जा रही है। सूची में लॉरेंस, रोहित गोदारा और आनंदपाल जैसी गैंग से जुड़े बदमाश भी शामिल हैं। इसके अलावा नशा तस्करी, हथियार तस्करी, शराब तस्करी और साइबर ठगी से काली कमाई करने वाले अपराधियों पर भी कार्रवाई की तैयारी है। जनवरी से अब तक 55 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस अपराधियों की आर्थिक स्थिति का पता लगाने के लिए अलग-अलग विभागों से जानकारी जुटा रही है।

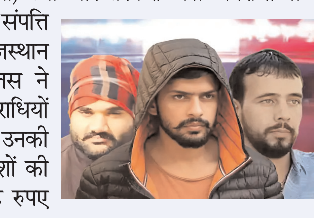

डिनर के बाद पैपराजी पर भड़के रणबीर कपूर, बोले- 'बहुत बोल रहा है तू'; आलिया को भीड़ से सुरक्षित कार तक पहुंचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रणबीर कपूर शनिवार रात मुंबई में आलिया भट्ट, विक्की कौशल और निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ डिनर के लिए पहुंचे। चारों 'लव एंड वॉर' की टीम के साथ नजर आए। डिनर के बाद फोटो सेशन के दौरान रणबीर एक पैपराजी पर नाराज होते दिखाई दिए।

 उनका यह वीडियो अब चर्चा में है। दरअसल, रणबीर, आलिया, विक्की और संजय लीला भंसाली शनिवार रात एक साथ डिनर के लिए पहुंचे थे। इस दौरान पैपराजी ने चारों की तस्वीरें लेने के लिए उन्हें कैमरे के सामने पोज देने को कहा। फोटो सेशन के बीच संजय लीला भंसाली कुछ देर के लिए फ्रेम से हटने लगे। रणबीर ने उन्हें वापस बुलाया और साथ में तस्वीर खिंचवाने के लिए कहा। इसके बाद रणबीर, आलिया, विक्की और भंसाली ने एक साथ पोज दिए। फोटो सेशन खत्म होने के बाद रणबीर वहां से जाने लगे। इसी दौरान एक पैपराजी लगातार उनसे आलिया और विक्की के साथ पोज देने के लिए कहता रहा। बार-बार कहने पर रणबीर ने पीछे मुड़कर पैपराजी की तरफ देखा और कहा, 'बहुत बोल रहा है तू।' इसके बाद वह वहां से आगे बढ़ गए। वहीं, बाहर निकलते समय आलिया अपनी कार की ओर जा रही थीं। इसी दौरान रणबीर उनके करीब पहुंचे और कमर पर हाथ रखकर उन्हें भीड़ के बीच से सुरक्षित कार तक लेकर गए।

पिता बोले- पिता बोले- बेटे पर घटना का गहरा असर, मां ने कहा- दो दिन तक ठीक से खाना-पीना नहीं कियाबेटे पर घटना का असर

जमुई कांड के पीड़ित छात्र के पिता बोले- एनकाउंटर हुआ, लेकिन आरोपियों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जमुई। जिले में 19 सितंबर की शाम 10वीं की छात्रा के साथ कथित बदसलूकी और उसके साथ मौजूद छात्र से मारपीट के मामले में पीड़ित परिवार ने घटना के आठ दिन बाद अपनी आपबीती बताई। परिवार के मुताबिक, आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। पीड़ित छात्र के पिता ने आरोपियों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस तरह की हरकत की गई, उसके लिए और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए थी। पिता ने बताया कि 19 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे उनका बेटा घर लौटा था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। पूछने पर उसने खुद को गिरने से चोट लगने की बात कही और कमरे में जाकर सो गया। अगले दिन भी वह देर तक कमरे से बाहर नहीं आया। तब परिवार ने इसे तबीयत खराब होने की वजह माना। पिता के मुताबिक, रविवार शाम करीब 5 बजे उनके कार्यालय के एक कर्मचारी ने फोन कर बताया कि उनके बेटे को कुछ लोग मार रहे हैं और उसके बारे में पता करें। कर्मचारी ने इसके बाद घटना का वीडियो उनके वाट्सऐप पर भेजा। वीडियो देखते ही पिता घबरा गए और तुरंत घर पहुंचे। कमरे में बेटा लेटा हुआ था। पिता ने उसे वीडियो दिखाकर पूरी बात पूछी। शुरुआत में वह डर के कारण कुछ नहीं बता रहा था। समझाने के बाद उसने घटना के बारे में जानकारी दी। छात्र ने परिवार को बताया कि वह अपनी दोस्त के साथ ट्यूशन गया था। मौसम अच्छा होने के कारण दोनों ब्रेक के दौरान पहाड़ की तरफ घूमने चले गए थे। शाम करीब 6:15 बजे दोनों वहां गए और करीब 7 बजे लौटते समय कुछ लड़कों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद मारपीट की गई और लड़की के साथ बदसलूकी की गई। आरोपियों ने घटना का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया पिता ने बताया कि घटना की नकारी देते समय बेटा फिर घबरा गया और उसकी तबीयत खराब होने लगी। उन्होंने उसे समझाकर शांत किया। उनके मुताबिक, घटना के बाद से बेटा मानसिक रूप से परेशान है और पढ़ाई में भी उसका मन नहीं लग रहा। परिवार उसे संभालने और दोबारा पढ़ाई पर ध्यान लगाने में मदद कर रहा है। पीड़ित छात्र की मां ने बताया कि घटना के बाद बेटा काफी चुप रहने लगा था। करीब दो दिन तक उसने ठीक से खाना-पीना नहीं किया। खाना देने पर वह पेट में अजीब लगने और खाने का मन नहीं होने की बात कहता था। परिवार के समझाने के बाद अब उसकी स्थिति कुछ सामान्य हुई है। मां के मुताबिक, उनका बेटा पढ़ाई में अच्छा है और आगे चलकर व्यवसायी बनना चाहता है। वह अपना रोजगार शुरू करने के साथ दूसरे लोगों को भी रोजगार देना चाहता है। परिवार ने प्रशासन की ओर से मिले सहयोग के लिए भी संतोष जताया। पिता ने समाज से अपील की कि बच्चों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं और उन्हें डांटने के बजाय प्यार से समझाएं। उन्होंने आरोपियों के परिवारों में भी मां-बहन होने का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चियों के साथ ऐसी घटनाएं बेहद गलत हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर उन्होंने लोगों से इसे आगे साझा नहीं करने और जल्द से जल्द हटाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मामला दोनों बच्चों के भविष्य से जुड़ा है और समाज को वीडियो फैलाने के बजाय उसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए।

मां की इच्छा पर छोड़ा सॉफ्टबॉल; NEET री-एग्जाम में 172 अंक घटे तो टूट गया डॉक्टर बनने का सपना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। 'न डॉक्टर बन पा रहा हूं और न अपने खेल में वापस लौट पा रहा हूं।' 23 वर्षीय वरुण सोलंकी की यह बात उसके सामने खड़ी मुश्किलों को बयां करती है। देवास का रहने वाला वरुण इंटरनेशनल सॉफ्टबॉल खिलाड़ी रहा है। वर्ष 2022 में उसने जापान में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था। आज वरुण का खेल करियर छूट चुका है और डॉक्टर बनने का सपना भी अधूरा रह गया है। वरुण ने 10 साल की उम्र में सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया था। उसके पिता कंपाउंडर रहे हैं, जबकि मां सरकारी शिक्षक थीं। वरुण के मुताबिक, उसकी मां चाहती थीं कि वह डॉक्टर बने। दसवीं कक्षा में पहुंचने पर मां ने उससे कहा था कि आगे खेलने की अनुमति तभी मिलेगी, जब वह बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करेगा। वरुण ने 86 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद मां ने उसका दाखिला इंदौर के एक कोचिंग संस्थान में कराया और वह डॉक्टर बनने की तैयारी में जुट गया। कोरोना महामारी के दौरान कई दिनों के इलाज के बाद वरुण की मां का निधन हो गया।

त्योहारी सीजन में महंगे होंगे AC, फ्रिज और LED TV, 1 अक्टूबर से 8% तक बढ़ेंगे दाम;कुणाल घोष की कार पर अंडे-पत्थर से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर अप्लायंसेज खरीदने वालों की जेब पर असर पड़ने वाला है। कंपनियां 1 अक्टूबर से AC, LED TV, वॉशिंग मशीन और फ्रिज समेत कई उत्पादों की कीमतों में 8' तक बढ़ोतरी करने जा रही हैं। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और करेंसी में उतार-चढ़ाव को इसकी वजह बताया गया है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के मुताबिक, AC की कीमतों में 5 से 8', जबकि वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और LED TV के दाम 3 से 4' तक बढ़ सकते हैं। हायर इंडिया ने 1 अक्टूबर से AC की कीमत 5' बढ़ाने की पुष्टि की है। कंपनी के अनुसार, कॉपर की कीमत एक साल में 8,000-9,000 डॉलर से बढ़कर 14,500 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। हालांकि, त्योहारी बिक्री पर असर सीमित रहने की उम्मीद है। डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास अगस्त-सितंबर में खरीदा गया करीब 1 से 1.5 महीने का पुराना स्टॉक मौजूद है। ऐसे में दिवाली तक कुछ सामान पुरानी कीमतों पर मिल सकता है। नई कीमतों का पूरा असर दिवाली के बाद दिखने की संभावना है।

साफ जानकारी के बिना कैसे तय होगा स्वस्थ भोजन का चुनाव?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भारत में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने चेतावनी लेबल लगाने की दिशा में प्रगति हुई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने प्रस्ताव दिया है कि जिन खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक या संतृप्त वसा अधिक हो, उनके पैकेट के सामने लाल षट्कोण में 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' जैसी चेतावनी दी जाए। इसका मूल उद्देश्य उपभोक्ता को यह जानकारी देना है कि वह जिस खाद्य पदार्थ को खरीद रहा है, उसमें स्वास्थ्य के लिए चिंता पैदा करने वाले तत्व कितनी मात्रा में मौजूद हैं। फिलहाल बाजार में स्थिति यह है कि बिस्किट, नमकीन, खाद्य और पेय पदार्थों के पैकेट के सामने बड़े अक्षरों में 'हाई प्रोटीन', 'मल्टीग्रेन', 'नेचुरल' या 'विटामिन युक्त' जैसे दावे प्रमुखता से दिखाई देते हैं, जबकि चीनी, नमक और वसा की जानकारी पैकेट के पीछे छोटी लिखावट में होती है। सामान्य उपभोक्ता खरीदारी के दौरान पोषण तालिका का गणित नहीं करता। ऐसे में पैकेट के सामने स्पष्ट चेतावनी उपभोक्ता के जानकारी के अधिकार से जुड़ा विषय बन जाती है। दुनिया के कई देशों में चेतावनी आधारित मॉडल अपनाया गया है। कनाडा में जनवरी 2026 से ऐसे पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने स्पष्ट प्रतीक अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें संतृप्त वसा, शुगर या सोडियम निर्धारित सीमा से अधिक है। चिली, मैक्सिको समेत कई अन्य देशों में भी ऐसे मॉडल लागू हैं। चिली में 2016 में चेतावनी चिह्न लागू होने के बाद मीठे पेयों की खरीद में गिरावट देखी गई।

पैकेट का लाल निशान क्यों जरूरी?

फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी का उद्देश्य किसी खाद्य पदार्थ को पूरी तरह प्रतिबंधित करना नहीं, बल्कि खरीद के समय उपभोक्ता को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना है। जरूरत इस बात की है कि इसे न तो हर समस्या का समाधान माना जाए और न इसकी सीमाओं के कारण इसकी उपयोगिता को नकारा जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य में बदलाव अक्सर कई छोटे लेकिन प्रभावी कदमों के साथ आता है। भारत को स्पष्ट और मजबूत चेतावनी व्यवस्था के साथ व्यापक खाद्य नीति पर भी आगे बढ़ना होगा

मीडिया से दूरी की कसम ज्यादा दिन नहीं चली, नाव में बिना लाइफ जैकेट उतरे पंडित मिश्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों अलग-अलग घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं। एक तरफ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मीडिया से दूरी की बात ज्यादा लंबी नहीं चली और वे अनंत चतुर्दशी के मौके पर झांकियों में शामिल होकर पत्रकारों से बातचीत करते नजर आए। वहीं, कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का बिना लाइफ जैकेट नाव में बैठकर गणेश प्रतिमा विसर्जन करने का वीडियो सामने आया है। दूसरी ओर कांग्रेस विधायक रजनीश सिंह मंच पर राजा का किरदार निभाते नजर आए, जबकि एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के सरकारी चेंबर में तोड़फोड़ के बाद प्रशासनिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। विजयवर्गीय की मीडिया से दूरी वाली कसम ज्यादा लंबी नहीं चली। इसके अगले दिन शुक्रवार को वे अनंत चतुर्दशी के मौके पर निकलने वाली झांकियों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत भी की। इंदौर में निकल रही झांकियों को लेकर उन्होंने शहर की जनता को बधाई दी और कहा कि जनता के सहयोग से ही झांकियां निकल रही हैं। इसके बाद उनकी मीडिया से बातचीत को लेकर यह चर्चा भी होने लगी कि आखिर सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं के लिए जनता और मीडिया से संवाद कितना जरूरी है। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे नाव में बैठकर गणेश प्रतिमा विसर्जन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उनकी गोद में भगवान गणेश की प्रतिमा है और उनके साथ एक सहयोगी भी नाव में बैठा है। दोनों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी है।

दिवाली-दशहरा पर रेलवे चलाएगा 102 स्पेशल ट्रेनें, आज से टिकट बुकिंग शुरू; मुंबई-चेन्नई, लातूर और कोल्हापुर रूट पर मिलेगी सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिवाली और दशहरा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे 102 फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इन ट्रेनों की टिकट बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यात्रियों को स्पेशल चार्ज देना होगा। ये ट्रेनें 10 अक्टूबर से 24 नवंबर के बीच चलेंगी और मुंबई, चेन्नई, लातूर, कोल्हापुर और कलबुर्गी जैसे शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी। टिकट आईआरसीटीसी ऐप और वेबसाइट, रेलवे आरक्षण केंद्र तथा रेलवन ऐप से बुक किए जा सकेंगे। मुंबई-चेन्नई वीकली स्पेशल ट्रेन 15 अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच दोनों दिशाओं में 6-6 फेरे लगाएगी। चेन्नई से ट्रेन हर गुरुवार सुबह 4 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 4 बजे मुंबई पहुंचेगी। इसके प्रमुख ठहराव दादर, ठाणे, पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी, गुंटकल, रेणिगुंटा और पेरंबूर होंगे। मुंबई-लातूर स्पेशल 13 अक्टूबर से 24 नवंबर के बीच सप्ताह में दो दिन चलेगी और दोनों दिशाओं में 13-13 फेरे लगाएगी। मुंबई से यह मंगलवार और गुरुवार रात 12:35 बजे रवाना होकर सुबह 11:40 बजे लातूर पहुंचेगी। वापसी में लातूर से शाम 4:30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 4:10 बजे मुंबई पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव कल्याण, लोनावला, पुणे, दौंड, कुर्डूवाड़ी और धाराशिव होंगे।

एलपीयू में रेप की अफवाह के बाद बवाल, पुलिस-छात्र आमने-सामने; 3 पुलिस वाहनों में लगाई आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में छात्रा से रेप और उसके बाद आत्महत्या की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रविवार को तनाव बढ़ गया। शाम को पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच टकराव हो गया। पुलिस छात्रों से बातचीत कर रही थी, इसी दौरान पुलिस पर बोतलें फेंके जाने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। जवाब में छात्रों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस की तीन गाड़ियों में आग लगा दी गई। हंगामे की शुरुआत शनिवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक संदिग्ध संदेश से हुई। इसमें दावा किया गया कि किसी बाहरी व्यक्ति ने गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर एक छात्रा के साथ रेप किया और बाद में छात्रा ने आत्महत्या कर ली। संदेश वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में छात्र हॉस्टल के बाहर जमा हो गए। छात्रों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सुरक्षाकर्मियों और यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगा दी। इसके बाद रविवार सुबह करीब 7 बजे प्रदर्शनकारी दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर पहुंच गए और धरना देकर यातायात रोक दिया। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शुरुआत में पुलिस ने कहा था कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, मामला बढ़ने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। डीआईजी नवीन सिंगला ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है। इसमें पांच छात्र भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, एफआईआर दर्ज होने और जांच शुरू होने के बावजूद छात्रों का प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए। इससे छात्र और भड़क गए और उन्होंने एक प्रवेश द्वार को तोड़ दिया। प्रदर्शनकारी छात्र यूनिवर्सिटी के चांसलर अशोक मित्तल को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। छात्रों ने अपनी पांच मांगें भी रखी हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रा से रेप के आरोपों को बेबुनियाद बताया है और छात्रों से सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। यूनिवर्सिटी भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की है। छात्रों की ओर से एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि यह उसी छात्रा का वीडियो है, जिसके साथ रेप होने की बात कही जा रही है। छात्रों का आरोप है कि छात्रा ने हॉस्टल वार्डन और प्रबंधन से शिकायत की थी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई और उसे घर भेज दिया गया। छात्रों के दावे के अनुसार, दो दिन बाद छात्रा यूनिवर्सिटी के हॉस्टल लौटी और उसी रात हॉस्टल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। इन दावों की पुलिस जांच कर रही है।

बाड़मेर में कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवकों की मौत; तीन गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाड़मेर। जिले में रविवार सुबह एनएच-68 पर हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्रामीण थाना इलाके में जैसलमेर-बाड़मेर मार्ग पर भाडखा के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ। यहां सामने से आ रही बाइक और स्विफ्ट कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक और कार में बैठे एक युवक की जान चली गई। कार सवार तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीण थाना अधिकारी जसवंत सिंह राजपुरोहित के अनुसार, गुजरात के सूरत निवासी राहुल (28) पुत्र रमेश भाई प्रजापति अपने तीन दोस्तों मोहित कुमार, पार्थ वरिया और आकाश के साथ स्विफ्ट कार से घूमने निकला था। चारों दोस्त गुरुवार रात सूरत से रवाना हुए थे। शनिवार रात करीब 12 बजे वे जैसलमेर के सम से बाड़मेर के लिए निकले थे। रविवार सुबह भाडखा के पास पहुंचने पर उनकी कार की सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई।

गुजरात के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का काला सच: कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का पता लगाने में 3 से 6 महीने की जानलेवा देरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात में भले ही डेवलपमेंट और हेल्थ सर्विसेज़ के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हों, लेकिन ज़मीनी हकीकत उतनी ही डरावनी और दिल दहला देने वाली है। कैंसर जैसी बहुत गंभीर और जानलेवा बीमारी से जूझ रहे मरीज़ों के लिए गुजरात के सरकारी अस्पतालों की हालत बहुत दयनीय हो गई है। हाल ही में आई एक सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक, समाज में शर्म, अज्ञानता और सबसे ज़रूरी, ज़िला लेवल पर कैंसर स्पेशलिस्ट की भारी कमी और इक्विपमेंट की कमी की वजह से कैंसर का पता लगाने में 3 से 6 महीने की बहुत ज़्यादा देरी हो रही है। समय पर पता न चलने की वजह से कई मरीज़ मौत के मुंह में जा रहे हैं। 23 जिलों में कैंसर के इलाज का कोई नामोनिशान नहीं: मैमोग्राफी और बायोप्सी भी एक समस्या गुजरात के सूरत और वडोदरा समेत कुल 23 जिलों के सरकारी अस्पतालों में कैंसर के इलाज के लिए बेसिक सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं दूर जाने की मजबूरी: जिला स्तर के अस्पतालों में सही इलाज न मिलने के कारण गरीब और मिडिल क्लास के मरीजों को इलाज के लिए 80 से 100 किलोमीटर दूर बड़े अस्पतालों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक और शारीरिक रूप से बहुत नुकसान होता है। सामान की भारी कमी: अस्पतालों में ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए मैमोग्राफी, सोनोग्राफी, बायोप्सी के साथ-साथ कीमोथेरेपी और रेडिएशन जैसी ज़रूरी मेडिकल सुविधाओं की भारी कमी है। सरकारी सिस्टम के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले दूसरे चौंकाने वाले कारण सरकारी अस्पतालों में ऑन्कोलॉजिस्ट की कम सैलरी और खराब काम के माहौल के कारण स्पेशलिस्ट प्राइवेट सेक्टर का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा, मेडिकल स्टूडेंट्स से बॉन्ड रिकवरी प्रोसेस भी बहुत अनियमित और लापरवाह है।

डभोई में लापरवाही की हद: 20 साल से धूल फांक रहा महुडी भागोल का कम्युनिटी हॉल खंडहर बन गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नगर पालिका क्षेत्र के विकास के दावों के ख़िलाफ़ एक बहुत ही शर्मनाक और लापरवाही भरी सच्चाई सामने आई है। लगभग दो दशक पहले (20 साल पहले) डभोई के व्यस्त और आबादी वाले महुडी भागोल माछीवाड़ खाड़ा इलाके में जनता के पसीने और टैक्स के लाखों रुपये खर्च करके एक शानदार कम्युनिटी हॉल बनाया गया था। लेकिन, बदकिस्मती की बात यह है कि पब्लिक के इस्तेमाल के लिए बनाया गया यह हॉल बनने के बाद से एक दिन भी जनता के इस्तेमाल में नहीं आया! सही देखभाल की कमी और प्रशासनिक सिस्टम की घोर बेपरवाही के कारण यह बिल्डिंग आज सिर्फ़ सजावट की चीज़ और खंडहर बनकर रह गई है। सरकारी पैसे की बर्बादी: दो दशकों से बंद और खतरनाक स्ट्रक्चर स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह हॉल बीस साल पहले इस इलाके के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को सामाजिक कार्यक्रमों या पब्लिक गैदरिंग के लिए सुविधाएं देने के मकसद से बनाया गया था। लेकिन, प्रशासन की लचर पॉलिसी के कारण, बनने के बाद से ही इसमें ताला लगा हुआ था। समय के साथ, यह बिल्डिंग इतनी जर्जर और असुरक्षित हो गई है कि अब यह आसपास के लोगों के लिए जानलेवा स्थिति बनती जा रही है। मानसून या तूफ़ान के दौरान, यह स्ट्रक्चर कभी भी गिर सकता है और कोई बड़ी आपदा आ सकती है, फिर भी प्रशासन अपनी आंखें खोलने का नाम नहीं ले रहा है। फिलहाल, जनता की ज़ोरदार मांग है कि इस खतरनाक और जर्जर स्ट्रक्चर को जल्द से जल्द गिराया जाए। स्थानीय नागरिक सरकार और नगर पालिका से ज़ोर देकर कह रहे हैं कि इस बेकार जगह का सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए और वहाँ कोई जनकल्याणकारी योजना लाई जानी चाहिए.

डभोई का तरसाना चौकड़ी ज़हरीले केमिकल और कचरा जलाने का अड्डा बन गया है: प्रदूषण के राक्षस से लोग हांफ रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। खुले में केमिकल वाला कचरा जलाने से गंभीर खतरा: पहले टैंकर घोटाला पकड़े जाने के बाद भी प्रशासन की कोई कार्रवाई नहीं डभोई पंथक से इंसानी सेहत से खिलवाड़ करने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली और बुरी खबर सामने आई है। डभोई के पास तरसाना चौकड़ी हाल ही में गंभीर प्रदूषण और लापरवाही से गैर-कानूनी कचरा फेंकने का एक बड़ा अड्डा बन गया है। एक तरफ इस इलाके में लोकल लेवल पर अंधाधुंध कचरा फेंका जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ आस-पास की फैक्ट्रियों द्वारा ज़हरीला केमिकल वाला कचरा, गंदे केमिकल और बहुत खतरनाक सामान यहां खुले में फेंककर जलाया जा रहा है। रात के अंधेरे में जलने वाले इस ज़हरीले केमिकल के धुएं ने पूरे माहौल को बहुत ज़्यादा प्रदूषित कर दिया है, जिससे आस-पास रहने वालों, छोटे बच्चों और पैदल चलने वालों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। पहले पकड़े गए केमिकल कंटेनर स्कैंडल पर से रहस्य का पर्दा: प्रशासन की ढीली पॉलिसी से बूटलेगर और फैक्ट्री माफियाओं की पोल खुल गई है। सूत्रों के मुताबिक, तरसाना चौकड़ी के पास पहले भी ज़हरीले केमिकल से भरे कंटेनर या टैंकर जैसा बड़ा स्कैम पकड़ा गया था। लेकिन सबसे शर्मनाक बात यह है कि उस मामले में प्रशासन ने क्या एक्शन लिया, कौन से माफिया पकड़े गए या किन फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, इस बारे में आज तक कोई क्लैरिटी सामने नहीं आई है।

वडोदरा के सयाजीगंज में यूथ कांग्रेस के अंदरूनी चुनावों में भारी हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

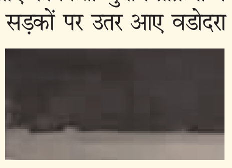

वडोदरा। लोकतंत्र के नाम पर हंगामा: गुस्साए कार्यकर्ता चुनाव प्रक्रिया में धांधली और भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ सड़कों पर उतर आए वडोदरा शहर के पॉश और व्यस्त इलाके सयाजीगंज में यूथ कांग्रेस के अंदरूनी चुनावों में कथित अव्यवस्था और अनियमितताओं को लेकर राजनीति गरमा गई है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नाराज पदाधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता का उल्लंघन करने के गंभीर आरोपों के साथ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। चुनाव में नियमों को मनमाने ढंग से बदलने और कुछ खास उम्मीदवारों को जिताने के लिए हेरफेर करने के आरोपों ने पूरी पार्टी में हलचल मचा दी है। सयाजीगंज में हुए इस विरोध प्रदर्शन के दौरान, यूथ नेताओं ने साफ तौर पर धमकी दी थी कि पार्टी के अंदर ही लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है।वोटिंग प्रक्रिया में गड़बड़ी: कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यूथ कांग्रेस चुनावों में सदस्यों के रजिस्ट्रेशन और वोटिंग प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। असली वोटर्स को किनारे करने की कोशिश: जो युवा असल में ज़मीनी लेवल पर काम करते हैं, उन्हें पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने जानबूझकर नुकसान पहुंचाया है और चहेतों को पद देने का खेल खेला जा रहा है। विरोध से वडोदरा की राजनीति गरमाई: आने वाले दिनों में विवाद और बढ़ने की संभावना है एक तरफ, विपक्ष के तौर पर सरकार से लड़ने का दावा करने वाली कांग्रेस पार्टी के अंदर ही अगर ऐसे विवाद और झगड़े हो रहे हैं, तो लोगों की समस्याओं का समाधान कौन करेगा, यह एक बड़ा सवाल है।

निदेशक का सफेद झूठ बेनकाब!

अहमदाबाद सिविल अस्पताल की 'किडनी इंस्टीट्यूट' में महाघोटाला बेनकाब: वर्ग-3 का सामान्य कर्मचारी बन बैठा क्लास-1 का 'किंग'

8 साल पुराने मेडिकल बिल पास कराकर गबन और सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ाती भ्रष्ट व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। सिविल अस्पताल परिसर में स्थित बेहद प्रतिष्ठित संस्थाओं–इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीजेज एंड रिसर्च सेंटर और गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज –में एक विस्फोटक और सनसनीखेज महाघोटाला सामने आया है। संस्था के वाइस चांसलर और IKDRC के निदेशक दोनों महत्वपूर्ण पदों पर एक ही डॉक्टर प्रा??ल मोदी कार्य कर रहे हैं। लेकिन सरकारी नियमों के अनुसार काम करने के बजाय इन दोनों संस्थाओं के प्रमुख द्वारा किस तरह से कानूनों की धज्जियां उड़ाई गई हैं, उसके आधिकारिक दस्तावेज और सबूत अब सतह पर आ गए हैं। संस्था के पूर्व कर्मचारी रजनीकांत मकईवाला द्वारा मीडिया और सतर्कता आयोग के सामने पेश किए गए इन खुलासों से पूरे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

1. एडहॉक से सीधे सुपर क्लास-1: 'जादुई प्रमोशन' का काला खेल

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2005 में श्री कमल वी. मोदी की नियुक्ति किडनी अस्पताल में मात्र 7,000 रुपये के फिक्स वेतन पर केवल 1 वर्ष के लिए एडहॉक लेखाकार के रूप में हुई थी। लेकिन इसके बाद उच्चाधिकारियों की मिलीभगत से बिना किसी कानूनी विज्ञापन या भर्ती प्रक्रिया के, वर्ष 2007 में उन्हें सीधे स्थायी कर दिया गया सरकारी नियमों के मुताबिक वर्ग-3 के कर्मचारी को प्रमोशन के लिए 5 वर्ष की नियमित सेवा पूरी होना अनिवार्य है, इसके बावजूद सिविल सेवा के नियमों को ताक पर रखकर मात्र 3.7 वर्ष में ही उन्हें असिस्टेंट अकाउंटेंट बना दिया गया। इससे पहले जगदीश पटेल नामक नागरिक ने शिकायत की थी कि कमल मोदी ने अपनी पत्नी आशाबेन कमल मोदी को भी पहुंच का इस्तेमाल करवाकर IKDRC में लेबोरेटरी टेक्निशियन के रूप में बैकडोर एंट्री दिलवाई थी। इस तरह लाखों रुपयों की लेनदेन कर यह पूरा फर्जी भर्ती घोटाला रचा गया था।

2. आठ साल पुराने टाइम-बार्ड मेडिकल बिल पास कराकर लाखों का गबन

किडनी इंस्टीट्यूट की आंतरिक जांच रिपोर्ट के पैरा 6(3) में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। कमल मोदी ने वर्ष 2011 में अपनी माता के इलाज के लिए संस्था से 3 लाख रुपये का एडवांस लिया था, जो उनके वेतन से पूरी तरह वसूल हो चुका था। इसके बावजूद, ठीक 8 साल बाद अगस्त 2019 में एक तारीख रहित फर्जी आवेदन देकर उन्होंने तत्कालीन निदेशक को गुमराह किया और किडनी अस्पताल से ?3,31,108/- की राशि मेडिकल रीइंबर्समेंट के रूप में चेक से प्राप्त कर ली नियमों के अनुसार 3 साल पुराने बिल सरकार की मंजूरी के बिना पास नहीं हो सकते, फिर भी यह भ्रष्टाचार किया गया। जब यह मामला सामने आया तब तत्कालीन निदेशक ने रकम वापस जमा कराने का आदेश दिया था, लेकिन बेखौफ घूम रहे कमल मोदी ने आज तक वह राशि वापस जमा नहीं कराई है!

3. सरकार का आदेश कचरे की टोकरी में: वर्ग-3 का कर्मचारी भोग रहा है तीन-तीन क्लास-1 पदों का प्रभार! यह घोटाला सामने आने पर राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के उप-सचिव ने 28/07/2021 को आदेश जारी कर कमल मोदी की क्लास-1 की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से रद्द करने और उन्हें मूल संस्था में वर्ग-3 के लेखाकार के रूप में वापस भेजने का स्पष्ट निर्देश दिया था। लेकिन सरकार के आदेश की सरेआम अवहेलना करते हुए कमल मोदी वर्ग-3 में उपस्थित ही नहीं हुए! उलटे, संस्था के चहेते अधिकारियों ने उन्हें बचाने के लिए एक साथ सुपर क्लास-1 के तीन-तीन पदों का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया:

1. चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (आदेश दिनांक: 06/07/2021)
2. चीफ अकाउंट्स ऑफिसर (आदेश दिनांक: 22/07/2021)
3. रजिस्ट्रार (आदेश दिनांक: 08/09/2022)

4. सतर्कता आयोग और सरकार के समक्ष निदेशक डॉ. प्रा मोदी का 'सफेद झूठा' पत्र बेनकाब!

जब शिकायतकर्ता रजनीकांत मकईवाला ने मुख्यमंत्री पीजी पोर्टल और गुजरात सतर्कता आयोग के समक्ष इस घोटाले की गंभीर शिकायतें दर्ज कराईं, तब बचाव में किडनी अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रांजल मोदी ने 12/03/2025 को लिखित रूप में यह सरासर झूठा और गुमराह करने वाला जवाब पेश किया कि, 'श्री कमल मोदी तीन पदों पर कार्य कर रहे हैं, यह बात सही नहीं है। लेकिन संस्था के अपने ही आधिकारिक आदेश निदेशक के इस दावे की धज्जियां उड़ा रहे हैं। GUTS के वाइस चांसलर डॉ. प्राल मोदी ने कमल मोदी की CAO के रूप में नियुक्ति करते समय मातृ संस्था IKDRC से कोई एनओसीतक नहीं ली थी। सरकार का स्पष्ट आदेश होने के बावजूद जानबूझकर समय बर्बाद किया गया, ताकि कमल मोदी हाईकोर्ट से स्टे (रोक आदेश) ले आएं और आज भी बेधड़क क्लास-1 अधिकारी के रूप में सरकारी तिजोरी से वेतन ले रहे हैं। तञ्ञस और सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के इस स्टे को रद्द कराने के लिए कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है, जो सरकारी धन का सीधा दुरुपयोग है।

कड़ी जांच की पुरजोर मांग

शिकायतकर्ता रजनीकांत मकईवाला ने मुख्यमंत्री और सतर्कता आयोग को पुख्ता सबूत सौंपकर मांग की है कि इस पूरे महाघोटाले की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो या हाईकोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में तय समयसीमा के भीतर कराई जाए, कमल मोदी द्वारा हड़पी गई रकम की वसूली की जाए और इस प्रकार के घोटालेबाजों को संरक्षण देने वाले निदेशक के खिलाफ भी सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए!

एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ में शामिल दो बदनाम बूटलेगरों पर PASA की तलवार उठी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में क्रिमिनल्स और एंटी-सोशल एलिमेंट्स के खिलाफ पुलिस कमिश्नर की चलाई जा रही ड्राइव के तहत नरोदा पुलिस स्टेशन ने एक बहुत ही सख्त और तारीफ़ के काबिल कदम उठाया है। नरोदा इलाके में गैर-कानूनी कामों, शराबबंदी (शराब का धंधा) और एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ में शामिल बदनाम एलिमेंट्स की अब खैर नहीं। पुलिस ने एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ प्रिवेंशन एक्ट के तहत शराबबंदी के जुर्म में शामिल दो मुख्य आरोपियों पर अपनी पकड़ मजबूत की है और दोनों को सीधे राजकोट सेंट्रल जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है। गिरफ्तार क्रिमिनल्स की डिटेल्स: यह काला नेटवर्क कहां से ऑपरेट होता था? पुलिस सूत्रों से मिली ऑफिशियल जानकारी के मुताबिक, इस सेक्शन के तहत हिरासत में लिए गए दोनों आरोपी राज्य के बाहर से आकर अहमदाद में क्राइम और गैर-कानूनी शराब की तस्करी के नेटवर्क में शामिल थे पहला आरोपी: कैलाश जीवनराम लामारोड (चौधरी), उम्र- 34 साल, रहने वाले- लामारोड का महोल्ला, गांव- नाडसर, तालुका- गोपालगढ़, जिला- जोधपुर, राजस्थान।

કૈલાશ જીવણરામ લામરોડ (ચૌધરી)

સુનીલ મદનલાલ સોઉ (જાટ)

वाव-थराद के पास आवारा सांड से कार की भीषण टक्कर में दो मासूम युवकों की मौत, प्रशासन की लापरवाही उजागर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थराद। गुजरात के हाईवे पर आवारा पशुओं का आतंक अब कितना जानलेवा साबित हो रहा है, इसकी एक और खूनी और चौंकाने वाली घटना वाव-थराद से सामने आई है। देर रात, अंधेरे के बीच, भारतमाला एक्सप्रेसवे पर हाईवे पर अचानक आए एक बेकाबू सांड से पूरी स्पीड से दौड़ रही एक कार टकरा गई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है।

घटना की जानकारी की बात करें तो, देर रात एक गाड़ी भारतमाला एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी। अचानक हाईवे के बीच में एक आवारा सांड आ गया और इससे पहले कि ड्राइवर कुछ समझ पाता या स्टीयरिंग पर कंट्रोल कर पाता, जानवर कार से टकरा गया। ड्राइवर के गाड़ी से कंट्रोल खोने से हुए इस भीषण हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस खूनी खेल में एक और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को खून से लथपथ हालत में तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी हालत बहुत नाजुक बताई जा रही है। हादसे की यह भयानक जानकारी मिलते ही थराद पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुँची। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बचाव अभियान चलाकर क्षतिग्रस्त गाड़ी से शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने तेज़ी से आगे की कानूनी कार्रवाई की है, लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे अथॉरिटी और स्थानीय प्रशासन की गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है। एक्सप्रेसवे जैसी आधुनिक और तेज़ रफ़्तार सड़कों पर भी अगर आवारा मवेशी बेरोकटोक घूमते हैं, तो यह साफ़ है कि यात्रियों की सुरक्षा सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित है। हाईवे पर अक्सर होने वाले ऐसे जानलेवा हादसों में अनगिनत बेगुनाह लोग अपनी जान गँवा रहे हैं, फिर भी सिस्टम गहरी नींद सो रहा है। पक्को गुजरात के पाठकों के लिए सवाल यह है कि गुजराती कब तक सड़क पर ऐसे आवारा मवेशियों के कारण अपने परिवार के सदस्यों की लाशें देखने को मजबूर होते रहेंगे?

गिर सोमनाथ के सूत्रापाड़ा में सीमेंट कंपनी के खिलाफ किसानों और महिलाओं का भारी विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर। सोमनाथ जिले के सूत्रापाड़ा इलाके में, सीमेंट कंपनियों के खिलाफ लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है, जो इस समय प्रकृति और अन्नदाताओं के अधिकारों को रौंद रही हैं। सूत्रापाड़ा के सिंगसर गांव में खदानों से पानी के गैर-कानूनी और खतरनाक तरीके से इस्तेमाल के खिलाफ किसानों का विरोध लगातार तीसरे दिन भी जारी है। खासकर, इस आंदोलन में अब गांव की महिलाएं भी बड़ी संख्या में उतर आई हैं, जिससे प्रशासन और कंपनी मैनेजरों में काफी हलचल मची हुई है। सिंगसर, धमलेज समेत करीब 6 गांवों के किसान और बहनें एकजुट होकर सीमेंट कंपनी की जुल्म के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। स्थानीय गांववालों और आंदोलनकारियों के मुताबिक, सीमेंट कंपनी की खदानों से निकलने वाला पानी आस-पास की उपजाऊ ज़मीन, खेतों और पानी के सोर्स को बर्बाद कर रहा है। केमिकल और पानी के बिना कंट्रोल के डिस्पोज़ल की वजह से खड़ी फसलें खराब हो रही हैं और किसान बर्बादी की ओर बढ़ रहे हैं। पीने के पानी का संकट: ग्राउंडवाटर पॉल्यूशन और गिरते वॉटर लेवल के खतरे ने गांव के लोगों के जीने पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। आज के आंदोलन में सिर्फ़ पुरुष ही नहीं, बल्कि गांव की हिम्मती महिलाओं ने भी मोर्चा संभाला।

कालिंद्री नदी में ज़हरीला पानी छोड़कर इकोसिस्टम को खत्म कर रही है, नेताओं और GPCB पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। मोरबी जिले में पर्यावरण और इंसानी ज़िंदगी से समझौता करने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें कालिंद्री नदी में केमिकल वाला और बहुत ज़्यादा प्रदूषित पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। पूरे इलाके में इस बात को लेकर गुस्सा है कि सेजोन पेपर मिल अंधाधुंध प्रदूषित ज़हरीला पानी नदी में डाल रही है। केमिकल फैलने से कालिंद्री नदी का पवित्र पानी अब काला और बदबूदार हो गया है, फिर भी ज़िम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे हुए हैं। घटना के बारे में विस्तार से बात करें तो, सेजोन पेपर मिल की प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के कारण मोरबी की जीवन रेखा कही जाने वाली कालिंद्री नदी की हालत खराब हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मिल संचालक बिना किसी ट्रीटमेंट के केमिकल वाला ज़हरीला पानी सीधे नदी में छोड़ रहे हैं। इस ज़हरीले प्रदूषण की वजह से नदी किनारे के कुओं का पानी भी गंदा हो गया है, पशुपालकों के बेज़ुबान जानवर यही पानी पीने को मजबूर हैं और खेती की ज़मीन भी बर्बाद हो रही है। इस भयानक हालात को लेकर लोकल लोगों में फैले गुस्से के बीच, अब चुने हुए नुमाइंदों और अधिकारियों की परफ़ॉर्मेंस पर बड़े सवाल उठने लगे हैं। लोगों ने MLA, MP और गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के बड़े अधिकारियों से ज़ोर देकर अपील की है कि वे सिर्फ़ ष्ट केबिन और सरकारी दफ़्तरों में बैठकर कागज़ों पर बातें करने के बजाय खुद कालिंद्री नदी वाली जगह पर जाएँ। मौके पर जाकर नदी की दुर्दशा और लोगों की तकलीफ़ को सीधे देखने की पब्लिक की मांग ज़ोर पकड़ रही है। इंडस्ट्रियल यूनिट्स की मनमानी के ख़िलाफ़ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और पॉल्यूशन डिपार्टमेंट की मिलीभगत का भी शक है। पक्को गुजरात के रीडर्स के सामने यह सवाल उठता है कि क्या एडमिनिस्ट्रेशन कभी इस तरह से कानून तोड़ने वाली इंडस्ट्रीज़ के ख़िलाफ़ सख़्त एक्शन लेगा या उन्हें बस मासूम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने दिया जाएगा? अगर जल्द से जल्द सेजॉन पेपर मिल के खिलाफ कानूनी और क्रिमिनल कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में जनता द्वारा एक ज़ोरदार आंदोलन शुरू करने की आवाज़ उठ रही है।

सिंघरवा के 73 साल के रिटायर्ड प्रोफेसर 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम का शिकार हुए, 16 लाख से ज़्यादा गंवाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साइबर फ्रॉड का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें सिंघरवा इलाके में रहने वाले 73 साल के एक रिटायर्ड प्रोफेसर डिजिटल अरेस्ट नाम के खतरनाक साइबर स्कैम का शिकार हो गए हैं। साइबर क्रिमिनल्स ने नकली पुलिस और ञ्ञस ऑफिसर बनकर बुजुर्ग प्रोफेसर को इतना मेंटल प्रेशर में डाल दिया कि वह डर के मारे अपनी ज़िंदगी भर की कमाई के 16 लाख 18 हज़ार रुपये गंवा बैठे। पीड़ित प्रोफेसर ने आखिरकार इस गंभीर मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई है। घटना की डिटेल्स की बात करें तो, 39 अगस्त को प्रोफेसर के फोन पर एक अनजान कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को नकली पुलिस हेड ऑफिस का ऑफिसर बताया। यह एक भयानक खेल की शुरुआत थी। इसके बाद, ठगों के गैंग के दूसरे सदस्यों ने खुद को एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड का बड़ा अधिकारीताया और प्रोफेसर को कानूनी कार्रवाई की धमकी देने लगे। धोखाधड़ी करने के लिए अपराधियों ने बहुत गंभीर और डरावने आरोप लगाए। प्रोफेसर को बताया गया कि उनके पहचान पत्र से जुड़े सिम कार्ड और बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करके करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। मामला यहीं नहीं रुका, बल्कि उन पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी और गैर-कानूनी जुए जैसी देश विरोधी और गंभीर गतिविधियों में शामिल होने के झूठे और सनसनीखेज आरोप लगाए गए। इस मामले में सबसे शर्मनाक बात यह थी कि ठगों ने बुजुर्ग व्यक्ति को चौबीसों घंटे डिजिटल अरेस्ट की धमकी दी। गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रोफेसर को लगातार वीडियो कॉल करने के लिए मजबूर किया गया। अपराधियों ने उन पर ऑनलाइन लगातार नज़र रखी, यह कहते हुए कि जांच चल रही है, और उन्हें अपने किसी भी परिवार या रिश्तेदार से बात करने से सख्त मना कर दिया।

राजनीति में भूचाल: केरल के पूर्व चीफ सेक्रेटरी ज्ञानेश कुमार को BJP से चुनाव लड़ने और केंद्रीय मंत्री बनने का ऑफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सहयोग और सत्ता के गलियारों से एक बहुत ही चौंकाने वाला और विवादित खुलासा हुआ है। केरल के पूर्व चीफ सेक्रेटरी जीजी थॉमस ने एक बड़ी न्यूज़ वेबसाइट को दिए एक धमाकेदार इंटरव्यू में दावा किया है कि जब वह सरकारी नौकरी में एक्टिव थे, तब मौजूदा चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने उन्हें BJP के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। इतना ही नहीं, एक सनसनीखेज आरोप यह भी लगा है कि चुनाव जीतने पर उन्हें सीधे केंद्रीय मंत्री बनाने का भी लालच दिया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना साल 2016 में दिल्ली की फ्लाइट में सफर करते समय हुई थी। उस समय दोनों बड़े अधिकारी सरकारी जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। अचानक हुई इस बातचीत ने राजनीतिक दुनिया में बड़ी हलचल मचा दी है। एक तरफ जहां देश की बड़ी संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं इस खुलासे ने आग में घी डालने का काम किया है। हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच पूर्व चीफ सेक्रेटरी जीजी थॉमस ने साफ कर दिया है कि उन्होंने इस प्रपोज़ल को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि उन्हें चुनावी राजनीति में जाने या किसी पॉलिटिकल पार्टी के दम पर कोई पद पाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

गांधीनगर के कलोल में मां जोगनी के मंदिर में सेंध लगाने वाला कुख्यात चोर पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर जिले के कलोल तालुका के पंकरवास गांव में पवित्र जोगनी माता के मंदिर में देवी की मूर्ति को निशाना बनाकर चोरी करने वाले तस्करों को आखिरकार सजा मिल गई है। सूचना के आधार पर और गहरी जांच के बाद, कलोल पुलिस ने मेहसाणा-अहमदाबाद हाईवे से ब्रिजेश प्रजापति नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अपराधियों में दहशत फैल गई है। मंदिर के पवित्र गर्भगृह से माताजी के गहनों और आस्था के प्रतीकों की चोरी से स्थानीय भक्तों और ग्रामीणों में बहुत गुस्सा और सदमा फैल गया था। हालांकि, कलोल पुलिस स्टेशन की टीम ने टेक्निकल सोर्स और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी का पता लगा लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी बृजेश प्रजापति से चोरी हुए पांच कीमती चांदी के छत्र पूरी तरह से बरामद कर लिए हैं, जिससे भक्तों ने राहत महसूस की है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद कलोल पुलिस ने उसे रिमांड पर लेकर और गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की डिटेल में जांच कर रही है कि क्या बृजेश इस चोरी में अकेला शामिल था या उसके साथ कोई और लोग भी शामिल हैं। इसके अलावा, इस बात की भी पूरी संभावना है कि इस पूछताछ के दौरान आस-पास के दूसरे धार्मिक स्थलों या इलाकों में हुई चोरी की कोई अनसुलझी वारदातें भी सुलझ जाएंगी।

ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर को मुंबई से शुरू होगा बड़ा आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की पॉलिटिक्स और इलेक्शन कमीशन के गलियारों में इस समय सनसनी है। 'कोकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दीपक ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। साफ चेतावनी दी गई है कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो गांधी जयंती के पावन दिन 2 अक्टूबर यानी अगली 2 तारीख को मुंबई से देश भर में आंदोलन शुरू किया जाएगा और इस कैंपेन को देश के कोने-कोने तक फैलाया जाएगा। अब इस मामले पर सोशल मीडिया से लेकर युवाओं तक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। चीफ इलेक्शन कमिश्नर पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है? ज्ञानेश कुमार पर लगे आरोप सिर्फ़ हवा-हवाई नहीं हैं, बल्कि गंभीर मीडिया रिपोर्ट्स और अंदरूनी झगड़ों की वजह से हैं अंदरूनी मतभेद: हाल ही में आई एक बड़ी जांच रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग के दो और कमिश्नरों ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और दूसरे फैसलों के खिलाफ दस महीने में कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। वोटरों के नाम गायब होने के गंभीर आरोप: महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल समेत कई राज्यों में लाखों-करोड़ों वोटरों के नाम अचानक ड्राफ्ट लिस्ट से गायब होने की घटनाओं ने ट्रांसपेरेंसी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। CJP और विपक्षी नेताओं का मानना है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता से समझौता किया जा रहा है, जिससे संवैधानिक संस्थाओं की साख दांव पर लगी है। हालांकि, चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ये सभी प्रक्रियाएं अहम दौर की सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

कॉर्पोरेट दुनिया के खिलाफ किसानों की जीत पेप्सिको ने गुजरात के किसानों पर केस किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। क्या होता है जब दुनिया भर में अरबों रुपये कमाने वाले ब्रांड अन्नदाता पर अपनी पकड़ मजबूत करने उतर आते हैं? गुजरात के किसानों के साथ हुई यह घटना इसका जीता-जागता उदाहरण है। कुछ साल पहले, पेप्सिको ने गुजरात के आलू किसानों के खिलाफ कोर्ट में केस किया था। कंपनी का गंभीर आरोप था कि गुजरात के ये किसान बिना बिजनेस लाइसेंस या स्टैंडर्ड लाइसेंस के कंपनी की खास किस्म लगा रहे थे और बेच रहे थे। इस क्रिमिनल गलती के लिए कंपनी ने हर किसान से एक करोड़ रुपये का बहुत ज़्यादा मुआवजा मांगा था। एक आम किसान के लिए बिना किसी दाग के इस बड़ी कानूनी लड़ाई में फंसना मौत जैसा था। कविता कुरुगंती अन्नदाताओं की मसीहा बनीं:स्टिंग ऑपरेशन और अन्याय के खिलाफ एक मजबूत ढालइस मुश्किल समय में, सोशल एक्टिविस्ट और किसान अधिकारों की पैरोकार कविता कुरुगंती गुजरात के भोले-भाले और मेहनती किसानों की मदद के लिए सामने आईं।

ऑनलाइन ठगी का दोहरा वार

सस्ता मोबाइल दिखाकर 1.30 लाख उड़ाए, क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन के नाम पर 1.81 लाख की चपत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ऑनलाइन ठगी के दो अलग-अलग मामलों ने लोगों को हैरान कर दिया। रानीप इलाके में फेसबुक मार्केटप्लेस पर सस्ता मोबाइल खरीदने के चक्कर में एक युवक 1.30 लाख रुपए गंवा बैठा। वहीं पालडी में क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट करने के नाम पर एक महिला को व्हाट्सऐप लिंक भेजा गया और उसके खाते से 1,81,899 रुपए डेबिट हो गए। दोनों मामलों में रानीप और पालडी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फेसबुक पर मोबाइल का विज्ञापन देखकर संपर्क

रानीप निवासी मुकेश पटेल ने फेसबुक मार्केटप्लेस पर जयराज पटेल नाम की आईडी से मोबाइल का विज्ञापन देखा था। मोबाइल खरीदने के लिए उन्होंने संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया। इसके बाद अनिरुद्ध सिंह नाम के व्यक्ति ने उन्हें मोबाइल खरीदने के लिए शेला में देवेंद्र मनियार के पास भेजा। मुकेश के अनुसार, देवेंद्र मनियार ने अनिरुद्ध सिंह को अपना दोस्त बताया। इसके बाद मुकेश द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड पर देवेंद्र मनियार और उसके दोस्त के खातों से कुल 1.30 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए गए। रकम ट्रांसफर होने के बाद मुकेश को मोबाइल मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम बदल गया।

रकम लेने के बाद फोन बंद, मोबाइल देने से भी इनकार

मुकेश के मुताबिक, पैसे ट्रांसफर होने के बाद अनिरुद्ध सिंह ने अपना फोन बंद कर दिया। दूसरी ओर देवेंद्र मनियार ने मोबाइल देने से इनकार कर दिया। उसका कहना था कि उसके खाते में पैसे नहीं आए हैं। मोबाइल नहीं मिलने और रकम वापस नहीं होने पर मुकेश पटेल ने रानीप थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला पालडी की निकेताबेन शाह से जुड़ा है। उनका एयू बैंक का क्रेडिट कार्ड बंद था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर कार्ड एक्टिवेट करने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा और कार्ड एक्टिवेट करने की प्रक्रिया बताई।

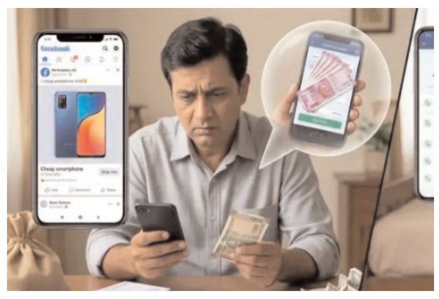

निकेताबेन ने लिंक पर जाकर केवल अपना नाम सत्यापित किया। उन्होंने फोन पर आया ओटीपी न तो साझा किया और न ही उसे सबमिट किया। इसके बावजूद कुछ देर बाद उन्हें बैंक की ओर से भुगतान की पुष्टि के लिए कॉल आया। यह जानकारी मिलते ही उन्होंने अपने क्रेडिट कार्ड को तुरंत ब्लॉक करा दिया। कार्ड ब्लॉक कराने के बावजूद तब तक निकेताबेन के खाते से 1,81,899 रुपए की रकम डेबिट हो चुकी थी। घटना के बाद उन्होंने पालडी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक ही शहर में सामने आए इन दोनों मामलों में ठगी का तरीका अलग रहा। एक मामले में फेसबुक मार्केटप्लेस पर मोबाइल खरीदने के लिए संपर्क करने के बाद रकम ट्रांसफर की गई, लेकिन मोबाइल नहीं मिला। दूसरे मामले में क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट करने के नाम पर महिला को लिंक भेजा गया और उसके खाते से बड़ी रकम निकल गई। दोनों मामलों में पुलिस शिकायत के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

CDM मशीन में पैसे जमा करने आए भोले-भाले लोगों से ठगी करने वाला कुख्यात साहिल शेख पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. गोरवा पुलिस स्टेशन ने वडोदरा शहर में अपराधियों और धोखेबाजों के खिलाफ बहुत सतर्क और मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ऐसे ठग को पकड़ा है जो शहर में कैश डिपॉजिट मशीन के आसपास एक्टिव था और बैंक में पैसे जमा करने आए मासूम और अनजान लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहा था। इस सफल कार्रवाई से गोरवा पुलिस ने एक अनसुलझे (अनसुलझे) गंभीर अपराध का सफलतापूर्वक पता लगाया है।

धोखाधड़ी का यह काला धंधा कैसे किया जाता था?

गिरफ्तार आरोपी का मोडस ऑपरेंडी (काम करने का तरीका) बेहद चालाक था। यह शख्स ष्ठष्ठरू मशीन के पास खड़े होकर कैश जमा करने आए लोगों से कैश लेता था। इसके बाद वह लोगों को मोबाइल पर झूठा और नकली स्क्रीनशॉट दिखाकर लाखों की ठगी करता था कि उसने दूसरे व्यक्ति के अकाउंट में ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं। आम लोग मुश्किल में पड़ जाते थे क्योंकि वे इस हरकत को पहचान नहीं पाते थे।

गिरफ्तार आरोपी और ज़ब्त सामान की जानकारी

गिरफ्तार आरोपी का नामः साहिल जाफरभाई शेख

कुल ज़ब्त सामानः Rs. 15,500/- का कैश, सामान पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है।

पुलिस की रेड आईः लोगों से सावधान रहने की अपील

गोरवा पुलिस स्टेशन के स्टाफ के इस सराहनीय काम से अपराधियों में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने इस मामले की और गहराई से जांच शुरू कर दी है ताकि पता चल सके कि इस व्यक्ति ने पहले कितने लोगों को इस तरह से अपनी ठगी का शिकार बनाया है। वडोदरा पुलिस ने लोगों से यह भी अपील की है कि वे अजनबियों पर भरोसा न करें और,ञ्ररूया ष्ठष्ठरूमशीनों पर पैसे का लेन-देन करते समय सावधान रहें।

बैंक हड़ताल के बीच कस्टमर्स के लिए अच्छी खबरः SBI और PNB समेत सरकारी बैंकों ने दी बड़ी राहत, AT रूसे कैश निकालना होगा फ्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश भर के बैंक कर्मचारी यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक बैंक हड़ताल का ऐलान किया है। पांच दिन की बैंकिंग और बैंकों में दूसरी पेंडिंग मांगों को लेकर इस हड़ताल से आम नागरिकों और अकाउंट होल्डर्स की परेशानियां बढ़ने की संभावना थी। बैंक बंद होने की स्थिति में कैश ट्रांजेक्शन और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन में कोई रुकावट न आए, इसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक समेत सभी बड़े सरकारी बैंकों ने देश के करोड़ों कस्टमर्स को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है।हड़ताल के तीन दिनों के दौरान,ञ्ररू ट्रांजैक्शन चार्ज पूरी तरह माफ बैंक सूत्रों के मुताबिक, हड़ताल के इन तीन दिनों में कस्टमर्स को फाइनेंशियल परेशानी न हो, इसके लिए खास इंतजाम किए गए हैं हड़ताल के इस समय में, अगर कस्टमर किसी भी बैंक के,ञ्ररूसे पैसे निकालते हैं, तो उनसे कोई एक्स्ट्रा चार्ज या सर्विस फीस नहीं ली जाएगी। लिमिट से ज़्यादा ट्रांज़ैक्शन पर राहतः आम दिनों में होने वाले लिमिटेड फ्री ट्रांज़ैक्शन पूरे होने के बाद लगने वाले ट्रांज़ैक्शन पर लगने वाले चार्ज को भी इन तीन दिनों के लिए माफ कर दिया गया है। कस्टमर अपनी ज़रूरत के हिसाब से आराम से कैश निकाल सकेंगे। डिजिटल और ऑनलाइन सर्विस जारी रहेंगीः भले ही बैंक ब्रांच बंद रहेंगी, लेकिन कस्टमर के लिए PI, नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सर्विस पहले की तरह चलती रहेंगी, ताकि कोई भी फंस न जाए।

अहमदाबाद के GMDC ग्राउंड की 23 साल पुरानी परंपरा पर ग्रहण वाइब्रेंट नवरात्रि के लिए फ्री एंट्री बंद होने से गरबा के शौकीनों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद की खास पहचान और गुजरात के कल्चरल गर्व के प्रतीक तरूष्ठष्ट ग्राउंड पर होने वाले वाइब्रेंट नवरात्रि को लेकर एक बहुत ही चौंकाने वाली और बुरी खबर सामने आई है। इस साल वाइब्रेंट नवरात्रि में 'फ्री एंट्री' की सुविधा पूरी तरह से बंद कर दी गई है, जिससे पिछले 23 सालों से चली आ रही परंपरा धूमिल हो गई है। सालों से आम जनता, गरबा के शौकीन और जो परिवार महंगे पास नहीं खरीद सकते थे, वे खुले मैदान में माताजी के गरबा की मस्ती और मां अंबा के दर्शन का आनंद लेते थे; लेकिन अब इस सदियों पुराने आस्था और लोक उत्सव के दरवाजे भी आम जनता के लिए बंद कर दिए गए हैं। आम लोगों और खिलाड़ियों में विरोधः सरकार और ऑर्गनाइज़र पर उठे सवाल अगर अब गुजरात सरकार और टूरिज़्म कॉर्पोरेशन के इस बड़े फेस्टिवल में एंट्री के लिए भी भारी रकम देनी पड़ेगी, तो आम गरबा लवर्स कहां जाएंगे? यह सवाल आज अहमदाबाद के हर गांव और हर गली-मोहल्ले में चर्चा में है।आस्था का कमर्शियलाइज़ेशन जो फेस्टिवल लोगों के लिए और कल्चर को बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया था, अब नागरिकों का गंभीर आरोप है कि इसे प्रॉफिट कमाने वाला और लग्ज़री इवेंट बना दिया गया है।मिडिल क्लास पर फाइनेंशियल बोझः महंगाई के इस दौर में, परिवार के साथ गरबा देखने जाना भी अब आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर अशोक चौधरी की सरकार से गंभीर अपील, छड़िधांध में 'बर्ड रॉक' के पास सोलर प्लांट के नाम पर इकोसिस्टम को खत्म करने के खिलाफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ। रामसर साइट और घास के मैदानों की गोद में बड़ा खेल खेला जा रहा हैः खाने के सोर्स और बेजुबान जानवरों का वजूद दांव पर झरनों और नदियों की कुदरती खूबसूरती के लिए मशहूर कच्छ की ज़मीन पर एक और बड़ा कुदरती और एनवायरनमेंटल खतरा मंडरा रहा है। कच्छ के मशहूर छड़िधांध वेटलैंड, जिसे हाल ही में इंटरनेशनल 'रामसर साइट' का दर्जा मिला है, और उसके आस-पास के 'बर्ड रॉक' इलाके में सोलर पावर प्लांट लगाने के प्रपोज़ल पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मशहूर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर अशोक चौधरी ने ग्रीन एनर्जी के नाम पर कच्छ के इस बहुत सेंसिटिव और गर्व करने लायक एनवायरनमेंट को खत्म करने की सरकार की कोशिशों पर कड़ा एतराज़ जताया है और तुरंत दखल देने की अपील की है। 'बर्ड रॉक' और छड़ीढांढ का अनोखा इकोसिस्टम खत्म हो रहा है पिछले तीन दशकों से कच्छ के वन्यजीवों और प्रकृति को अपने कैमरे में कैद करने और उसे करीब से महसूस करने वाले जाने-माने वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर अशोक चौधरी ने चेतावनी दी है कि छड़ीढांढ सिर्फ एक आम झील या तालाब नहीं है, बल्कि भुज और आस-पास के इलाकों के जीवित इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा है। यह इलाका कॉमन क्रेन समेत दुर्लभ पक्षियों के लिए खाने की एक बड़ी जगह है। अगर इस पवित्र और प्राकृतिक माहौल के पास एक बड़ा सोलर प्लांट लगाया जाता है, तो इस बात की बहुत ज़्यादा संभावना है कि पैनल से बनने वाले 'लेक इफ़ेक्ट' के कारण हजारों पक्षी इसकी ओर आकर्षित होंगे और इस पर उतरते समय मर जाएंगे। डेवलपमेंट के नाम पर नेचर का इम्बैलेंसः सरकार को सीरियसली सोचना होगा एक तरफ सरकार रिन्यूएबल एनर्जी और सोलर पावर को प्रमोट कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ कच्छ के नेचुरल घास के मैदानों और नेचुरल शेल्टर को बंजर या रेवेन्यू लैंड के नाम पर इंडस्ट्रीज़ को सौंपने की पॉलिसी पर सवाल उठ रहे हैं। यह

इलाका लोकल मवेशी पालने वाले कम्युनिटी, खरगोश भैंसों और रेगिस्तानी वाइल्डलाइफ (जैसे रेगिस्तानी बिल्लियाँ, भेड़िये और चिंकारा) की रोजी-रोटी के लिए लाइफलाइन है। अशोक चौधरी समेत एनवायरनमेंटलिस्ट्स ने साफ आवाज उठाई है कि कच्छ के इस नाजुक नेचुरल जोन की जगह ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए कोई दूसरी सही अल्टरनेटिव जगह चुनी जानी चाहिए, ताकि डेवलपमेंट और एनवायरनमेंट के बीच बैलेंस बना रहे।

कांग्रेस ने अपने 44 उम्मीदवारों को उनके फॉर्म भरते ही किसी अनजान जगह पर शिफ्ट कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। 'दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है' सूरत और अहमदाबाद की घटनाओं से डरी कांग्रेस ने शुरू की 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों की घोषणा के साथ ही गुजरात की पॉलिटिक्स गरमा गई है और चुनाव बहुत हाई प्रोफाइल और रोमांचक हो गए हैं। चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसने पॉलिटिकल दुनिया में भूचाल ला दिया है। कांग्रेस ने अपने 44 उम्मीदवारों को उनके फॉर्म भरने के तुरंत बाद किसी सीक्रेट या अनजान जगह पर शिफ्ट कर दिया। यह स्ट्रैटेजी बनाई गई है कि इन सभी नेताओं को कैंडिडेटशिप वापस लेने की डेडलाइन खत्म होने तक किसी सुरक्षित जगह पर रखा जाएगा। उम्मीदवारों की तोड़फोड़ के डर से सख्त एक्शनः BJP पर गंभीर आरोप पिछले सूरत और लोकसभा चुनावों के साथ-साथ लोकल बॉडी चुनावों में विपक्षी उम्मीदवारों के फॉर्म वापस लेने या तोड़फोड़ करने की घटनाओं से सीखते हुए, कांग्रेस पार्टी इस बार बड़े कदम उठा रही है। कांग्रेस के चीफ स्पोक्सपर्सन मनीष दोशी और पार्टी नेताओं का साफ मानना है कि रूलिंग पार्टी BJP कैंडिडेट्स पर प्रेशर बनाने या उन्हें तोड़ने के लिए गवर्नमेंट मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर रही है। इसी वजह से, जैसे ही फॉर्म भरने का प्रोसेस पूरा हुआ, पार्टी ने अपने कैंडिडेट्स को एक अनजान माहौल में शिफ्ट कर दिया है ताकि किसी भी तरह की मैनिपुलेशन या प्रेशर पॉलिटिक्स को नाकाम किया जा सके। डेमोक्रेसी पर सवालः क्या अब चुनाव जीतने के लिए 'सिक्योर कैद' ही एकमात्र ऑप्शन है? जहां चुनावों को डेमोक्रेसी का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है, वहीं गांधीनगर में इस चुनाव में कैंडिडेट्स को अनजान जगहों पर छिपाने की घटना ने डेमोक्रेसी की असलियत पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या पॉलिटिक्स में डर और इनसिक्योरिटी का ऐसा माहौल बन गया है कि कैंडिडेट्स खुलेआम घूम भी नहीं सकते एक तरफ BJP अपनी जीत का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस का यह 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' का खेल दिखाता है कि चुनावी मैदान में कुछ बड़ा पक रहा है। आने वाले दिनों में नॉमिनेशन वापस लेने की डेडलाइन खत्म होने के बाद ही पिक्चर साफ होगी कि गांधीनगर में यह रोमांचक लड़ाई क्या नए रंग लाती है!

महाराष्ट्र के बाद अब गुजरात में भी सूखा घोषित करने की मांगः येसुदान गढ़वी की सरकार दहाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में गंभीर हालात को देखते हुए जहां सूखा घोषित कर दिया गया है, वहीं अब गुजरात के किसानों के हितों को लेकर बेहद गंभीर और तीखे सवाल खड़े हो गए हैं। बारिश की अनियमित कमी, खराब फसलें और दिन-रात मेहनत करने वाले अन्नदाताओं की दयनीय आर्थिक हालत के बीच गुजरात सरकार से राज्य में सूखा घोषित करने की जोरदार मांग उठी है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेता येसुदान गढ़वी ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है और किसानों की पीड़ा बयां की हैमहाराष्ट्र की तरह गुजरात में भी किसान लंबे समय तक सूखे या बहुत ज्यादा बारिश और सूखे की वजह से तबाह हो गए हैं। खेतों में फसलें सूख रही हैं और किसान बैंक का कर्ज़ और लोन की किश्तें चुकाने में लाचार हो गए हैं। इस गंभीर मुद्दे पर, यसुदान गढ़वी ने सरकार से आंखें खोलने वाले सवाल उठाए हैंः जहां सिस्टम किसानों को सही मुआवजा या मदद देने में नाकाम रहा है, वहीं महाराष्ट्र की तरह गुजरात में भी तुरंत सूखा घोषित करने और किसानों को आर्थिक पैकेज और राहत देने की मांग की गई है। आज गुजरात के किसान कमाने वाले होने के बावजूद, अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बीज और फसलों के लिए सही सपोर्ट प्राइस न मिलने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा गई है।

'फूड सेफ्टी से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ जो पॉलिसी लागू की जा रही है, वह अब काम नहीं करेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कर्णावती यूनिवर्सिटी के मंच से IPS तुकाराम मुंडे की जानलेवा दहाड़ः ऑनलाइन फूड डिलीवरी, क्लाउड किचन और जंक फूड पर रेड आई अहमदाबाद की धरती से गुजरात के फूड सेफ्टी और फूड एडमिनिस्ट्रेशन सिस्टम के नए कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने अपने सख्त मिजाज और बिंदास अंदाज में एक बड़ा और विवादित बयान दिया है। अहमदाबाद की मशहूर कर्णावती यूनिवर्सिटी में एक प्रोग्राम में शामिल होने पहुंचे तुकाराम मुंडे ने राज्य के लोगों की सेहत से छेड़छाड़ करने वाले फूड ट्रेडर्स, ऑनलाइन फूड ऐप्स और कॉर्पोरेट कंपनियों को सीधे तौर पर चेतावनी दी है। उन्होंने साफ संकेत दिया है कि गुजरात में फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड्स कानूनों का सख्ती से पालन कराने के लिए सिस्टम किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा। आज के ज़माने के खतरों पर वारः क्लाउड किचन, डार्क स्टोर और ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी पर सखूत रेगुलेशन की मांग आज के डिजिटल ज़माने में एक क्लिक पर घर बैठे खाना ऑर्डर करने का क्रेज़ बढ़ा है, लेकिन तुकाराम मुंडे ने इसके पीछे छिपे हेल्थ रिस्क पर गहरी चिंता जताई है।

होटल मेरवाड़ा एस्टेट में शादी समारोह के दौरान चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

कमरे का ताला खुला मिला, मंगलसूत्र, सोने की चेन-पेंडल, कान के टॉप्स और नकदी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। होटल मेरवाड़ा एस्टेट में पिछले दिनों शादी समारोह के दौरान हुई चोरी के मामले का गंज थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए जेवरात और नकदी बरामद कर ली है। पुलिस ने घटनास्थल और अजमेर शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी सहायता से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। मामले में श्वेता शर्मा पत्नी नरेश शर्मा ने गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, श्वेता शर्मा अपने भाई ललित शर्मा की बेटी की शादी में परिवार सहित होटल मेरवाड़ा एस्टेट में ठहरी हुई थीं। 20 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे परिवार के सभी सदस्य शादी समारोह में शामिल होने के लिए होटल के कमरे से बाहर गए थे। श्वेता ने बताया कि रात करीब 12:30 बजे जब परिवार के लोग वापस होटल के कमरे में लौटे तो कमरे का ताला खुला हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद सामान की जांच करने पर चोरी का पता चला। रिपोर्ट में बताया गया कि श्वेता की छोटी बहन रीना साधवानी का एक मंगलसूत्र, एक चेन पेंडल सहित एक जोड़ी सोने के कान के टॉप्स और 300 रुपए नकद गायब थे। घटना के बाद पीड़िता ने गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने चोरी की घटना से जुड़े सुराग जुटाने के लिए घटनास्थल और अजमेर शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी सहायता से संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटाई गई। जांच के दौरान पुलिस फुल्या गेट के बाहर तक पहुंची। पुलिस ने शाहपुरा निवासी शाहरुख पुत्र शौकत अली को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद कर लिया गया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

जयपुर की सड़कों पर दौड़े 10 हजार से ज्यादा धावक, ग्रीन फिट हाफ मैराथन में दिखा फिटनेस और पर्यावरण का संगम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहर की सड़कों पर रविवार को सुबह की पहली किरण से पहले ही दौड़ और उत्साह का नजारा देखने को मिला। 'ग्रीन फिट हाफ मैराथन सीजन-3' में 10 हजार से अधिक धावकों ने हिस्सा लेकर फिटनेस के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स के पास से आयोजित मैराथन को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजन में देश के 17 राज्यों के अलावा विदेश से भी धावक पहुंचे। 'स्वस्थ भारत, हरित भारत, स्वच्छ भारत-एक जन आंदोलन' और 'रन फॉर ए ग्रीनर अर्थ' के संदेश के साथ आयोजित मैराथन में स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ा गया। आयोजन की खास पहल के तहत प्रत्येक प्रतिभागी को एक पौधा भेंट किया गया। इसका उद्देश्य लोगों को फिटनेस के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जिम्मेदार बनाने का संदेश देना रहा। मैराथन के शुभारंभ अवसर पर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, उत्तर-पश्चिमी कमान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पी.एस. शेखावत, जयपुर व्यापार महासंघ के सुभाष गोयल और आधार प्राइम के प्रबंध निदेशक उज्ज्वल पुनिया सहित कई अतिथि मौजूद रहे। दौड़ शुरू होते ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया। युवाओं के साथ बच्चों, महिलाओं और विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि फिट इंडिया और स्वच्छ भारत अभियान केवल सरकारी पहल नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़े अभियान हैं। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन का निर्माण होता है और स्वस्थ जीवन के लिए आसपास स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी प्रत्येक व्यक्ति से जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

जालोर में दो ट्रैक्टरों से बैटरियां चोरी, सीसीटीवी में रात के अंधेरे में ईको कार दिखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहर के तासखाना बावड़ी क्षेत्र में ईंटों के गोदाम के पास खड़े दो ट्रैक्टरों से बैटरियां चोरी होने का मामला सामने आया है। ट्रैक्टर मालिक सरफराज अहमद ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और चोरी हुई दोनों बैटरियां बरामद कराने की मांग की है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें गोदाम के पास एक ईको कार दिखाई दे रही है। हॉस्पिटल चौराहा निवासी सरफराज अहमद ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनके दो ट्रैक्टर तासखाना बावड़ी क्षेत्र स्थित ईंटों के गोदाम के पास खड़े थे। 26 सितंबर को वे रोज की तरह गोदाम पहुंचे तो दोनों ट्रैक्टरों से बैटरियां गायब मिलीं। उन्होंने आसपास जानकारी जुटाई, लेकिन बैटरियों का कोई पता नहीं चला। इसके बाद सरफराज ने गोदाम के सामने स्थित मोबाइल दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी। उनके अनुसार, फुटेज में रात करीब 3 से 4 बजे के बीच एक ईको कार गोदाम के पास आती हुई दिखाई दे रही है। आरोप है कि कार में सवार लोगों ने दोनों ट्रैक्टरों से बैटरियां निकालीं और इसके बाद वहां से चले गए। सीसीटीवी फुटेज में वाहन दिखाई देने के बावजूद तस्वीर स्पष्ट नहीं होने के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना के बाद ट्रैक्टर मालिक ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करने और संदिग्धों की पहचान करने की मांग की है सरफराज अहमद ने पुलिस को दी रिपोर्ट में चोरी हुई दोनों बैटरियां बरामद कराने की भी मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों से सामान चोरी को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

जालोर में पानी को तरसे ग्रामीण, महिलाओं ने बर्तन लेकर हाईवे पर लगाया जाम

15 दिन से जलापूर्ति बंद, 600-700 रुपए में टैंकर मंगाने को मजबूर परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। पानी की नियमित आपूर्ति नहीं होने से परेशान ग्रामीणों ने रविवार को ओटवाला गांव के पास जालोर-सायला हाईवे पर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में महिलाएं पानी के बर्तन लेकर सड़क पर बैठ गईं और जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि घरों में पानी नहीं आने के कारण उन्हें पीने और घरेलू जरूरतों के लिए निजी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। एक टैंकर के लिए 600 से 700 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि कई परिवारों को हर छह-सात दिन में टैंकर मंगवाना पड़ रहा है। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। महिलाओं का कहना है कि पानी की व्यवस्था करने में समय भी काफी खर्च हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत के मुताबिक पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पानी की समस्या पिछले चार-पांच साल से बनी हुई है और गर्मियों के दौरान स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है। इस बार करीब 15 दिन से जलापूर्ति बंद होने के कारण परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सायला क्षेत्र के कुछ ग्रामीण इलाकों में कृषि बेरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाकर खेती की जा रही है, जबकि घरों तक पीने का पानी नहीं पहुंच रहा। उन्होंने ऐसे मामलों की जांच कर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर 181 हेल्पलाइन और मुख्यमंत्री कार्यालय में भी शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। हाईवे जाम होने की सूचना पर जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता रामगोपाल मीणा, सायला तहसीलदार और सायला थाने का पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या सुनी। अधिकारियों ने खरल स्थित ट्यूबवेल से वैकल्पिक जलापूर्ति शुरू कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त कर रास्ता खोल दिया। प्रदर्शन सुबह करीब 9 बजे शुरू हुआ और करीब 11 बजे के बाद समाप्त हुआ। जलदाय विभाग के जेईएन रामगोपाल मीणा ने बताया कि गुजरात से नर्मदा नहर का पानी करीब 10 दिन से बंद है। इसके चलते तैतरोल से होने वाली जलापूर्ति प्रभावित हुई और विभाग के पास उपलब्ध पानी भी खत्म हो गया। उन्होंने बताया कि खरल स्थित ट्यूबवेल से क्षेत्र में वैकल्पिक जलापूर्ति शुरू कराई गई है। अधिकारियों के अनुसार नर्मदा से पानी की आपूर्ति बहाल होने में करीब 10 दिन और लग सकते हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि तब तक क्षेत्र में नियमित वैकल्पिक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

जैन स्नेह मिलन मेले में उमड़ा समाज का सैलाब, 10 से 12 हजार लोगों ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जैन समाज में सामूहिक क्षमापणा और आपसी स्नेह बढ़ाने के उद्देश्य से जैन युवा संगठन की ओर से रविवार को अणुव्रत नगर में जैन स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 10 से 12 हजार जैन समाजबंधु शामिल हुए। सुबह से शाम तक चले मेले में समाजबंधुओं ने परिचितों और रिश्तेदारों से आत्मीयता से मुलाकात की। एक-दूसरे को गले मिलकर 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहते हुए क्षमा याचना की। सुबह अतिथियों ने विधि-विधान से मेले का शुभारंभ किया। आयोजन में विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचे। मेले में समाजबंधुओं के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। शाम को एक-दूसरे से फिर मिलने का वादा करते हुए समाजबंधु हंसी-खुशी अपने घर लौटे। इस बार

मेले में 110 स्टॉल लगाई गईं। इनमें 50 से अधिक स्टॉल घरेलू सामान की थीं, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की। शेष स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन, पेय पदार्थ, आइसक्रीम सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई गई। अधिकांश स्टॉल जैन समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से लगाई गई थीं। मेले में 50 रुपए में भोजन की थाली, 10 रुपए में पुड़ी-सब्जी, 5 से 10 रुपए में पेय पदार्थ और 5 रुपए में पान उपलब्ध करवाया गया। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए गए। लोगों के बैठकर नाश्ता करने के लिए टेबल-कुर्सियों के साथ आकर्षक पंडाल सजाया गया। दो से अधिक सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए, जहां युवा सेल्फी और समूह तस्वीरें लेते नजर आए। मेले में चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। विभिन्न व्यंजनों की स्टॉल लगाने वालों में जैन समाजबंधुओं के साथ महिला संगठनों से जुड़ी महिलाएं भी शामिल रहीं। सभी स्टॉल पर व्यंजन लागत मूल्य पर उपलब्ध करवाए गए।

पर्युषण पर्व के बाद समाज को एक मंच पर लाने का उद्देश्य

आयोजकों के अनुसार, पर्युषण पर्व के बाद जैन समाज के सभी लोग एक मंच पर मिल सकें और आपसी स्नेह व भाईचारा बढ़े, इसी उद्देश्य से जैन स्नेह मिलन मेले का आयोजन किया जाता है। समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की मौजूदगी रही और पूरे दिन आपसी मेल-मिलाप का माहौल बना रहा।

नक्की झील में एक महीने से जा रहा सीवरेज का गंदा पानी, मटमैला हुआ पानी; दुर्गंध से पर्यटक परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर की प्रसिद्ध नक्की झील में पिछले करीब एक महीने से सीवरेज का प्रदूषित पानी लगातार मिलने से झील के पानी की स्थिति खराब हो गई है। सोडा वाटर कुआं और गुलाब बाग क्षेत्र के पास स्थित दो सीवरेज लाइनों से पानी लगातार 24 घंटे झील में पहुंच रहा है। इससे झील का पानी मटमैला और हरा दिखाई देने लगा है। वहीं झील के किनारों पर दुर्गंध भी आने लगी है। जानकारी के अनुसार ब्रह्मकुमारी के अंतरराष्ट्रीय संस्थान, पांडव भवन और आसपास की बस्तियों से निकलने वाला सीवरेज का पानी भी इसी रास्ते से होकर नक्की झील में पहुंच रहा है। हजारों लीटर प्रदूषित पानी के झील में जाने से पानी की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। झील में सीवरेज का पानी मिलने की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर समस्या के समाधान की मांग उठी।नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को तीन दिन में समस्या का समाधान करने की चेतावनी दी। साथ ही समस्या का समाधान नहीं होने पर धरने पर बैठने की बात कही। अध्यक्ष की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया और झील में पहुंच रहे सीवरेज के पानी की समस्या को दूर करने के लिए सफाई कार्य शुरू कराया गया।

कांग्रेस की बैठक में संयम लोढ़ा ने सरकार पर लगाए आरोप, भ्रष्टाचार, पानी और अधूरे विकास कार्यों पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। डोडुआ स्थित भुवनेश्वर मंदिर में रविवार को सिरोही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक पूर्व विधायक एवं मुख्यमंत्री के पूर्व सलाहकार संयम लोढ़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में लोढ़ा ने भाजपा सरकार पर सिरोही में भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड बनाने, कानून व्यवस्था बिगड़ने और विकास कार्यों में देरी के आरोप लगाए। उन्होंने रामझरोखा मंदिर, हिंदू श्मशान भूमि और नगर परिषद की जमीन के पट्टे काटने को लेकर सवाल उठाए। इसके साथ ही अधूरी परियोजनाओं, किसानों की समस्याओं और महंगाई को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। लोढ़ा ने कहा कि सिरोही में भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड बन रहे हैं। उन्होंने रामझरोखा मंदिर, हिंदू श्मशान भूमि और नगर परिषद की जमीन के पट्टे काटे जाने के उदाहरण देते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और धार्मिक उपयोग की जमीन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता जरूरी है। लोढ़ा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि रुपया 95 तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पहले सरकार कहा करती थी कि रुपये के गिरने से देश की साख गिरती है। उन्होंने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने और लोगों को पक्के मकान उपलब्ध कराने जैसे वादों पर भी सवाल उठाए। किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए लोढ़ा ने कहा कि ऐप के नाम पर गांवों में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2008 में मनमोहन सरकार ने 85 करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया था, लेकिन भाजपा सरकार ने 12 साल में किसानों का कोई कर्ज माफ नहीं किया। लोढ़ा ने सिरोही जिले की अधूरी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि शिवगंज के 71 गांवों को वर्ष 2025 तक जवाई का पानी मिलना था, लेकिन यह काम पूरा नहीं हुआ। इसी तरह सिरोही के आठ गांवों में अप्रैल 2025 तक बत्तीसा नाला का पानी पहुंचाने की बात थी, लेकिन ग्रामीणों को अभी इसका इंतजार है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज, 300 बेड का अस्पताल, संस्कृत कॉलेज और पशु चिकित्सा महाविद्यालय जैसे प्रोजेक्ट्स का काम भी तय समय पर शुरू नहीं हुआ। सिरोही की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए लोढ़ा ने कहा कि शहर में शराब और मादक पदार्थों के अड्डे बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि तीन साल में सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पांच बार बदले गए। लोढ़ा ने कहा कि सरकार का काम जाति और धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और पानी जैसी मूलभूत जरूरतों पर योजनाबद्ध तरीके से काम करना है। विधानसभा समन्वयक अश्विनी कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने वार्ड में जिताऊ उम्मीदवार का चयन कर पार्टी के सामने रखें, ताकि सभी मिलकर पार्टी का बोर्ड बनाने के लिए काम कर सकें। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रतन माली, जिला उपाध्यक्ष नारायणलाल सुथार, तेजाराम मेघवाल, मोहनलाल सीरवी, पुनीत अग्रवाल, भूराराम मेघवाल, पूर्व प्रदेश सचिव गुमान सिंह देवड़ा, पीसीसी सदस्य किशोर पुरोहित, महिला जिलाध्यक्ष रेनुलता व्यास, प्रदेश महासचिव हेमलता शर्मा, एनएसयूआई के दशरथ नरुका और नेपाल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैन स्नेह मिलन मेले में उमड़ा समाज का सैलाब, 10 से 12 हजार लोगों ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जैन युवा संगठन की ओर से रविवार को अणुव्रत नगर में जैन समाज में सामूहिक क्षमापणा और आपसी स्नेह बढ़ाने के उद्देश्य से जैन स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 10 से 12 हजार जैन समाजबंधु शामिल हुए। सुबह से शाम तक चले आयोजन में समाज के लोगों ने परिचितों और रिश्तेदारों से आत्मीयता से मुलाकात की। एक-दूसरे को गले लगाकर 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहते हुए क्षमा याचना की। मेले का शुभारंभ सुबह अतिथियों ने विधि-विधान से किया। आयोजन में विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचे। समाजबंधुओं के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। मेले में 110 से अधिक स्टॉल लगाई गईं। इनमें 50 स्टॉल घरेलू सामान की थीं, जबकि अन्य स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन, पेय पदार्थ, आइसक्रीम सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई गई। अधिकांश स्टॉल जैन समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से लगाई गई थीं और यहां व्यंजन लागत मूल्य पर उपलब्ध करवाए गए। मेले में 50 रुपए में भोजन की थाली, 10 रुपए में पुड़ी-सब्जी, 5 से 10 रुपए में पेय पदार्थ और 5 रुपए में पान उपलब्ध करवाया गया। रियायती दरों पर खाद्य सामग्री मिलने से बड़ी संख्या में समाजबंधु स्टॉल पर व्यंजनों का स्वाद लेते नजर आए। घरेलू सामान की स्टॉल पर भी लोगों ने खरीदारी की। महिला संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने भी विभिन्न व्यंजनों की स्टॉल लगाने में भागीदारी निभाई। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए। लोगों के बैठकर नाश्ता करने के लिए टेबल-कुर्सियों के साथ आकर्षक पंडाल सजाया गया।

जयपुर में भजनों की तेज आवाज को लेकर मंदिर में पुजारी से मारपीट, कपड़े फाड़े; सीसीटीवी में कैद हुई घटना

धार्मिक कार्यक्रम के दौरान पड़ोसी परिवार से हुआ विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। करधनी थाना क्षेत्र के गणेश नगर मेन में शुक्रवार शाम मंदिर में चल रहे धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भजनों की तेज आवाज को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पड़ोसी परिवार के लोगों ने मंदिर के पुजारी पंडित रामकृष्ण के साथ मारपीट कर दी। हाथापाई की पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामले में पुजारी की ओर से शनिवार को करधनी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। करधनी थाने के थानाधिकारी सवाई सिंह के अनुसार, निवारू रोड स्थित गणेश नगर मेन निवासी पंडित रामकृष्ण शिव मंदिर में पुजारी हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि शुक्रवार शाम करीब 7:45 बजे मंदिर में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान चल रहा था। इसी दौरान भजनों और संगीत की आवाज को लेकर पड़ोसी परिवार के हरिश चतुर्वेदी, देवांश और रितु मंदिर पहुंच गए। शिकायत के अनुसार, उस समय मंदिर में श्रद्धालु भी मौजूद थे। संगीत की आवाज को लेकर पुजारी और पड़ोसी परिवार के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने पुजारी रामकृष्ण के साथ मारपीट की। इस दौरान उनके कपड़े भी फाड़ दिए गए। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को शांत कराया। घटना के बाद रविवार को कुछ लोगों ने करधनी थाने के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

मामले में पुजारी पंडित रामकृष्ण और आरोपी परिवार की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की। फुटेज में मारपीट की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने हरिश और देवांश को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विश्व पर्यटन दिवस पर माउंट आबू में पर्यटकों का फूलमालाओं से स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर 2026 को माउंट आबू में पर्यटकों के स्वागत के लिए विशेष आयोजन किया गया। पर्यटन विभाग की टीम ने नक्की लेक और गुरुशिखर पहुंचे पर्यटकों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। महिला पर्यटकों को फूलों के गुलदस्ते भेंट किए गए। इस दौरान पर्यटन विभाग की टीम ने पर्यटकों से बातचीत भी की और माउंट आबू के विभिन्न पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी। टीम ने पर्यटकों को यहां आने वाले प्रमुख स्थलों और उनके महत्व के बारे में बताया। पर्यटकों के स्वागत की इस पहल से पर्यटन स्थलों पर उत्साह का माहौल नजर आया। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के साथ संवाद कर उन्हें स्थानीय पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी देने पर भी जोर दिया गया। विभाग का उद्देश्य पर्यटकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के साथ उन्हें माउंट आबू की पर्यटन विरासत से परिचित कराना रहा। इसी अवसर पर राजकीय संग्रहालय, माउंट आबू में साफ-सफाई के लिए श्रमदान अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान संग्रहालय परिसर में स्वच्छता पर ध्यान दिया गया। पर्यटन विभाग ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पर्यटकों को अच्छा अनुभव देना और पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विभाग के अनुसार पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ इन स्थानों के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

मनमोहन सिंह की याद आपको क्यों सताती है?

'मोदी देश के लिए विनाशकारी होगा' से लेकर लोकतंत्र की रक्षा की अनकही कहानी तक

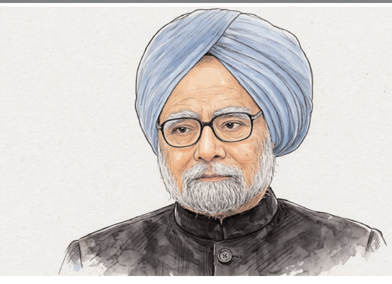

एक ईमानदार अर्थशास्त्री से देश के प्रशासक तक का सफर: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और उनका विवादित लेकिन सुनहरा इतिहास

जब भी देश की आर्थिक स्थिति, लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक संवेदनशीलता की बात आती है, तो डॉ. मनमोहन सिंह का नाम सबसे आगे आता है। 26 सितंबर 1932 को जन्मे और 26 दिसंबर 2024 को इस दुनिया से चले गए भारत के इस अनोखे नेता और अर्थशास्त्री के जीवन पर अगर नज़र डालें, तो कई दिलचस्प और चौंकाने वाली बातें सामने आती हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रिज और ऑक्सफ़ोर्ड से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मनमोहन सिंह पहले एक कुशल अर्थशास्त्री और प्रशासक थे, और फिर एक राजनेता बन गए। भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर और योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा देने के बाद, जब 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव वित्त मंत्री बने, तो भारत की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में थी और विदेशी मुद्रा भंडार बस कुछ ही हफ़्ते दूर था। उस मुश्किल समय में, उन्होंने रुपये की कीमत कम करके, इंडस्ट्रियल लाइसेंसिंग खत्म करके, इम्पोर्ट ड्यूटी कम करके और के लिए दरवाज़े खोलकर 1991 के ऐतिहासिक लिबरलाइज़ेशन की नींव रखी।

मनमोहन सिंह के राज की सुनहरी उपलब्धियाँ: जब भारत एक इकोनॉमिक सुपरपावर बनने की कगार पर था

2004 में UP की अचानक जीत के बाद, सोनिया गांधी ने प्राइम मिनिस्टर का पद ठुकरा दिया और मनमोहन सिंह को चुना गया। वे आज़ाद भारत के पहले सिख प्राइम मिनिस्टर और जवाहरलाल नेहरू के बाद पहले प्राइम मिनिस्टर बने जिन्होंने पूरे पाँच साल का टर्म सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद दोबारा चुनाव जीता।

इकोनॉमिक डेवलपमेंट और गरीबी उन्मूलन: PA-1 (2004-2009) के दौरान, देश की एवरेज ग्रोथ रेट लगभग 8 परसेंट थी। 2008 की ग्लोबल मंदी का असर भी भारत पर बहुत कम था। तेंदुलकर कमेटी के अनुमान के मुताबिक, लाखों लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए। क्रांतिकारी कानून और योजनाएं: MGN-REGA (2005), सूचना का अधिकार (2005), शिक्षा का अधिकार (2009), नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट (2013) और आधार की नींव रखना उनके राज में किए गए ज़रूरी काम थे।

ऐतिहासिक न्यूक्लियर एग्रीमेंट: इंडिया-रु सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट (2008) के ज़रिए, उन्होंने भारत को इंटरनेशनल न्यूक्लियर आइसोलेशन से आज़ाद कराया। देश की इकॉनमी 2004 में 700 बिलियन से बढ़कर 2014 तक लगभग 2 ट्रिलियन हो गई।

भ्रष्टाचार के आरोप और 'चुप्पी' का असर

दूसरा कार्यकाल महंगाई, 2013 में रुपये की गिरावट और पॉलिसी स्टेबिलिटी के सवालों से भरा रहा। गठबंधन की मजबूरियों और लेफ्ट या रीजनल पार्टियों के सपोर्ट के बीच चल रही सरकार में, उनका 'कमज़ोर प्रधानमंत्री' या 'रिमोट-कंट्रोल्ड सरकार' कहकर मज़ाक उड़ाया गया। 2त्न स्पेक्ट्रम, कोयला आवंटन (कोलगेट) और घोटालों के आरोपों के बीच अन्ना हज़ारे के आंदोलन ने राजनीतिक माहौल को हिलाकर रख दिया। हालांकि, बाद में अदालतों ने उनके या किसी भी बड़े नेता के खिलाफ कोई व्यक्तिगत आपराधिक आरोप साबित नहीं किया और 2 जी मामले के आरोपियों को बरी कर दिया गया। हालांकि, सिस्टम की खामियों और मीडिया से प्रभावी ढंग से संवाद करने में असमर्थता के कारण उनकी छवि खराब हुई। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी की किताब का एक रहस्यमयी किस्सा: जब मनमोहन सिंह आत्महत्या करने की नौबत आ गई थी! मशहूर लेखक प्रफुल्ल कोलख्यान और एस.वाई. कुरैशी की किताब 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर' के विश्लेषण से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आती है। जनवरी 2012 में जब तत्कालीन कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान मुस्लिम आरक्षण पर बयान दिया था, तो मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने इसकी कड़ी निंदा की थी। कुछ मंत्रियों की टिप्पणियों से आहत होकर कुरैशी ने पीएम के मीडिया सलाहकार से शिकायत की थी। अगले दिन डॉ. मनमोहन सिंह ने कुरैशी को 7 रेसकोर्स रोड पर बुलाया था। प्रधानमंत्री दरवाज़े पर उनका इंतज़ार कर रहे थे और जैसे ही वे बैठे, उन्होंने कहा, 'हरीश ने मुझे बताया कि आपको चोट लगी है। अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो मैं आत्महत्या कर लूँगा!' मनमोहन सिंह के इस बयान से पता चलता है कि वे संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र के स्तंभों के प्रति कितने गंभीर और संवेदनशील थे। उन्होंने साफ़ कहा था कि चुनाव आय ग हमारे लोकतंत्र की आत्मा है।

'नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए बहुत बुरा होगा!'

4 जनवरी 2014 को अपनी आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जब डॉ. मनमोहन सिंह से राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बहुत साफ़ कहा था, 'नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए बहुत बुरा होगा।' आज के समय में, जब देश में लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और आर्थिक असमानता की हालत देखी जाती है, तो मनमोहन सिंह की वे बातें सच लगती हैं।

भले ही आज उन्हें राजनीतिक पार्टियों ने 'साइलेंट प्राइम मिनिस्टर' का टाइटल दिया हो, लेकिन इतिहास उनकी ईमानदारी, आर्थिक सुधारों और लोकतंत्र के ढांचे को मज़बूती से बनाए रखने के लिए हमेशा उनके नाम को सुनहरे अक्षरों में याद रखेगा!

विकास की हाई-फाई बातों के बीच

देश की GDP बढ़ी है, लेकिन आम आदमी पर कर्ज का खतरनाक बोझ बढ़ा है! आंकड़ों की चमक के पीछे

देश के विकास के बड़े-बड़े दावों और दुनिया में पांचवें या चौथे नंबर पर पहुंच चुकी इकॉनमी की तारीफों के बीच, एक कड़वी और डरावनी सच्चाई सामने आई है, जिसने आम नागरिकों की नींद छीन ली है। एक तरफ सरकार देश की भारी इकॉनमिक ग्रोथ और डिजिटल इंडिया के आंकड़े बड़े गर्व से पेश करती है, वहीं दूसरी तरफ, जमीनी हकीकत यह है कि देश का आम परिवार, बिजनेसमैन और मिडिल क्लास कर्ज के ऐसे चक्रव्यूह में फंस गया है, जिससे निकलना अब नामुमकिन सा लग रहा है। बड़ा सवाल यह है कि अगर देश सच में आर्थिक रूप से अमीर हो रहा है, तो हर घर के खजाने खाली क्यों हो रहे हैं और बैंक लोन पर लोन लेने का ट्रेंड रिकॉर्ड लेवल पर क्यों पहुंच गया है? 2014 के बाद बदला खेल: कमाई रुकी, खर्चे और कर्ज आसमान छू रहे हैं

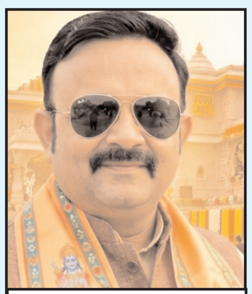

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

2014 के बाद हुए राजनीतिक और पॉलिसी बदलावों के बाद, देश में महंगाई का विकराल रूप और भी डरावना हो गया है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस सिलेंडर, खाने का तेल, सब्जियों और दूध की बढ़ती कीमतों से लेकर जिंदगी की सभी ज़रूरी चीजें आम आदमी की पहुँच से दूर होती जा रही हैं। इसके साथ ही, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी सेक्टर इतने महंगे हो गए हैं कि एक आम परिवार की महीने की कमाई अब घर का खर्च चलाने के लिए काफ़ी नहीं रही।

गुजराती लोग, जो अपनी मेहनत और बिज़नेस की समझ के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं, उन्हें भी घर चलाने, बच्चों की कॉलेज फ़ीस भरने या परिवार में कोई मेडिकल इमरजेंसी आने पर क्रेडिट कार्ड स्वाइप करने या पर्सनल लोन लेने पर मजबूर होना पड़ता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक और दूसरे फ़ाइनेंशियल संस्थानों की चौंकाने वाली रिपोर्ट भी इस बात की गवाही देती है कि भारतीय परिवारों पर घरेलू कर्ज़ आज़ादी के बाद सबसे ऊँचे लेवल पर पहुँच गया है। बैंकों से घर या कार खरीदने के लिए लोन तो ठीक है, लेकिन घर के आम और रोज़ाना के खर्चों को पूरा करने के लिए लिए जाने वाले रिटेल लोन और अनसिक्योर्ड लोन की रकम बहुत ज़्यादा बढ़ गई है। लोगों को अपनी बेसिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए भी साहूकारों या बैंकों की शरण लेनी पड़ रही है।

विकास की परिभाषा पर सवाल: क्या यह असली तरक्की है या सिर्फ़ आंकड़ों की चाल?

जब आर्थिक आंकड़ों के बढ़ने का दावा किया जाता है, तो यह भी गंभीरता से सोचना ज़रूरी है कि इस विकास का फ़ायदा किसे मिल रहा है? क्या यह तरक्की सच में देश के 140 करोड़ लोगों की है या सिर्फ़ कुछ मुट्ठी भर अरबपतियों और कॉर्पोरेट टाइकून की? असलियत यह है कि बेकाबू महंगाई और बेरोज़गारी के दलदल में फंसे मिडिल क्लास और गरीब वर्ग की बचत डूब गई है। वही परिवार जो दस साल पहले मुश्किल समय के लिए थोड़ी बचत कर सकता था, अब अपनी पुरानी बचत, या सोना बेचकर घर चला रहा है। आजकल लोग भविष्य के लिए बचत करने के बजाय अपनी महीने की कमाई का एक बड़ा हिस्सा बैंक की किश्तों को चुकाने में खर्च कर रहे हैं। डेवलपमेंट के इस चमकदार दिखावे के पीछे आम आदमी का आर्थिक शोषण हो रहा है, जो देश की लंबे समय की सामाजिक और आर्थिक सेहत के लिए बहुत खतरनाक संकेत है। अगर आम आदमी खुद खुशहाल नहीं होगा, तो यह टेम्पररी आर्थिक डेवलपमेंट बेकार है।

एक जैसी डेमोग्राफिक्स लेकिन अलग नतीजे: गुजरात के वोटरों पर उठे गंभीर सवाल

राजस्थान और गुजरात की राजनीति का आईना: एक जैसी आबादी होने के बावजूद विचारधारा में इतना बड़ा अंतर क्यों?

जब भारतीय राजनीति में धर्म, आबादी और सत्ता के समीकरणों पर बात होती है, तो राजस्थान और वाइब्रेंट गुजरात के पड़ोसी राज्यों के आंकड़े एक अनोखा विरोधाभास पेश करते हैं। हाल ही के एक राजनीतिक विश्लेषण के अनुसार, राजस्थान और गुजरात दोनों राज्यों में मुस्लिम आबादी का अनुपात लगभग एक जैसा है, यानी लगभग 9 प्रतिशत। हालांकि, दोनों राज्यों के लोगों के राजनीतिक कल्चर और मूड में बहुत बड़ा अंतर है। इस तुलना ने गुजरात के राजनीतिक माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजस्थान का क्रांतिकारी मूड: हर पांच साल में सत्ता बदलती है

राजस्थान की राजनीतिक परंपरा रही है कि वहां के लोग किसी एक पार्टी या नेता को बहुत बड़ी ताकत नहीं सौंपते। वहां के लोग हर पांच साल में सत्ता बदलकर विपक्ष को सत्ता की चाबी सौंप देते हैं। इस राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बावजूद, राजस्थान में कभी यह डर या इशारा नहीं हुआ कि किसी खास समुदाय की वजह से वहां के बहुसंख्यक लोग या 'हिंदू पहचान' खतरे में है। राजस्थानी वोटर डर या पोलराइजेशन के आधार पर नहीं, बल्कि डेवलपमेंट, रोज़गार और लोकल मुद्दों के आधार पर वोट करते हैं। वहां के लोग सरकार को अपने सिर पर बिठाने के बजाय उसे अपना नौकर समझना ज़्यादा पसंद करते हैं।

गुजरात की तस्वीर: 30 साल का एक ही पार्टी का राज और 'डर' की पॉलिटिक्स

दूसरी तरफ, गुजरात में हालात बिल्कुल उलटे हैं। यहां पिछले तीन दशकों (लगभग 30 साल) से एक ही पॉलिटिकल पार्टी राज कर रही है। सवाल यह है कि क्या यह लगातार 30 साल की गुलामी या एकतरफ़ा भक्ति लोगों की मजबूरी है या किसी सोचे-समझे डर का नतीजा है?

पॉलिटिकल एनालिस्ट मानते हैं कि गुजरात में लोगों के मन में लगातार यह डर बैठा दिया गया है कि अगर सत्ता बदली तो सिक्योरिटी खतरे में पड़ जाएगी।

डर और पोलराइजेशन की इस पॉलिटिक्स के कारण जनता महंगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा और हेल्थ जैसे अपने बेसिक मुद्दों को भूलकर एक ही पार्टी के राज को आँख बंद करके मान रही है। जनता के लिए आत्मचिंतन का समय आ गया है।

जब राजस्थान जैसे राज्यों में जनता सरकार बदलकर अपनी ताकत का एहसास कराती है, तो गुजरात की जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा कि क्या 30 साल तक एक ही पार्टी पर आंख मूंदकर भरोसा करना लोकतंत्र के लिए सही है? लोकतंत्र में कोई नेता या पार्टी सुप्रीम नहीं होती, जनता मालिक होती है। अगर डर के सहारे राज किया जाए, तो वह सच्चा लोकतंत्र नहीं बल्कि लोगों की मानसिक गुलामी है।

मास्टरमाइंड आज़ाद और कॉन्ट्रैक्टर जेल में: पंकज त्रिवेदी मर्डर केस का जानलेवा खुलासा

जयश्री दीदी के शामिल होने के गंभीर आरोपों ने गुजरात की पॉलिटिक्स में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, जो गुजरात के ज्यूडिशियल सिस्टम और कानून के राज की असलियत पर बहुत गंभीर और सनसनीखेज सवाल खड़े करती हैं। अहमदाबाद सेशंस कोर्ट ने पंकज त्रिवेदी मर्डर केस में दस आरोपियों को उम्रकैद की सज़ा सुनाकर दावा किया है कि कानून अपना काम कर रहा है, लेकिन इस केस के पीछे छिपी कड़वी और जानलेवा सच्चाई यह है कि असली मास्टरमाइंड या मास्टरमाइंड अभी भी कानून के चंगुल से आज़ाद है जबकि सिर्फ़ कॉन्ट्रैक्टर या मोहरों को सज़ा भुगतनी पड़ी है। 15 जून 2006 को अहमदाबाद में स्वाध्याय परिवार के लीडर पंकज त्रिवेदी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, जिसकी गूंज आज भी इंसाफ़ की दुनिया में गूंज रही है। इस हत्याकांड के बैकग्राउंड को देखें तो 2002 से 2006 के बीच गुजरात में स्वाध्याय परिवार ने जो आतंक और विवाद खड़ा किया, वह जगजाहिर है। पांडुरंग शास्त्रीजी के बनाए इस बड़े परिवार के पास करीब एक हजार करोड़ रुपए की दौलत और लाखों फॉलोअर्स थे, लेकिन जैसे ही उनकी गोद ली हुई बेटी जयश्री दीदी को दादा का वारिस चुना गया, अंदरूनी कलह और झगड़े सतह पर आ गए। गुजरात हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी. जे. दीवान, ट्रस्टी महेश शाह और समाजसेवी पंकज त्रिवेदी ने स्वाध्याय परिवार में वंशवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई। ऐसे गंभीर आरोप लगे हैं कि इस विरोध को दबाने के लिए हिंसा का सहारा लिया गया। इस केस का सबसे विवादित पहलू यह है कि पंकज त्रिवेदी ने अपनी हत्या के डर से उस समय के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर साफ चेतावनी दी थी कि अगर मेरी हत्या होती है तो जयश्री दीदी को आरोपी नंबर एक मानना। इतने साफ सबूतों के बावजूद, मशहूर लेखक गुणवंत शाह और सच्चिदानंद स्वामी के बार-बार बुलाने पर भी पुलिस ने जयश्री दीदी से पूछताछ तक नहीं की। यह आरोप कि हत्या की साजिश खुद एक सीनियर IPS ऑफिसर के ऑफिस में रची गई थी, इस केस को और भी रहस्यमयी और जानलेवा बना देते हैं। घटना से पहले जयश्री दीदी के भड़काऊ बयान भी उतने ही डरावने थे। उन्होंने सबके सामने कहा था कि उनके पास रुञ्ज्ञश्च जैसे हज़ार नौजवान हैं जो ओबेरॉय होटल की छत से कूदकर किसी को भी बिना पलक झपकाए मार देंगे। उन्हें पंकज त्रिवेदी के एंटी-करप्शन कैंपेन के खिलाफ अपने फॉलोअर्स में गुस्सा फैलाकर भड़काया गया था। जामनगर में वीनू सचानिया पर जानलेवा हमले से लेकर, जिसमें उनके करीब चालीस वॉलेट खो गए थे, पंकज त्रिवेदी की हत्या तक, सभी घटनाओं में एक जैसा तरीका देखा गया।

पाक्को गुजरात के पढ़ने वालों के सामने यह सवाल उठता है कि क्या कानून हमेशा राजनीतिक या धार्मिक ताकत के सामने लाचार रहता है? जयश्री दीदी के खिलाफ इतने गंभीर सबूत और खुद मृतका के वॉर्निंग लेटर के बावजूद, पुलिस ने उनसे पूछताछ नहीं की, यह बात एडमिनिस्ट्रेशन की गंभीर मिलीभगत की ओर इशारा करती है। यह मामला साबित करता है कि ताकत के दम पर कानून को कैसे झुकाया जा सकता है, जहां असली मास्टरमाइंड खुलेआम घूम रहे हैं और आम ठेकेदार जेल की सज़ा काट रहे हैं।

अलग-अलग होकर भी साथ रहना ही भारत की असली पहचान

मेरे पिताजी वैज्ञानिक थे और मैं बंबई में पली-बढ़ी। हमारी कॉलोनी में बंगाली, मराठी और दक्षिण भारतीय परिवार रहते थे। स्कूल में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई बच्चे साथ पढ़ते थे। अलग खान-पान, भाषा, पहनावा और धर्म हमारे लिए कोई असामान्य बात नहीं थी, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। किसी के घर सांभर बनता था तो हमारे यहां अरहर की दाल। कहीं हल्दी-कुमकुम की परंपरा थी तो हमारे घर जन्माष्टमी की झांकी सजती थी। घर में अपनी भाषा और बाहर अंग्रेजी बोलना भी सहज था। यही विविधता बंबई की पहचान थी।

छोटे शहरों में रहने वाले रिश्तेदारों को यह सब कभी-कभी आश्चर्यजनक लगता था, क्योंकि उनका सामाजिक दायरा सीमित था और वे अधिकतर अपने जैसे लोगों के बीच रहते थे। लेकिन बड़े शहरों ने अलग-अलग पहचान वाले लोगों के साथ रहने और उन्हें समझने का अवसर दिया। मुझे याद है, करीब बारह साल की उम्र में ट्रेन में किसी ने मुझसे मेरी जाति पूछी। स्कूल में चार जातियों के बारे में पढ़ा था और पिता से इस विषय पर बात भी हुई थी, लेकिन मेरे लिए जाति अतीत का विषय थी। सवाल यही था कि आज के भारत में इसका क्या लेना-देना?

शाय यही सवाल आज भी हमारे सामने है। विविधता को केवल स्वीकार करना नहीं, बल्कि उसे सामान्य जीवन का हिस्सा मानना ही सामाजिक सौहार्द की बुनियाद है। अलग होना दूरी का कारण नहीं, एक-दूसरे को समझने का अवसर होना चाहिए।

(सोमवार) 28 सितंबर 2026

मेष: मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और नए कामों में सफलता के अवसर बनेंगे	वृषभ: रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और कार्यक्षेत्र में आपकी राय को विशेष महत्व मिलेगा
मिथुन: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, रुके हुए कामों को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा	कर्क: चुनौतियों का डटकर सामना करेंगे, मेहनत के सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है
सिंह: आपकी बातचीत से कई काम बन सकते हैं, कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी	कन्या: नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं, यात्रा या संपर्कों से लाभ के अवसर बनेंगे
तुला: परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, महत्वपूर्ण फैसलों में धैर्य से काम लेना लाभकारी रहेगा	वृश्चिक: काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से परिस्थितियों को संभाल लेंगे
धनु: आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को सफलता मिलने के संकेत हैं	मकर: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और अचानक कोई अच्छी खबर मन प्रसन्न कर सकती है
कुंभ: योजनाओं को गति मिलेगी, धन से जुड़े मामलों में लाभ का अवसर बन सकता है	मीन: दिन उत्साहपूर्ण रहेगा, परिवार और कार्यक्षेत्र के बीच बेहतर संतुलन बनाए रख पाएंगे

चंद्रशेखर के खेमे में सेंध, अमीर आलम परिवार कांग्रेस के साथ

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पश्चिमी अंचल में एक ऐसा बड़ा राजनीतिक फेरबदल हुआ है जिसने न केवल क्षेत्रीय समीकरणों को हिला दिया है बल्कि छोटे दलों के उभार और उनके स्थायित्व पर भी गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। मुजफ्फरनगर और शामली से लेकर सहारनपुर तक अपनी मजबूत पकड़ रखने वाले कद्दावर मुस्लिम नेता और पूर्व सांसद अमीर आलम तथा उनके विधायक बेटे नवाजिश आलम ने चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी का दामन छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। राजनीति के गलियारों में इस घटनाक्रम को एक बड़े राजनीतिक टर्निंग्स के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि महज डेढ़ साल पहले ही यह परिवार राष्ट्रीय लोकदल को छोड़कर चंद्रशेखर के पाले में आया था और अब चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आ रहा है। इस दल-बदल के राजनीतिक मायने बहुत दूरगामी हैं और इसका सीधा असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उस सियासी ताने-बाने पर पड़ना तय है जिसे हालिया लोकसभा चुनावों के बाद एक नई दिशा मिलने का दावा किया जा रहा था। यदि इस पूरे घटनाक्रम के आंकड़ों और राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो अमीर आलम परिवार का पश्चिमी यूपी की सियासत में पिछले चार दशकों से गहरा दखल रहा है। अमीर आलम के राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1985 में हुई थी जब वह पहली बार थानाभवन विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद साल 1989 में उन्होंने मोरना सीट से जीत दर्ज की और फिर साल 1996 में एक बार फिर थानाभवन से विधानसभा पहुंचे। अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान वह उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी रहे। इसके अलावा कैराना लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने और समाजवादी पार्टी के कोटे से राज्यसभा सदस्य बनने तक का उनका सफर इस बात की गवाही देता है कि वह इस क्षेत्र के कितने प्रभावशाली और स्थापित राजनेता रहे हैं। उनके बेटे नवाजिश आलम ने भी अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए साल 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर बुढ़ाना विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी और सबसे कम उम्र के विधायकों में शुमार हुए थे। हालांकि इसके बाद उनका राजनीतिक सफर कई दलों के बीच घूमता रहा। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मीरापुर सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद साल 2018 में वह राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए और साल 2025 में अपने पिता के साथ आजाद समाज पार्टी का दामन थाम लिया था। अब सितंबर 2026 के इस ताजा घटनाक्रम में उन्होंने आजाद समाज पार्टी से नाता तोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया है, जिससे पश्चिमी यूपी की राजनीति में एक बार फिर नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या इससे आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद की दलित-मुस्लिम राजनीति को करारा झटका लगा है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में जब चंद्रशेखर आजाद ने नगीना सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, तब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक नए दलित-मुस्लिम राजनीतिक गठबंधन की जोरदार चर्चा शुरू हुई थी। ऐसा माना जा रहा था कि सीएए-एनआरसी आंदोलनों और अन्य सामाजिक मुद्दों पर मुस्लिम युवाओं के बीच अपनी पैठ बनाने वाले चंद्रशेखर आजाद दलितों और मुस्लिमों को एक मंच पर लाने में कामयाब हो रहे हैं। लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अमीर आलम और नवाजिश आलम जैसे कद्दावर मुस्लिम चेहरों का पार्टी छोड़कर जाना इस बात का संकेत है कि छोटे दलों के लिए बड़े और प्रभावशाली नेताओं को लंबे समय तक बांधे रखना आसान नहीं होता है। पार्टी छोड़ने के बाद नवाजिश आलम और उनके पिता की ओर से खुलकर यह सवाल उठाए गए कि आजाद समाज पार्टी की खुद दलित समुदाय के बीच अपेक्षित स्वीकार्यता नहीं बन पा रही है और पार्टी के भीतर मुस्लिम समाज के राजनीतिक हितों की अनदेखी हो रही है। उन्होंने नेतृत्व पर वादे पूरे न करने और संवाद में कमी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि राजनीति के जानकारों का मानना है कि किसी कद्दावर नेता के पार्टी छोड़ने से उस नेता का अपना पारंपरिक वोट बैंक तो प्रभावित हो सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि पूरा का पूरा समुदाय एक झटके में दिशा बदल ले। इसके बावजूद चंद्रशेखर के लिए यह एक बड़ा वैचारिक और संगठनात्मक झटका जरूर है क्योंकि पश्चिमी यूपी में पार्टी को स्थापित करने वाले शुरुआती बड़े चेहरों में इस परिवार की गिनती होती थी। कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस परिवार की घर वापसी या यूं कहें कि कांग्रेस में एंट्री पार्टी की उस रणनीति का हिस्सा है.

पैकेट पर लाल निशान, उपभोक्ता के अधिकार की नई शुरुआत

बाजार में किसी खाद्य पदार्थ का पैकेट उठाते ही उसकी चमकदार पैकिंग, बड़े-बड़े दावे और आकर्षक शब्द आसानी से नजर आ जाते हैं। 'हाई प्रोटीन', 'मल्टीग्रेन', 'नेचुरल' और 'विटामिन युक्त' जैसे शब्द उपभोक्ता का ध्यान खींचते हैं, लेकिन उसी पैकेट में मौजूद चीनी, नमक और संतृप्त वसा की वास्तविक मात्रा अक्सर पीछे छोटी लिखावट में छिपी होती है। ऐसे में सवाल केवल खान-पान का नहीं, बल्कि उपभोक्ता के उस अधिकार का भी है जिसके तहत उसे यह जानने का पूरा अवसर मिलना चाहिए कि वह वास्तव में क्या खरीद रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भारत में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने चेतावनी लेबल लगाने की दिशा में आगे बढ़ना इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने प्रस्ताव दिया है कि अधिक चीनी, नमक या संतृप्त वसा वाले खाद्य पदार्थों पर पैकेट के सामने लाल षट्कोण में 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' जैसी चेतावनी दी जाए। यह व्यवस्था उपभोक्ता को पोषण तालिका का जटिल गणित किए बिना पहली नजर में जरूरी जानकारी दे सकती है। दुनिया के कई देशों में चेतावनी आधारित लेबलिंग लागू है। कनाडा में जनवरी 2026 से तय सीमा से अधिक संतृप्त वसा, शुगर या सोडियम वाले पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने स्पष्ट प्रतीक अनिवार्य हैं। चिली, मैक्सिको सहित कई देशों ने भी ऐसे मॉडल अपनाए हैं। चिली में चेतावनी चिह्न लागू होने के बाद मीठे पेयों की खरीद में गिरावट देखी गई। इसका अर्थ यह है कि जानकारी जितनी स्पष्ट और तुरंत समझ आने वाली होगी, उपभोक्ता के चुनाव पर उसका प्रभाव उतना ही संभव है। लेकिन भारत के प्रस्ताव में एक बुनियादी सवाल भी है। यदि चेतावनी लगाने के लिए तीन चिंताजनक पोषक तत्वों में से कम से कम दो का निर्धारित सीमा से अधिक होना जरूरी होगा, तो अत्यधिक चीनी वाला कोई उत्पाद केवल इसलिए चेतावनी से बच सकता है क्योंकि उसमें नमक और वसा कम है। यह तर्क उपभोक्ता की समझ को उलझा सकता है। सरल व्यवस्था यही होनी चाहिए कि चीनी अधिक है तो चीनी की चेतावनी हो, नमक अधिक है तो नमक की और संतृप्त वसा अधिक है तो वसा की। चेतावनी इतनी स्पष्ट और प्रमुख हो कि खरीदारी के समय नजर आए। यह भी याद रखना जरूरी है कि फिलहाल यह प्रस्ताव है, कानून नहीं।

खरगोन में करंट से दो गायों की मौत पर बवाल, हाईवे पर शव रखकर 5 घंटे चक्काजाम; लाइन अटेंडेंट निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में टूटे बिजली तारों की चपेट में आने से दो गायों की मौत के बाद शनिवार को विवाद बढ़ गया। घटना से नाराज गौरक्षकों और स्थानीय लोगों ने दोनों गायों के शव चित्तौड़गढ़-भुसावल हाईवे पर रखकर करीब 5 घंटे तक चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और सैकड़ों वाहन फंस गए। मामला जिला मुख्यालय के बिस्टान रोड स्थित जंगल क्षेत्र का है। बताया गया कि टूटे बिजली तारों की चपेट में आने से दो गायों की मौत हो गई। घटना के बाद गौरक्षक दोनों शव लेकर कसावद रोड स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंचे। बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताने के बाद उन्होंने दोनों शव हाईवे पर रख दिए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बिजली के तार टूटने की जानकारी शुक्रवार रात ही संबंधित अधिकारियों को दे दी गई थी। इसके बावजूद बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई और टूटे तारों की मरम्मत नहीं कराई गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि समय रहते बिजली बंद कर दी जाती तो दोनों गायों की जान बच सकती थी। हाईवे पर जाम की सूचना मिलने के बाद बिजली कंपनी के अधीक्षण अभियंता जयपाल ठाकुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को खरगोन ग्रामीण विद्युत केंद्र में पदस्थ लाइन अटेंडेंट जितेंद्र भालसे के निलंबन का आदेश सौंपा। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जाम समाप्त करने पर सहमति जताई। बताया गया कि करीब दोपहर 12 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन शाम करीब 5:30 बजे खत्म हुआ। इसके बाद यातायात बहाल हुआ और शाम करीब 6 बजे तक स्थिति सामान्य हो गई। गौरक्षक कार्यकर्ताओं सतीश राठौड़, हरिओम यादव और कमलेश यादव ने दावा किया कि जिले में पिछले तीन महीनों में करंट लगने से गौवंश की मौत की यह चौथी घटना है। उनके अनुसार इससे पहले जून में मांगरुल रोड और 4 अगस्त को मूसेखान रोड पर भी करंट की चपेट में आने से गाय की मौत हुई थी। हाईवे पर जाम के दौरान उपज लेकर जा रहे कुछ किसानों और प्रदर्शनकारियों के बीच कहासुनी भी हो गई। स्थिति बिगड़ने से पहले मेंगांव थाना प्रभारी मनशाराम रोमड़े मौके पर पहुंचे और समझाइश देकर मामला शांत कराया। पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों से निकालने का प्रयास किया। र्शनकारियों का कहना था कि लगातार ऐसी घटनाएं सामने आने के बावजूद बिजली लाइनों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो रही है। निलंबन आदेश मिलने के बाद उन्होंने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

बीना में सड़क हादसे के बाद बीजेपी नेता की पुलिस से तीखी झड़प, बेटे को बचाने सड़क पर धरने पर बैठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीना। मध्य प्रदेश के बीना में सड़क हादसे के बाद शनिवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब हादसे में शामिल बोलेरो को पुलिस ने जब्त करने की कार्रवाई शुरू की। वाहन चालक के पिता और स्थानीय भाजपा नेता एवं एल्डरमैन रमेश जड़िया अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए और पुलिस की कार्रवाई का विरोध करने लगे। देखते ही देखते मामला सड़क पर विरोध प्रदर्शन से लेकर थाने के अंदर तीखी बहस तक पहुंच गया। हादसा बीना-खिमलासा रोड पर सिविल कोर्ट के पास हुआ। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार धनोरा गांव निवासी भविष्य अहिरवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बोलेरो चालक मौके से निकल गया। हादसे के बाद घायल युवक सड़क पर पड़ा था। इसी दौरान वहां से पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता प्रभु सिंह ठाकुर का काफिला गुजर रहा था। उन्होंने घायल युवक को देखा तो तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई और उसे अपनी ही कार से सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में घायल युवक का उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी सक्रिय हुई और टक्कर मारकर भाग रही बोलेरो की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने वाहन को सर्वोदय चौराहे के पास रोक लिया। वाहन की पहचान क्रमांक एमपी 04 सीसी 7361 के रूप में बताई गई है। पुलिस ने बोलेरो को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही बोलेरो चालक के पिता और स्थानीय भाजपा नेता रमेश जड़िया समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने वाहन जब्त किए जाने का विरोध किया। पुलिस और भाजपा नेता के बीच वाहन को लेकर बहस होने लगी। विरोध बढ़ने पर रमेश जड़िया सड़क पर ही बैठ गए। उनके समर्थक भी उनके साथ खड़े हो गए। सड़क पर प्रदर्शन के कारण सर्वोदय चौराहे पर यातायात प्रभावित हो गया। करीब 15 से 20 मिनट तक सड़क पर जाम जैसी स्थिति बनी रही। दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि वाहन जब्त करने की कार्रवाई को लेकर विरोध जारी रहा। पुलिस ने अंततः बोलेरो को अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया। वाहन थाने पहुंचने के बाद विवाद खत्म नहीं हुआ। मामला बीना थाने तक पहुंच गया, जहां भाजपा नेता और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस होने की बात सामने आई है। काफी देर तक थाने में गहमागहमी का माहौल बना रहा बताया जा रहा है कि वाहन जब्ती को लेकर भाजपा नेता और उनके समर्थक थाना प्रभारी से कार्रवाई को लेकर सवाल करते रहे। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस हुई। पुलिस अधिकारियों ने मामले में नियमों के अनुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही। हादसे के बाद सड़क पर प्रदर्शन और थाने में हुए विवाद के कारण पुलिस ने पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लिया है।

मथुरा में प्रेमानंद महाराज के शिष्य की 40 फीट ऊंचाई से गिरकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से दीक्षित 25 वर्षीय दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। 25 सितंबर की दोपहर वह इमारत की चौथी मंजिल से करीब 40 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अब घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि रसिक दुलारी शरण अचानक इमारत की चौथी मंजिल से नीचे सड़क पर गिरते हैं। बताया जा रहा है कि वह पहले पैरों के बल जमीन पर गिरे और इसके बाद सिर सड़क से टकरा गया। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के समय सड़क से दो साइकिल सवार गुजर रहे थे। अचानक युवक को नीचे गिरते देखकर दोनों मौके पर रुक गए। इसी दौरान पानी की आपूर्ति करने वाला एक वाहन भी वहां पहुंचा और चालक ने वाहन रोक दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक तौर पर घटना को आत्महत्या से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन मामले की परिस्थितियों को देखते हुए हत्या समेत अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक चौथी मंजिल से किस परिस्थिति में गिरा और घटना के समय उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। युवक की मानसिक स्थिति और घटना से पहले की परिस्थितियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजनों ने यमुना किनारे अंतिम संस्कार किया। मृतक के छोटे भाई मनीष ने मुखाग्नि दी। इस दौरान परिवार के लोग भावुक हो गए। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच में जुटी है। मौत के वास्तविक कारण और घटना की परिस्थितियां जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

सिंहस्थ की राह में आया मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुश्तैनी घर, विकास के लिए खुद चलाया हथौड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सिंहस्थ कुंभ 2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का काम तेज हो गया है। इसी परियोजना की जद में मुख्यमंत्री मोहन यादव का पैतृक मकान भी आया है। रविवार को मुख्यमंत्री खुद अपने पुश्तैनी घर पहुंचे और सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रभावित हिस्से पर फावड़ा और हथौड़ा चलाकर काम की शुरुआत की। यह मकान अब्दालपुरा इलाके में स्थित है और इसके करीब 2.90 मीटर हिस्से को सड़क चौड़ीकरण के लिए हटाया जाना है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को देखते हुए शहर की सड़कों और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब्दालपुरा क्षेत्र में खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। इस परियोजना के दायरे में करीब 270 मकान बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव का पैतृक मकान भी इन्हीं प्रभावित भवनों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने पैतृक मकान के प्रभावित हिस्से को खुद हटाने की शुरुआत की। उन्होंने हाथ में गैंती और हथौड़ा लेकर मकान के उस हिस्से पर काम किया, जो सड़क चौड़ीकरण की योजना में आ रहा है। मुख्यमंत्री के इस कदम को सिंहस्थ की तैयारियों से जुड़े विकास कार्य में अपने परिवार की संपत्ति से सहयोग के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव का इस मकान से पुराना पारिवारिक जुड़ाव रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनके दादा रामचंद्र यादव ने वर्ष 1974 में यह मकान बनवाया था। इसी घर और आसपास के इलाके में मुख्यमंत्री तथा उनके भाई-बहनों का बचपन बीता। ऐसे में मकान का हिस्सा हटाया जाना परिवार के लिए भावनात्मक विषय भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस घर में बचपन बीता हो, उसके किसी हिस्से को हटाना भावनात्मक रूप से आसान नहीं होता। हालांकि, यदि उज्जैन के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों के लिए इसकी आवश्यकता है तो सहयोग करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिक भी सड़क चौड़ीकरण और सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, उनका यह पुश्तैनी मकान उनके राजनीतिक सफर के कई महत्वपूर्ण दौरों का भी गवाह रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनहित में होने वाले विकास कार्यों में उदाहरण पेश करने की जिम्मेदारी सबसे पहले जनप्रतिनिधियों की होती है। उनके मुताबिक, नियम सभी के लिए समान होने चाहिए और जनहित में जरूरी विकास कार्यों में सहयोग किया जाना चाहिए। सड़क चौड़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री के साथ उनकी बहन कलावती यादव का मकान भी प्रभावित क्षेत्र में बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और

वाहनों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों को चौड़ा करने तथा यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विकास कार्य किए जा रहे हैं। सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में सड़क, यातायात और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई काम चल रहे हैं। इससे पहले भी सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले भवनों और धार्मिक स्थलों को लेकर शहर में चर्चा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री का अपने पैतृक मकान के प्रभावित हिस्से को खुद हटाने की शुरुआत करना इस परियोजना से जुड़ी प्रमुख घटनाओं में शामिल हो गया है। अब सड़क चौड़ीकरण का काम आगे बढ़ने के साथ प्रशासन के सामने विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने की चुनौती है। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में बढ़ने वाले श्रद्धालुओं के दबाव को देखते हुए सड़क और यातायात व्यवस्था को तैयार करना इस पूरी परियोजना का प्रमुख उद्देश्य बताया जा रहा है।

घर में घुसकर रिटायर्ड फौजी और पत्नी की गला काटकर हत्या, हाथरस में डबल मर्डर से सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक रिटायर्ड फौजी और उनकी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। दोनों के शव रविवार सुबह उनके घर के अंदर खून से लथपथ हालत में मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और सर्विलांस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला कोतवाली सादाबाद क्षेत्र के मोहल्ला इस्लामनगर का है। यहां सादाबाद बाईपास मार्ग पर ताज बॉडी के पास बने मकान में 58 वर्षीय रिटायर्ड फौजी शमशुद्दीन अपनी पत्नी सद्दो के साथ रहते थे। रविवार सुबह करीब 9:30 बजे तक घर का मुख्य दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। पड़ोसियों ने परिजनों की मदद से किसी तरह घर का दरवाजा खुलवाया। अंदर पहुंचने पर दोनों के शव फर्श पर खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर में पुलिस अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। प्रारंभिक जांच में दोनों की हत्या धारदार हथियार से किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने मौके से जरूरी नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र किए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके। एसपी हाथरस चिरंजीवी नाथ सिन्हा के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे सादाबाद कस्बे में एक बुजुर्ग दंपति के घर में मृत पाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और सर्विलांस टीम को मौके पर भेजा गया। एसपी के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में धारदार हथियार से हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। मामले की जांच के लिए 5 पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसको जब्त कर लेना... कार्यक्रम में पहुंचते ही बस की हालत देख भड़के कलेक्टर, उतरते ही करवा दी सीज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में प्रशासनिक सख्ती का एक मामला सामने आया है। गुढ़ तहसील में आयोजित 'जन विश्वास' कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी उस समय नाराज हो गए, जब जिस बस से वह और अन्य अधिकारी कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, उसकी हालत बेहद जर्जर मिली। बस से उतरने के बाद कलेक्टर ने मौके पर ही उसकी स्थिति का जायजा लिया और आरटीओ तथा एसडीएम को बस के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में अधिकारियों को ले जाने के लिए रीवा आरटीओ की ओर से तिवारी ट्रैवल्स की बस उपलब्ध कराई गई थी। इसी बस से कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी समेत जिले के कई अधिकारी रीवा से गुढ़ पहुंचे। सफर के दौरान बस की खस्ताहाल स्थिति के कारण अधिकारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम स्थल पर बस रुकने के बाद जैसे ही अधिकारी नीचे उतरे, कलेक्टर ने बस

की स्थिति देखी। बस की हालत को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई और अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही इस बस में सफर के दौरान परेशान हो रहे हैं तो रोजाना इसमें यात्रा करने वाले आम यात्रियों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी वाहन की फिटनेस और स्थिति निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है तो उसके खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। इसके बाद कलेक्टर ने मौके से ही एसडीएम और आरटीओ को बस को जब्त करने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही परिवहन विभाग की टीम सक्रिय हुई और बस को अपने कब्जे में लेकर सीज कर दिया।

आरटीओ की जांच पर उठे सवाल

कलेक्टर की इस कार्रवाई के बाद परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि यदि बस की हालत इतनी खराब थी कि अधिकारियों को सफर के दौरान परेशानी हुई, तो वह नियमित रूप से यात्रियों को लेकर सड़कों पर कैसे चल रही थी। यह भी जांच का विषय है कि बस की फिटनेस की आखिरी बार कब जांच की गई थी और उसे सड़क पर चलने की अनुमति किन मानकों के आधार पर मिली थी।

जबरन पेशाब पिलाने का आरोप; 7 पर मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के एक गांव में अवैध संबंधों के शक में एक युवक के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने युवक के साथ मारपीट की, उसका आधा सिर और दाढ़ी मुंडवा दी और बाद में उसे पेड़ से बांधकर जबरन पेशाब पिलाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले में तीन महिलाओं समेत 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना गुरुवार की बताई जा रही है। शुक्रवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। इसके बाद पीड़ित युवक थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित अविवाहित है। पुलिस के मुताबिक, उसके संबंध उसकी बहन के ससुराल पक्ष की एक शादीशुदा महिला से होने का शक परिवार और गांव के कुछ लोगों को था। इसी बात को लेकर कथित तौर पर युवक को घेर लिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि मारपीट के बाद युवक का आधा सिर और दाढ़ी जबरन मुंडवा दी गई। इसके बाद उसे पेड़ से बांध दिया गया और उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। घटना का वीडियो भी बनाया गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर तीन महिलाओं समेत सात नामजद लोगों और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद से फरार हैं और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल लोगों की पहचान और भूमिका की जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

10 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी का श्रावस्ती में पुलिस से मुठभेड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार आरोपी शंकर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने घटनास्थल से लौटते समय उपनिरीक्षक अनुराग सिंह की टीम पर चार राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला भिनगा क्षेत्र के लोनियन पुरवा गांव का है। पुलिस के मुताबिक, 22 सितंबर 2023 को गांव के पास जंगल में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें लगाई गईं। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान शंकर के रूप में की। उसकी उम्र करीब 27 वर्ष बताई जा रही है और वह घरका थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, घटना के समय आरोपी द्वारा पहने गए कपड़े भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को उसकी निशानदेही पर घटनास्थल ले जाया गया था। वहां आवश्यक जांच और कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस टीम उसे लेकर वापस लौट रही थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर कथित तौर पर फायरिंग कर दी। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने चार राउंड गोलियां चलाईं। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और अस्पताल पहुंचाया। श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के अनुसार, आरोपी का अस्पताल में उपचार चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों को भी जांच में शामिल कर रही है। मुठभेड़ के दौरान हुई फायरिंग के घटनाक्रम की भी नियमानुसार जांच की जाएगी।

60 घंटे में 56 लोगों की मौत; कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। जलभराव के साथ कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। तेज बारिश और हवाओं के कारण पेड़ गिरने तथा कच्चे मकानों के क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। पिछले 60 घंटों में अतिवृष्टि और आंधी-तूफान से प्रदेश में 56 लोगों की मौत होने की सूचना है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से अगले 24 घंटे के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग इस मौसम तंत्र पर लगातार नजर बनाए हुए है। प्रदेश में बारिश और आंधी-तूफान से 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। हादसों में 5 लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। लखीमपुर खीरी में सबसे अधिक 4 मौतें हुई हैं। इसके अलावा अयोध्या में 2 तथा अमेठी, बहराइच, बांदा, बाराबंकी, बस्ती, फतेहपुर, हमीरपुर, हरदोई और कानपुर नगर में 1-1 मौत की सूचना है। बहराइच में दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि बस्ती में आंधी-तूफान के दौरान एक व्यक्ति की जान चली गई। बारिश और तेज हवाओं से बांदा में 32, जालौन में 21 और हरदोई में 14 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। पशुहानि के भी 4 मामले सामने आए हैं। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश का असर अधिक रहने की संभावना है। केंद्रीय तराई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका जताई गई है। अगले 24 घंटे में मध्य और तराई उत्तर प्रदेश के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों में अचानक बाढ़ का हल्का से मध्यम खतरा भी बताया गया है। बारिश की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लखनऊ में शनिवार सुबह तक 21 घंटे में 125.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। फतेहगढ़ में 224 मिलीमीटर, बांदा में 227.6 मिलीमीटर, बहराइच के नानपारा में 217 मिलीमीटर, हरदोई में 214 मिलीमीटर और कन्नौज में 204 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण मुरादाबाद समेत कई शहरों में जलभराव की स्थिति बन गई है। कई सरकारी भवनों और निचले इलाकों में भी पानी भरने की सूचना है। तेज हवाओं के कारण जगह-जगह पेड़ गिरने और कच्चे मकानों की दीवारें ढहने की घटनाएं सामने आई हैं। बारिश से फसलों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर, गोरखपुर, बस्ती, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोंडा, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, अमेठी, कौशांबी और चित्रकूट समेत कई जिलों में प्रशासन को सतर्क किया गया है। नेपाल में भी भारी बारिश को देखते हुए सीमावर्ती जिलों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जनहानि और पशुहानि पर नियमानुसार सहायता देने तथा मकान गिरने से प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा देने के निर्देश भी दिए हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत और आश्रय केंद्रों तक पहुंचाने के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर रहकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया है।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के वोटरों को दी राहत, नाम हटाने पर आपत्ति की समय-सीमा 12 अक्टूबर तक बढ़ाई

बीएलओ घर जाकर जुटाएंगे दस्तावेज; अंतिम मतदाता सूची अब 16 नवंबर को होगी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग ने वोटरों के लिए अहम फैसला लिया है। आयोग ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के संबंध में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा बढ़ाकर 12 अक्टूबर 2026 कर दी है। इसके साथ ही इन दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए भी अतिरिक्त समय दिया गया है। अब संबंधित मामलों का निपटारा 10 नवंबर 2026 तक किया जा सकेगा। चुनाव आयोग ने यह फैसला शनिवार को हुई अहम बैठक में लिया। बैठक में एसआईआर की प्रक्रिया, नोटिस पाने वाले मतदाताओं की सुविधा और दावे-आपत्तियों के निपटारे से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की गई। आयोग के इस फैसले से उन मतदाताओं को अतिरिक्त समय मिलेगा, जिन्हें मतदाता सूची में नाम को लेकर आपत्ति या नोटिस मिला है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जिन मतदाताओं की जानकारी उपलब्ध रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती थी या जिनके मामले में किसी तरह की तार्किक विसंगति सामने आई थी, उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। ऐसे मामलों में अब मतदाताओं को अपने पक्ष में जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ ऐसे मतदाताओं के घर जाकर जरूरी दस्तावेज जुटा सकेंगे। इसके बाद इन दस्तावेजों को चुनाव आयोग के ईसीआईनेट पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। दस्तावेज और संबंधित जानकारी मिलने के बाद निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी यानी ईआरओ मामले की जांच कर निर्णय लेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नोटिस पाने वाले लोगों को सामान्य स्थिति में सुनवाई के लिए ईआरओ या एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी। जरूरत पड़ने पर सुनवाई ऑनलाइन की जा सकेगी। इसके अलावा किसी बालिग मतदाता की ओर से उसके परिवार का कोई सदस्य भी सुनवाई में

शामिल हो सकेगा। एसआईआर से जुड़ी प्रक्रिया में ऐसे लोगों को भी सुविधा देने की व्यवस्था की गई है, जिन्हें दस्तावेज जमा करने या प्रक्रिया समझने में परेशानी हो सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारियों को नाइट शेल्टर में रहने वाले लोगों, मजदूरों, शहरी गरीबों और बेघर लोगों के लिए विशेष मदद केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन केंद्रों के जरिए लोगों को आवेदन, दस्तावेज और दावे-आपत्तियों से जुड़ी प्रक्रिया में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ने के साथ अंतिम मतदाता सूची जारी होने की तारीख में भी बदलाव किया गया है। अब महाराष्ट्र की अंतिम मतदाता सूची 16 नवंबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। इससे पहले इसे 4 नवंबर 2026 को जारी किया जाना था। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में राजनीतिक बहस भी चल रही है। विपक्षी दल मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं, जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। अब महाराष्ट्र के मतदाताओं के पास अपने दावे या आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 12 अक्टूबर तक का समय रहेगा। इसके बाद संबंधित मामलों की जांच और निपटारे की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और 10 नवंबर तक दावे-आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। इसके बाद अंतिम प्रक्रिया पूरी होने पर 16 नवंबर को महाराष्ट्र की नई अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

महिला सुरक्षा के लिए पुलिस कमिश्नर खुद गश्त पर, 800 महिला पुलिसकर्मी भी मैदान में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आस्था कुंज पार्क में 21 सितंबर की रात नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने महिला सुरक्षा को लेकर गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस की मौजूदगी लोगों को स्पष्ट रूप से नजर आए, इसके लिए रोज शाम से देर रात तक विभिन्न इलाकों में सघन गश्त की जा रही है। पुलिस की अलग-अलग इकाइयों में तैनात करीब 700 से 800 महिला पुलिसकर्मियों को भी जिलों में भेजकर गश्ती टीमों में शामिल किया गया है।पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने शुक्रवार रात दक्षिण दिल्ली के कई संवेदनशील इलाकों का औचक निरीक्षण किया। वह अंबेडकर नगर क्षेत्र के जहांपनाह पार्क और हौज खास स्थित डियर पार्क पहुंचे। इस दौरान कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। कमिश्नर ने मौके पर पुलिस की तैनाती, गश्त और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, रोज शाम करीब 5:30 बजे से रात 11:30 बजे तक प्रमुख पार्कों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष गश्त की जा रही है। कुछ संवेदनशील पार्कों में 24 घंटे निगरानी के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की गई है। महिला पुलिसकर्मियों को जिलों में भेजकर उन्हें स्थानीय गश्ती दलों के साथ लगाया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की दो-दो कंपनियां भी उपलब्ध कराई गई हैं। इन जवानों को स्थानीय पुलिस के साथ पार्कों, बाजारों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जा रहा है। इससे पहले मंगलवार रात पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने विशेष पुलिस आयुक्त नीरज ठाकुर के साथ आस्था कुंज पार्क में वारदात वाली जगह का भी निरीक्षण किया था। अधिकारियों को पैदल गश्त के साथ बाइक गश्त बढ़ाने, नियमित निगरानी रखने और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शाम और रात के समय सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जा रही है। इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य संवेदनशील इलाकों में निगरानी मजबूत करना और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना है।

चुनाव आयोग विवाद के बीच सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष चुनाव आयोग और देश की संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। उन्होंने राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष देश में ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उनके मुताबिक, विपक्ष का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना और सरकार के विकास कार्यों से लोगों का ध्यान हटाना है। रेखा गुप्ता ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि आयोग अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन कर रहा है। उन्होंने विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज किया और कहा कि आयोग के फैसले पारदर्शी तरीके से लिए जा रहे हैं। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। 23 सितंबर को आयोग के सूत्रों ने कहा था कि चुनाव आयुक्तों के बीच चर्चा के दौरान सवाल और टिप्पणियां हुईं, लेकिन किसी सदस्य ने अंतिम फैसले के खिलाफ औपचारिक असहमति दर्ज नहीं कराई। आयोग ने कहा था कि संबंधित आदेशों पर तीनों सदस्यों के हस्ताक्षर हैं।

700 करोड़ के मेडिकल इक्विपमेंट घोटाले का आरोपी राजीव रंगीला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। करीब 700 करोड़ रुपये के मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले में कथित मास्टरमाइंड राजीव रंगीला ने एंटी करप्शन ब्रांच के सामने सरेंडर कर दिया। इसके बाद जांच एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। एसीबी अब उससे कथित शेल कंपनियों, टेंडर प्रक्रिया और विभाग से गायब बताई जा रही फाइलों को लेकर पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी के मुताबिक, रंगीला गुरुवार को एसीबी के सामने सरेंडर करने पहुंचा था। शुक्रवार को अदालत में पेशी के बाद उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया। जांचकर्ताओं का कहना है कि पूछताछ के दौरान घोटाले से जुड़े कई अहम पहलुओं की जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। एसीबी यह पता लगाने में जुटी है कि मेडिकल उपकरणों की खरीद से जुड़ी कौन-कौन सी फाइलें गायब हैं और उन्हें किसने हटाया। इसके साथ ही टेंडर की शर्तें और तकनीकी मानक किसने तैयार किए, इसकी भी जांच की जा रही है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि कहीं इन शर्तों को किसी विशेष कंपनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से तो तैयार नहीं किया गया था। जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार, रंगीला ने कथित तौर पर ऐसे लोगों के नाम पर कंपनियां खड़ी कीं, जिनका वास्तविक कारोबार से कोई संबंध नहीं था। आरोप है कि इन कंपनियों में नौकरों और चाय बेचने वालों तक को मालिक के तौर पर दिखाया गया, जबकि कंपनियों का वास्तविक संचालन रंगीला करता था। जांच में एफ मेड डिवाइसेस, टेक्नोक्रेट्स, राज श्री, आशी सर्जिकल एंड फार्मास्युटिकल और एम साहिब एंड संस प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों के नाम सामने आने की बात कही गई है। एसीबी की जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि मेडिकल उपकरण बनाने वाली कंपनियों के साथ कथित मिलीभगत कर सप्लाई की दरें तय कराने और नकद कमीशन लौटाने की व्यवस्था की गई थी। जांच एजेंसी यह भी देख रही है कि क्या निर्माताओं के साथ मिलकर ऐसी तकनीकी शर्तें तैयार की गईं, जिनके कारण सीमित कंपनियां ही टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। आरोप है कि इस तरह तैयार किए गए दस्तावेज सीपीए के हेड ऑफ ऑफिस डॉ. विनोद कुमार रंगा तक पहुंचते थे और उनके जरिए टेंडर कमेटी के सामने रखे जाते थे। डॉ. रंगा इस मामले में 18 जून को गिरफ्तार किए गए शुरुआती आरोपियों में शामिल थे। यह मामला इस साल मई में सामने आया था। विजिलेंस विभाग की शिकायत के बाद एसीबी ने 2 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद जांच आगे बढ़ी और एसीबी ने राजीव रंगीला समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी दाखिल किया। जांच एजेंसी के अनुसार, रंगीला को जुलाई में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन कई नोटिस जारी होने के बावजूद वह पेश नहीं हुआ। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड समेत कई जगहों पर उसकी तलाश की गई। जांच में उसकी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में संपत्तियां होने की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। अदालत द्वारा उसे भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद जांच एजेंसी उसकी संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच उसने एसीबी के सामने सरेंडर कर दिया। जांच के दौरान उसके जून में फरार होने और बाद में अमेरिका चले जाने की संभावना से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। राजीव रंगीला का राजनीतिक अतीत भी रहा है।

सार्वजनिक शौचालय में अचानक फैली केमिकल जैसी गंध, 2 युवकों की मौत से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव ईस्ट इलाके में सार्वजनिक शौचालय के अंदर संदिग्ध केमिकल जैसी गंध फैलने के बाद 2 युवकों की मौत का मामला सामने आया है। दोनों युवक शौचालय के अंदर बेहोशी की हालत में मिले थे। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस समेत कई विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं। घटना 27 सितंबर की सुबह पारसी पंचायत गेट के सामने मृणालताई ब्रिज के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय में हुई। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय प्रभाकर धनिवार और 18 वर्षीय भाविन देसाई के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शौचालय के अंदर अचानक तेज केमिकल जैसी गंध फैलने की बात सामने आई। इसके बाद दोनों युवकों के बेहोश होने की सूचना मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को बाहर निकालकर इलाज के लिए ट्रॉमा केयर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर बताई। जानकारी के मुताबिक, दोनों को रात करीब 12 बजे अस्पताल लाया गया था। इलाज के दौरान सुबह 3:49 बजे डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके अलावा 108 एंबुलेंस, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और बीएमसी के संबंधित वार्ड कर्मचारियों को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया और वहां मौजूद संदिग्ध पदार्थ तथा केमिकल जैसी गंध के स्रोत का पता लगाने की कोशिश शुरू की। फिलहाल जांच का सबसे अहम बिंदु यही है कि सार्वजनिक शौचालय के अंदर यह गंध कहां से आई और दोनों युवक उसके संपर्क में किस तरह आए। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वहां किसी सफाई कार्य के दौरान किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया था या घटना की

कोई दूसरी वजह थी। पुलिस और संबंधित विभागों की टीमें घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। मौके से मिले पदार्थों और अन्य साक्ष्यों की जांच के साथ यह भी पता लगाया जा रहा है कि शौचालय में उस समय किस तरह की गतिविधियां चल रही थीं। दोनों युवकों की मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही सामने आने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर सार्वजनिक शौचालय में संदिग्ध केमिकल जैसी गंध कैसे फैली।

काली माता मंदिर परिसर में मिले 'कंकाल' की सच्चाई आई सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के मिंटो रोड स्थित काली माता मंदिर परिसर में सफाई अभियान के दौरान मिले मानव कंकाल जैसे ढांचे को लेकर मचे हड़कंप के बाद मामले की शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, फॉरेंसिक और क्राइम टीम की प्रारंभिक जांच में बरामद ढांचा इंसानी हड्डियों का नहीं, बल्कि कृत्रिम हड्डियों से बना एक मॉडल पाया गया है। दरअसल, मिंटो रोड स्थित काली माता मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी और नगर निगम की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान कबाड़ के बीच एक बॉक्स में मानव कंकाल जैसा ढांचा दिखाई दिया। ढांचा देखते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बरामद ढांचे को जांच के लिए सुरक्षित किया गया। शुरुआती स्तर पर पुलिस ने स्पष्ट किया था कि बिना वैज्ञानिक जांच के यह कहना संभव नहीं है कि बरामद चीज वास्तविक मानव कंकाल है या कोई मॉडल। इसके बाद फॉरेंसिक और क्राइम टीम को जांच के लिए बुलाया गया। जांच के दौरान कबाड़ खरीदने वाले मोहम्मद अबरार से भी पूछताछ की गई। अबरार ने पुलिस को बताया कि उसने एक स्कूल से कबाड़ खरीदा था। उसके मुताबिक, यह कबाड़ 9 जुलाई को लाया गया था और इसमें ऐसे कई बॉक्स शामिल थे, जिन्हें पिछले कुछ महीनों से यहां रखा गया था। पुलिस ने कबाड़ खरीदने वाले के बयान और बरामद ढांचे के स्रोत की जानकारी की भी जांच की। शुरुआती पड़ताल में सामने आया कि कंकाल जैसा ढांचा कबाड़ के जरिए एक स्कूल से यहां पहुंचा था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, फॉरेंसिक और क्राइम टीम ने मौके पर पहुंचकर ढांचे की जांच की। विशेषज्ञों के शुरुआती आकलन में यह इंसानी हड्डियों का वास्तविक ढांचा नहीं, बल्कि कृत्रिम हड्डियों से बना शैक्षणिक मॉडल बताया गया है। ऐसे मॉडल का इस्तेमाल आमतौर पर शरीर रचना विज्ञान और मानव शरीर के विभिन्न अंगों की संरचना समझाने के लिए शिक्षण संस्थानों या प्रयोगशालाओं में किया जा सकता है। हालांकि, पुलिस की ओर से सामने आया यह निष्कर्ष प्रारंभिक जांच पर आधारित है। सफाई अभियान के दौरान बॉक्स में कंकाल जैसा ढांचा मिलने के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच इसे लेकर तरह-तरह की आशंकाएं पैदा हो गई थीं। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और पूरे मामले को वैज्ञानिक तरीके से जांच के दायरे में लिया। फॉरेंसिक टीम की शुरुआती जांच के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि बरामद ढांचा इंसानी कंकाल नहीं है। इसके स्कूल से कबाड़ के जरिए मंदिर परिसर तक पहुंचने की बात भी सामने आई है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

IIT बॉम्बे छात्र के पिता का ऐलान, आजाद मैदान में अनशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। IIT बॉम्बे के मृतक छात्र साहिल वाकोड के माता-पिता ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर अपने बेटे के मामले में न्याय की मांग उठाई है। साहिल के पिता ने ऐलान किया है कि वह सोमवार से मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें आजाद मैदान में अनशन की अनुमति मिल गई है और वह अपने बेटे से जुड़े मामले की सच्चाई सामने आने तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। वीडियो संदेश में साहिल के पिता ने कहा कि उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह चाहते हैं कि उसके साथ क्या हुआ, इसकी पूरी सच्चाई सामने आए। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता, तब तक वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो वह

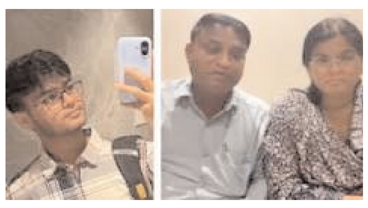

अपनी जान की परवाह किए बिना अपने बेटे के लिए संघर्ष करते रहेंगे। साहिल के पिता ने अपने वीडियो संदेश के जरिए छात्रों से भी समर्थन की अपील की। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे किसी के दबाव या किसी की बातों में न आएं और अपनी आवाज उठाते रहें। उन्होंने यह भी अपील की कि अगर किसी छात्र या अन्य व्यक्ति के पास साहिल से जुड़े कोई दस्तावेज, जानकारी या अन्य सबूत हैं तो उन्हें सुरक्षित रखा जाए। उनके मुताबिक, ये सामग्री आगे अदालत या किसी जांच में महत्वपूर्ण हो सकती है। पिता ने उन चर्चाओं पर भी नाराजगी जताई, जिनमें यह कहा जा रहा है कि साहिल के माता-पिता अपने बेटे के मामले में कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह कई बार पुलिस के पास जाने की कोशिश कर चुके हैं। उनका दावा है कि कुछ मौकों पर उन्हें अंदर जाने तक की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद उन्होंने आजाद मैदान में अनशन करने का फैसला लिया। उन्होंने छात्रों से आंदोलन जारी रखने और किसी भी तरह के दबाव में नहीं आने की अपील की। पिता ने कहा कि उनका बेटा अब उनके बीच नहीं है, लेकिन वह चाहते हैं कि मामले से जुड़े सभी तथ्य सामने आएं और साहिल को न्याय मिले। अब सोमवार से आजाद मैदान में प्रस्तावित अनशन के जरिए साहिल के माता-पिता अपने बेटे के मामले को लेकर अपनी मांगें सामने रखेंगे।

कर्ज लेकर बोई सोयाबीन सूखी तो किसान ने खुद ही ट्रैक्टर चलाकर उजाड़ दी फसल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों पर संकट गहराता जा रहा है। बारिश की उम्मीद में खेतों में बोई गई फसल अब पानी के अभाव में पीली पड़कर सूख रही है। ऐसी ही स्थिति से परेशान रेनापुर के किसान बालाजी कदम ने अपनी 3 एकड़ में खड़ी सोयाबीन की फसल पर खुद ट्रैक्टर चला दिया और उसे खेत में ही नष्ट कर दिया। बालाजी कदम ने बताया कि मानसून की शुरुआत में हुई बारिश को देखते हुए उन्होंने अपने खेत में सोयाबीन की बुवाई की थी। शुरुआती बारिश के बाद उन्हें उम्मीद थी कि आगे भी पर्याप्त पानी मिलेगा और फसल अच्छी होगी। लेकिन इसके बाद बारिश नहीं हुई। लगातार पानी की कमी के कारण फसल कमजोर पड़ने लगी और धीरे-धीरे पीली होकर सूख गई। किसान के मुताबिक, फसल को बचाने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था। इलाके में सूखे जैसे हालात बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोरवेल, कुओं और नदियों में भी पानी की स्थिति चिंताजनक है। ऐसे में खेत में खड़ी फसल को बचाना मुश्किल हो गया

था। बालाजी कदम ने बताया कि उन्होंने सोयाबीन की खेती के लिए खाद, बीज और कीटनाशक उधार लेकर खरीदे थे। उनका कहना है कि इन सामानों के लिए उन्होंने ब्याज पर पैसा लगाया था। फसल पूरी तरह खराब होने के बाद अब खेती में लगाया गया पैसा भी डूब गया है। उनका कहना है कि खेत में फसल खड़ी देखकर उसे बर्बाद करना आसान नहीं था, लेकिन पानी के अभाव में उसे बचाने की कोई उम्मीद नहीं बची थी। किसान ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। उनका कहना है कि खरीफ की फसल बर्बाद हो चुकी है और अब अगली रबी फसल की तैयारी के लिए भी किसानों को पैसों की जरूरत होगी। ऐसे में सरकार को प्रभावित किसानों के लिए आर्थिक मुआवजे की व्यवस्था करनी चाहिए। लातूर जिले में कम बारिश का असर केवल कुछ किसानों के खेतों तक सीमित नहीं है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, जिले में बड़े और छोटे मिलाकर कुल 171 जल परियोजनाएं हैं। इनमें फिलहाल करीब 12 प्रतिशत ही पानी उपलब्ध होने की बात सामने आई है। पिछले साल इसी अवधि में इन परियोजनाओं में करीब 90 प्रतिशत पानी मौजूद था। दोनों वर्षों के आंकड़ों में बड़ा अंतर जिले में जल संकट की स्थिति को दिखाता है। कम जल उपलब्धता का सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ने की आशंका है। जिन किसानों के पास बोरवेल या सिंचाई के दूसरे साधन हैं, वे किसी तरह अपनी फसलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, जिन किसानों के पास सिंचाई की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, उनके सामने खेत में खड़ी फसल को बचाने की बड़ी चुनौती है। बारिश की कमी के कारण सोयाबीन और कपास जैसी खरीफ फसलों पर भी असर पड़ रहा है। शुरुआती बारिश के बाद बुवाई करने वाले किसानों को अब पर्याप्त नमी नहीं मिलने से नुकसान उठाना पड़ रहा है। लातूर में पानी की उपलब्धता और आने वाले दिनों की बारिश अब किसानों की चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ना हुआ धीमा, 84 हजार से ज्यादा फॉर्म-6 पहुंचे, निस्तारण सिर्फ 367 का

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और विवरण में संशोधन के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन आवेदनों के निस्तारण की गति फिलहाल काफी धीमी है। 20 सितंबर तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए जमा किए गए 84,263 फॉर्म-6 में से केवल 367 आवेदनों का निस्तारण हो सका था। आंकड़ों के मुताबिक, कुल प्राप्त फॉर्म-6 में से सिर्फ 0.44 प्रतिशत आवेदनों का ही अब तक निस्तारण हुआ है। हालांकि, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि बढ़ाए जाने के बाद आने वाले दिनों में निस्तारण की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों से जुड़े फॉर्म-6ए की स्थिति भी इसी तरह दिखाई देती है। 20 सितंबर तक कुल 174 फॉर्म-6ए जमा किए गए थे, जिनमें से केवल 2 का निस्तारण हुआ। वहीं, मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 के कुल 1,396 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 857 आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका था।

फॉर्म-6 नए मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-6 का इस्तेमाल उन पात्र नागरिकों द्वारा किया जाता है, जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है और वे अपना नाम शामिल कराना चाहते हैं। 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र पूरी कर चुके नए मतदाता भी इसी फॉर्म के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन करते हैं। फॉर्म-6ए विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से संबंधित है। वहीं, फॉर्म-7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। किसी मतदाता के पहले से दर्ज नाम, पते या अन्य विवरण में सुधार अथवा बदलाव के लिए फॉर्म-8 का इस्तेमाल किया जाता है। बड़ी संख्या में आवेदन पहुंचने के बावजूद निस्तारण की धीमी रफ्तार के कारण प्रक्रिया पर नजर बनी हुई है। आने वाले दिनों में दावे और आपत्तियों की अवधि पूरी होने तथा आवेदनों की जांच आगे बढ़ने के साथ निस्तारण की संख्या में बदलाव देखने को मिल सकता है।

गणेश विसर्जन के बाद BMC ने हटाई 2754 टन से ज्यादा मूर्ति सामग्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। गणेश उत्सव के समापन के बाद मुंबई महानगरपालिका ने विसर्जित गणेश प्रतिमाओं से निकली सामग्री को हटाने का अभियान तेज कर दिया है। बीएमसी के अनुसार 16 से 27 सितंबर के बीच कुल 707 वाहन ट्रिप के जरिए 2754.85 मीट्रिक टन मूर्ति सामग्री हटाई गई। इस दौरान 26 सितंबर को सबसे ज्यादा 510.92 मीट्रिक टन सामग्री हटाई गई। वार्ड स्तर पर के/वेस्ट वार्ड से 314.82 मीट्रिक टन, एस वार्ड से 253.58 मीट्रिक टन और डी वार्ड से 249.43 मीट्रिक टन सामग्री हटाई गई। बीएमसी ने बताया कि यह अभियान बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशों और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के तहत चलाया जा रहा है। कृत्रिम विसर्जन कुंडों से निकली सामग्री को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से अस्थायी रूप से सुरक्षित रखा जा रहा है, ताकि आगे उसका पुनर्चक्रण या दोबारा उपयोग किया जा सके।

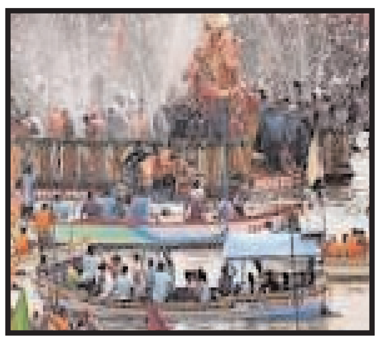

महिंद्रा एसयूवी फिर हो सकती है महंगी

- जिंसों की कीमतों में उछाल के कारण अगले दो सप्ताह में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने एसयूवी ग्राहकों को एक बार फिर झटका दे सकती है। कंपनी ने जिंसों की बढ़ती लागत के मद्देनजर अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की कीमतों में एक और वृद्धि करने का संकेत दिया है। अगले दो सप्ताह में इस पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। महिंद्रा ऑटोमोटिव के एक अ धिकारी ने बताया कि इस साल कंपनी पहले ही जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में लगभग 2.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। हालांकि पिछली बढ़ोतरियों का ग्राहकों की पूछताछ या बुकिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, क्योंकि वाहन अभी भी जीएसटी कटौती से पहले की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। त्योहारी सीजन में भी बेहतर मांग की उम्मीद है। कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में 60,000 पारंपरिक और 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन प्रति माह की क्षमता है, जिसे मार्च-अप्रैल तक बढ़ाकर क्रमशः 70,000 और 12,000 यूनिट किया जाएगा। अ धिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों पर है और अगले छह महीनों में कई अपडेटेड और दो नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे।

फुजियामा मप्र के रतलाम में 1.2 गीगावाट सौर सेल संयंत्र लगाएगी

कंपनी 350-400 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट क्षमता का एक अत्याधुनिक सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। लगभग 350 से 400 करोड़ रुपये के निवेश से बन रहा यह संयंत्र कंपनी की 2030 तक एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने की महत्वाकांक्षी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फुजियामा पावर सिस्टम्स के एक अ धिकारी ने बताया कि प्रस्तावित नई परियोजना में उन्नत टॉपकॉन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक पीईआरसी तकनीक की तुलना में अधिक कुशल है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यहां सौर सेल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, फुजियामा की कुल सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 2.3 गीगावाट हो जाएगी। वर्तमान में कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी में 1.1 गीगावाट क्षमता का सेल संयंत्र संचालित करती है। कंपनी की 2030 की रूपरेखा में आगे चलकर इंगट और वेफर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना भी शामिल है। इसका उद्देश्य सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की लागत कम करना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। फुजियामा की कुल सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 3.6 गीगीवाट है। यह विस्तार सरकार की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची पहल के अनुरूप भी है, जो घरेलू विनिर्माण और उपकरणों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

व्यवस्था 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है। इस कारण यह सीवीसी, कैग और आरटीआई के दायरे में नहीं आती, और इसके कार्यकारियों को अन्य पीएसयू की तुलना में अधिक वेतन तथा 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु मिलती है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वहीं डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन

- 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ

नई दिल्ली । देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है। सामान्य एटीएम नियमों में मिली छूट सामान्य तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार मुफ्त ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। वहीं, दूसरे बैंक के एटीएम से बड़े शहरों में 3 बार और अन्य जगहों पर 5 बार तक मुफ्त निकासी की सुविधा होती है। इस सीमा से अधिक बार एटीएम इस्तेमाल करने पर बैंक अतिरिक्त शुल्क वसूलते हैं।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

सरसों में सुधार जारी, मूंगफली-सोयाबीन-पाम समेत अधिकांश तेलों की कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली

आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमशः 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आयुष सेवा क्षेत्र 2047 तक 318 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना- रिपोर्ट

वित्त वर्ष 25 में 37 अरब डॉलर योगदान का अनुमान

नई दिल्ली ।

आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शुमार हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में इसका आर्थिक योगदान लगभग 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2047 तक 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से करीब 17.6 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है, जो इसकी बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) की अध्ययन रिपोर्ट, जो नागपुर में 11वें आयुर्वेद दिवस पर जारी की गई, बताती है कि वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से आयुष क्षेत्र सालाना 16.91 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुष अब केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, वेलनेस, रोजगार और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) से भी लगभग 1.77 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया गया। आरआईएस के एक अ धिकारी ने बताया कि यह अध्ययन सभी छह आयुष प्रणालियों से जुड़े 15,914 प्रतिष्ठानों के सर्वेक्षण पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और ज्ञान-आधारित सेवा क्षेत्र बन चुका है। आयुष की विभिन्न

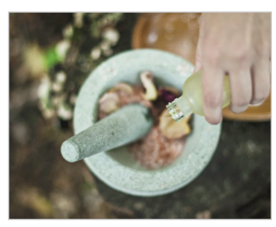

प्रणालियों में, आयुर्वेद सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसने 2024-25 में कुल आयुष राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयुष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स पीवी को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी जल्द 15 प्रतिशत के पार पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है, जो उसकी आक्रामक विस्तार योजना का हिस्सा है। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि यात्री वाहन कारोबार पिछले एक साल में करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर अंत तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। अ धिकारी के अनुसार कंपनी दोहरे अंक में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ और शून्य-उत्सर्जन वाले पावरट्रेन में अग्रणी बनने पर केंद्रित है। 20 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी नए वाहन खंडों में प्रवेश करेगी, मौजूदा उत्पादों में तेजी से बदलाव करेगी और ग्राहकों के लिए नए विकल्प पेश करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स बदलते आय वर्ग और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद पेश करने पर जोर देगी, विशेषकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे तेजी से बढ़ते पावरट्रेन सेगमेंट में। कंपनी भविष्य में बहु-उद्देश्यीय वाहन और कुछ नए लाइफस्टाइल एसयूवी खंडों में भी प्रवेश कर सकती है।

एसबीआई का लक्ष्य 2030 तक 200 लाख करोड़ का कारोबार

डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज विजन, ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बैंक की वृद्धि यात्रा का मूल मंत्र डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज बताते हुए कहा कि बैंक का लक्ष्य 2030 तक अपना कुल कारोबार दोगुना कर 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ ग्राहकों के हितों की रक्षा और देश की अर्थव्यवस्था में भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में, बैंक ने पूंजी आधार मजबूत करने, वित्तीय क्षेत्र में अपनी भूमिका गहरी करने और डिजिटल-ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में पूंजी जुटाना, एसबीआई म्यूचुअल फंड की सूचीबद्धता और यस बैंक मामले में रणनीतिक भूमिका को गिनाया। उन्होंने कहा कि एसबीआई के लिए डिजिटल बदलाव केवल प्रौद्योगिकी अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल जागरूकता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि बैंकिंग को लेन-देन से परे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होना चाहिए। एसबीआई पिछले सात दशकों से देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समर्थन दे रहा है और पारंपरिक संबंध-आधारित बैंकिंग को डिजिटल नवोन्मेषण से जोड़कर यह यात्रा जारी रखेगा। शेट्टी ने अनुमान जताया कि 2030 तक बैंक का कुल कारोबार 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि जून 2026 के अंत तक यह 110.01 लाख करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, बैंक ने अपनी प्लैटिनम जुबली के लिए कोई औपचारिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट-जियोमार्ट को लगा झटका, हर्बीसाइड बेचने पर 10-10 लाख का जुर्माना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की कार्रवाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बड़ी कार्रवाई कर दी है। इन तीनों प्लेटफॉर्म को बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड को बेचने और विज्ञापित करने के आरोप में भारी जुर्माना ठोका गया है। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख, जबकि जियोमार्ट पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारों के बीच हड़कंप मचा है। सीसीपीए के आदेश रिकॉर्ड के मुताबिक, अमेजन पर 16 सितंबर 2026 को, जबकि फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर 22 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया है।सीसीपीए ने यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नाम के उत्पाद की बिक्री कर रहे थे, जिसमें सक्रिय रासायनिक तत्व और उसकी सामग्री की विस्तृत जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को सूचित किया कि साइक्लोसिनोन नामक कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इस स्थिति ने इस रसायन के विपणन और बिक्री के लिए आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। पूरे मामले की शुरुआत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राप्त शिकायत से हुई थी, जो क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आई थी। जांच में साफ हुआ कि कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग के लिए देश में सख्त कानूनी नियम हैं, जिनका इन ऑनलाइन लिस्टिंग में पालन नहीं हुआ। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड की ऑनलाइन लिस्टिंग में अनिवार्य जानकारी का अभाव था, जो उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक मानदंडों का उल्लंघन है।सीसीपीए के आदेश में विशेष रूप से अमेजन के डेटा का उल्लेख किया है, जिसके अनुसार प्लेटफॉर्म पर अब तक साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड के 38,410 ऑर्डर हुए थे और कुल 43,634 इकाइयां बेची गई, जिनकी कुल बिक्री कीमत 96.42 लाख रुपये थी।

इस सप्ताह 7 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स-डिविडेंड, शेयरधारकों को तगड़ा लाभांश

आर सिस्टम्स इंटरनेशनल 8 रुपए प्रति शेयर के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए इस सप्ताह एक अच्छी खबर है, क्योंकि कुल सात कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों के शेयर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे, जिसका अर्थ है कि इन तारीखों के बाद शेयर खरीदने वालों को घोषित लाभांश का लाभ नहीं मिलेगा। यह लाभांश शेयरधारकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनेगा। इन कंपनियों में स्टील, गैस, आईटी सर्विसेज, टेक्सटाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। प्रति शेयर डिविडेंड के लिहाज से आर सिस्टम्स इंटरनेशनल सबसे आगे है, जो 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। आगामी सप्ताह की शुरुआत 29 सितंबर को लियो ड्रायफ्रूट्स ऐंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के साथ होगी। इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को एक्स-डिविडेंड होंगे। कंपनी ने 0.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की है, और इसकी रिकॉर्ड डेट भी 29 सितंबर तय की गई है। शनिवार, 30 सितंबर को दो कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) शामिल है, जो अपने शेयरधारकों को 2.35 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी। सेल की रिकॉर्ड डेट भी 30 सितंबर है। इसी दिन सरस्वती साड़ी डिपो लिमिटेड के शेयर भी एक्स-डिविडेंड होंगे। इस कंपनी ने 3 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 30 सितंबर निर्धारित है। अगले सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन 1 अक्टूबर होगा, क्योंकि इस दिन चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड और सैनिक फाइनेंस ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड शामिल हैं। गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस 0.50 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी, हालांकि इसकी रिकॉर्ड डेट 2 अक्टूबर है।

कार्स24 भारत में आईपीओ की तैयारी में, रिवर्स फ्लिप होगा निर्णायक कदम

सिंगापुर से भारतीय पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक दाखिल होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली ।

पुरानी कारों की ऑनलाइन बिक्री का अग्रणी मंच कार्स24, भारतीय शेयर बाजार में अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की दिशा में अग्रसर है। कंपनी अपनी मुख्य कॉरपोरेट संरचना को सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया रिवर्स फ्लिप पूरी होने के बाद अगले साल अप्रैल तक आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की पात्र हो सकती है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी के अनुसार, कार्स24 को सिंगापुर से 'रिवर्स फ्लिप' के लिए मंजूरी मिल चुकी है और अब भारत में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब छह से नौ महीने लगने का अनुमान है, जिससे यह अगले साल अप्रैल तक पूरी हो सकती है। इसके बाद कंपनी भारत में आईपीओ दस्तावेज दाखिल करेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी, कीमत निर्धारण और बुक-बिल्डिंग जैसी प्रक्रियाओं में तीन से चार महीने और लग सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीओ का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल नकदी जुटाना नहीं है, क्योंकि कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी है (पिछला मूल्यांकन 2022 में 3.3 अरब डॉलर था)। मुख्य लक्ष्य भारत में छोटे शहरों तक पहुंच बढ़ाकर 25 से 200 शहरों तक विस्तार करना और कारोबार को 50,000 कारों तक बढ़ाना है।

साथ ही, यह खाड़ी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए पूंजी तैयार करेगा। आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करने तथा कंपनी के संचालन को वैध ठहराने का भी एक माध्यम होगा।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। ये हैं–

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमिा श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमिा श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुय अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राहमण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राहमण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं या हैं वे नियम

श्राद्ध कर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निन नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

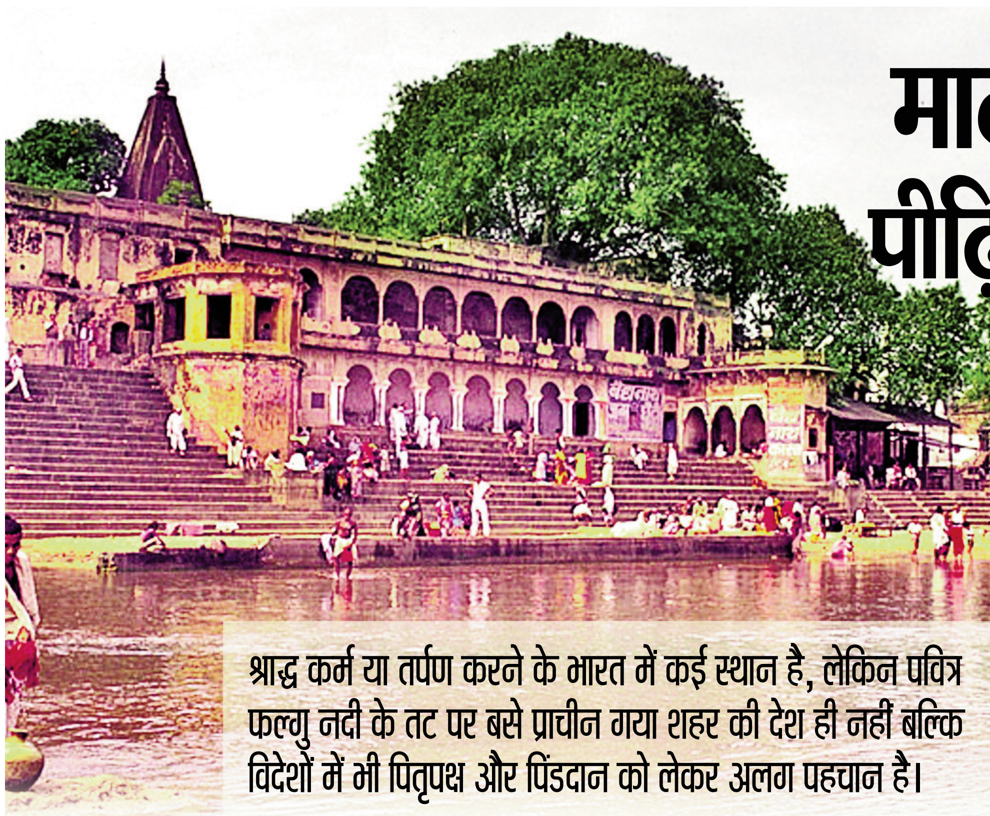

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नागोया (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेवार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे।

टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वपवर्ल्ड कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट है: स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं।

दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर

खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में

सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं, जो टीम के सबसे युवा सदस्य हैं, हालांकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए सिर्फ तीन जीत दर्ज करनी होगी, और टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती के लिए तैयार है।

टीम इस प्रकार है

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीमें

नगोया (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ड टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाती है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को क्वार्टर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया

कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिर टीम चैंपियनों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं।नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है।

भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ मैदान में उतरी। कप्तान शुभमन गिल ने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले भारत के पास लगभग 20 एकदिवसीय मैच हैं, और यह समय विभिन्न संयोजनों को आज़माने और खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने का है ताकि विश्व कप के लिए सबसे प्रभावी टीम तैयार की जा सके। इस सीरीज से भारतीय टीम के लिए आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले अपनी रणनीतियों और बेंच स्ट्रेंथ को परखने का अच्छा अवसर है।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी, ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नागोया (एजेंसी)। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने क सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलत जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण

का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। । मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं।

इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई, जिससे वह भारतीय खिलाड़ी को अपनी सहज खेल शैली में आने से रोकने में पूरी तरह सफल रहीं।

एशियन गेम्स 2026 : हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया ।एशियन गेम्स 2026 में भारत की हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है ।महिलाओं की 200 मीटर फाइनल रेस में हरिता ने 23.20 सेकंड का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

200 मीटर फाइनल में हरिता का कमाल– हरिता भद्रा ने एशियन गेम्स 2026 की महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी रेस को 23.20 सेकंड में पूरा किया ।इस समय के साथ हरिता ने पोडियम पर जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खाते में आया एथलेटिक्स मेडल– हरिता भद्रा का यह प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए महत्वपूर्ण रहा ।महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम ।भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया।भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली।कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है।प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली।टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं।इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा।यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए, भस्म आरती को बताया दिव्य अनुभव

उज्जैन ।पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपनी पत्नी प्रियंका रैना के साथ आज उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किये।दोनों ने मंदिर में आयोजित सुबह की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।उनके साथ प्रियंका के भाई विवेक और उनकी पत्नी स्नेहा भी मौजूद थीं, जिन्होंने परिवार सहित इस पावन अवसर का लाभ उठाया।भस्म आरती के दौरान पूरा परिवार

भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ नजर आया। भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने अपने इस आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए बहुत अच्छा लगा और उन्होंने दर्शन का भरपूर आनंद लिया।रैना ने मंदिर प्रबंधन और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट और दर्शनार्थियों की सुविधा संभालने वाले सभी लोगों ने बेहद व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से इंतजाम किए हैं।

रैना ने महाकाल की पूजा संपन्न कराने वाले पुजारियों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की।रैना ने बताया कि पुजारियों ने ऐसा आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बनाया कि वहां उपस्थित सभी भक्तगण भगवान महाकाल की भक्ति में पूरी तरह डूब गए।उन्होंने पुजारियों और मंदिर प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने अच्छे तरह दर्शन किये।पूजा भी काफी अच्छे से हुई।साथ ही कहा कि जितने भी लोग यहां पर दर्शन करने आए हैं, उनके लिए काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध है।और उससे बढ़िया महाकाल की पूजा में जितने भी हमारे पुजारी थे, उन्होंने सभी कुछ अच्छे से कराया, सब लोगों का आशीर्वाद मिला, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

एशियाई खेलों की स्कैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया (एजेंसी)। भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे है और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे।

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वहां भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (55.73 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायेन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की।

वहीं बैडमिंटन में अनुभवी खिलाड़ी पीवी सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन यू फेई के हाथों हार के साथ ही पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। इसके अलावा उभरती हुई

खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े मुकाबले में हार गईं। युगल स्पर्धाओं में भी गायत्री गोपीचंद/ट्रेसा जॉली (महिला युगल) और तनीषा क्रास्टो/ध्रुव कपिला (मिश्रित युगल) अपने क्वार्टर फाइनल मैचों से बाहर हो गए। निशानेबाज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के प्रिसिजन क्वालीफायर के बाद मनु भाकर 16वें और राही सरनोबत 15वें स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने छठे स्थान के साथ चुनौती बनाए रखी।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं। हालांकि, 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद उनका ज्यादातर समय प्रसारण और क्रिकेट विश्लेषण में बीता है।दिलचस्प बात यह है कि पीटरसन पिछले कुछ समय में इंग्लैंड की टीम व्यवस्था के आलोचक भी रहे हैं। 2025 की शुरुआत में भारत दौरे के दौरान उन्होंने टीम के अभ्यास और ट्रेनिंग के तरीके पर सवाल उठाए थे। पीटरसन ने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रुक को लेकर भी पहले निराशा जताई थी।

जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक ।थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है।यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है।थाई कोच शेट्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है।थाई टीम को जापान के नगोयो में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है। भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे

रहे शेट्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था।उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं।मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी।मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद काम शुरू किया।अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से।उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं।इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है।कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकॉक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

जमैका ।क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा।पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है।उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है।गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है।ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं।पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी।अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरुरत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनदीप कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आने वाले समय में कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन इस समय बॉलीवुड के उन सितारों में से एक हैं, जिनकी पाइपलाइन में एक साथ कई बड़े और अलग अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। आने वाले समय में वे 'रेंजर', 'सूर्यप्रस्थ', 'चौहान' और 'गोलमाल 5' जैसी कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

परिवारों के लिए बन रही रेंजर

अजय, संजय दत्त और तमन्ना भाटिया की 'रेंजर' इस समय उनकी प्रमुख अनरिलिज्ड फिल्मों में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म का एक शेड्यूल पूरा हो चुका है और करीब पांच दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। फिल्म को बच्चों और परिवारों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है।

दिसंबर में शुरू हो सकती है गोलमाल 5' की शूटिंग

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' उनकी आने वाली फिल्मों में सबसे बड़े मनोरंजक प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इस सीरीज में अजय को उनके गंभीर एक्शन स्टार वाले अंदाज से बिल्कुल अलग मजेदार और कॉमिक अंदाज में देखा जाता है। 'गोलमाल 5' की शूटिंग दिसंबर के आसपास शुरू हो सकती है। ऐसे में आने वाले महीनों में अजय लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी रहेंगे।

'सूर्यप्रस्थ' की शूटिंग जारी, मुंबई के बाद उत्तराखंड में होगा शूट

'रेंजर' के बाद अजय का फोकस 'सूर्यप्रस्थ' पर है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म की मुंबई में शूटिंग जारी है और अब तक लगभग 10 दिनों का शूट पूरा हो चुका है। यह प्रोजेक्ट पहले 'गृहप्रवेश' नाम से चर्चा में रहा था, लेकिन अब इसका नाम 'सूर्यप्रस्थ' सामने आया है। फिल्म की विस्तृत कहानी अभी सार्वजनिक नहीं है। हालांकि, बातचीत में संकेत मिला है कि इसमें बच्चों और परिवार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण भावनात्मक पक्ष हो सकता है।

रोहित जुगराज के साथ ही नया प्रोजेक्ट लेकर आ हैं अजय

अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म 'सूर्यप्रस्थ' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। रोहित लंबे समय से हिंदी फिल्मों में सक्रिय हैं और 'सुपरस्टार' समेत कई प्रोजेक्ट्स के साथ काम कर चुके हैं। अजय और रोहित जुगराज की यह जोड़ी इसलिए भी अलग है, क्योंकि यह अभिनेता के लिए एक अपेक्षाकृत नया सहयोग है।

11 अक्टूबर से 'चौहान' की तैयारी भी शुरू होगी

अजय की लाइन-अप में अगला महत्वपूर्ण नाम 'चौहान' है। बातचीत में बताया गया कि इस फिल्म की शूटिंग 11 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है। फिल्म का निर्देशन नीरज यादव कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इसकी पृष्ठभूमि कश्मीर से जुड़ी हो सकती है। कहानी में सुरक्षाऔर वहां के सामाजिक-राजनीतिक माहौल जैसे तत्वों का इस्तेमाल किए जाने के संकेत मिले हैं।

आयुष्मान खुराना ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात की

अभिनेता आयुष्मान खुराना आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के तैयार हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से उन्हें प्रेम 1994 की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद हुआ था। दरअसल, फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज हुआ था, जहां अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद वे बहुत प्रभावित हुए थे। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने 'हम आपके है कौन' में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था।

अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है।' आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बड़जात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्ममेकर उनकी वैनिटी वैन में घुसने से पहले अपने जूते उतार देते थे। आयुष्मान ने याद करते हुए कहा, 'मैं कहता था, सर प्लीज जूते मत उतारिए, वैनिटी में आ जाइए। लेकिन वो कभी सुनते ही नहीं थे। वो जूते उतार कर आते थे, मैं उनके चरण स्पर्श करता था और वो कहते थे आयुष्मान भव और फिर वो मुझे सीन समझाते थे। मुझे लगता है कि यह सिर्फ बचपन का सपना नहीं है। इसलिए राजश्री और उनकी लेगेसी के लिए तालियां बजनी चाहिए।' फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान खुराना, शरवरी वाघ और अनुपम खेर मुख्य कलाकार के तौर पर नजर आएंगे।

एक्टर के तौर पर लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं

हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? 'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। खास बातचीत में हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

उनसे पूछा गया, 'शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं?' हर्षिता ने बताया, 'मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।' हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।' हर्षिता ने कहा, 'एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का उदाहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, 'करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं।'

कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग पर भड़कीं परिणीति चोपड़ा

हाल ही में कटरीना कैफ के लिए एक आम सी आउटिंग बहुत खास बन गई। प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल किया। हालांकि अभिनेत्री ने इस पर कुछ नहीं कहा लेकिन उनके फैंस और सेलेब्स उनके बचाव में आगे आए हैं। अब एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बेटे के जन्म के बाद कैटरीना कैफ के लुक को लेकर हुई ऑनलाइन ट्रोलिंग पर उनका समर्थन किया है। बातचीत में परिणीति ने कहा, 'जब कोई महिला के डिलीवरी के बाद शरीर पर कमेंट करता है, तो मुझे यह अनपढ़ सोच लगती है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप एक इंसान को जन्म देते हैं, एक बच्चे को दुनिया में लाते हैं, तो शरीर पर उसका निशान क्यों नहीं सेलिब्रेट किया जाता? इसमें नेगेटिव क्या है? मैं किसी महिला को देखकर कहूंगी, 'ओह माय गॉड, मैं स्ट्रेच मार्क देख पा रही हूं। क्या आपने बच्चे को जन्म दिया है? यह तो बहुत खूबसूरत बात है। आपका बच्चा कैसा है?' मैं किसी महिला को इसी नजरिए से देखूंगी।'

रवीना टंडन ने बताया बेटी राशा के बटरफ्लाई टैटू का राज

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन कई बार अपनी निजी जिंदगी से जुड़े किस्से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अब उन्होंने अपनी बेटी राशा के टैटू से जुड़ा बेहद खास किस्सा सुनाया। दरअसल, वह डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचीं। इस दौरान एक कंटेस्टेंट ने अपनी मां को टैटू बनवाने के लिए मनाने में रवीना की मदद मांगी थी। इसी बातचीत के दौरान रवीना ने बताया कि उनके लिए टैटू कई इमोशन्स और यादों से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने बच्चों के नाम वाले टैटू से लेकर अपने बिच्छू वाले टैटू तक की कहानी सुनाई लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान राशा के बटरफ्लाई टैटू ने खींचा। रवीना ने कहा, ''मेरी बेटी राशा ने बटरफ्लाई का टैटू अपने नाना के निधन के बाद बनवाया था। उसको ऐसा लगता है कि जब भी वह शूटिंग करती है, तब एक तितली उसके पास आकर बैठती है। वह इसे अपने नाना से जोड़कर देखती है और मानती है कि उनके नाना तितली के रूप में कहीं न कहीं उन्हें आशीर्वाद देने आते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उसने अपने बॉडी पर तितली का टैटू बनवाया। इस टैटू में भगवान शिव और भगवान कृष्ण से जुड़े रंग और निशान भी शामिल हैं।''

रवीना ने कहा, ''राशा के टैटू में तितली के पंखों के अंदर भगवान कृष्ण का मोर पंख है, जबकि इसमें भगवान शिव के नीलकंठ रूप को भी दिखाया गया है। यह डिजाइन उसकी भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जो उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।''

इसी बातचीत में रवीना ने भारत में टैटू की पुरानी परंपरा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''देश में कई सदियों से शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा रही है। राजस्थान और देश के कई आदिवासी इलाकों में आज भी इसे एक पुरानी परंपरा के तौर पर देखा जाता है। पहले गोदना बनाने का तरीका आज के टैटू से अलग था और इसमें सुई का इस्तेमाल किया जाता था।''

रवीना ने अपने टैटू के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम का टैटू बनवाया हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अपने टैटू में पंजों के निशान और बिच्छू का टैटू भी बनवाया है।

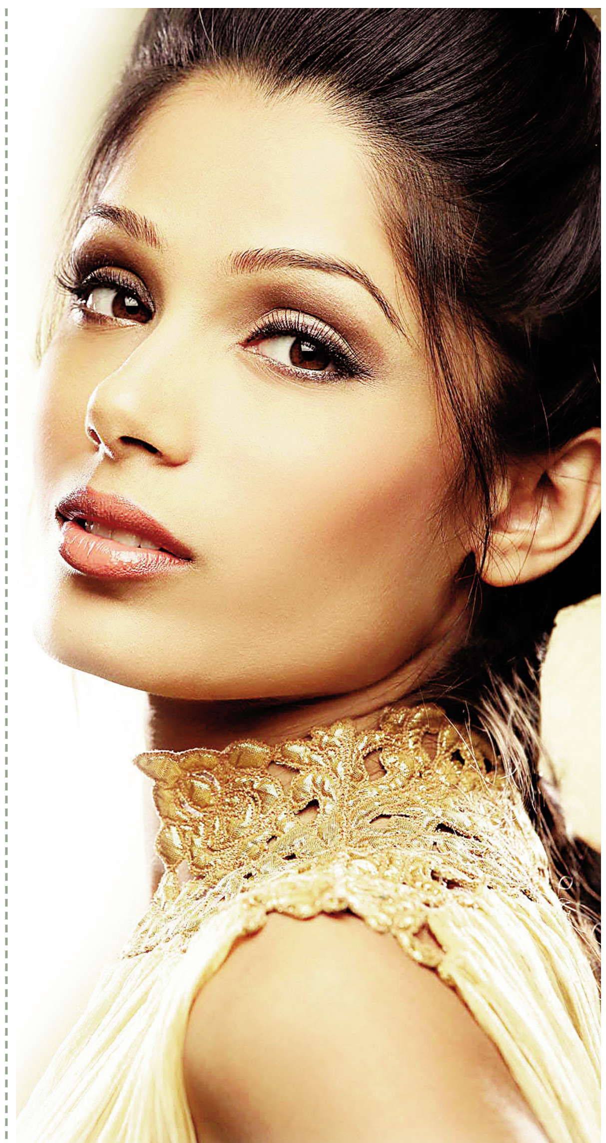

अनकस्टमड अर्थ

अहम किरदारों में होंगे फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ

फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर स्टारर फ्रीडा पिंटो की अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ' का पहला लुक जारी किया गया है। यह फैमिली ड्रामा है जो झुम्पा लाहिड़ी की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन पर आधारित है।

इस सीरीज में फ्रीडा पिंटो 'पारुल चौधरी' के रोल में और सिद्धार्थ 'अमित' के रोल में हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर है आधारित

यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती है।

क्या है कहानी

फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है, जो एक पत्नी और मां हैं और जिन्होंने कभी अपने पिता की इच्छा का सम्मान करने के लिए अपने कॉलेज के रोमांस को छोड़ दिया था। कैंसर का पता चलने के बाद, पारुल अपने परिवार को भारत से वापस कैम्ब्रिज ले आती हैं, जिसे वह अपना घर मानती हैं। अपनी बीमारी का सामना करते हुए, पारुल उस जिंदगी को जीने का फैसला करती हैं, जिसे उन्होंने कभी छोड़ दिया था। उनके फैसलों का असर उनके परिवार और उनके आस-पास के बड़े प्रवासी समुदाय पर पड़ता है।

फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ के अलावा, सीरीज में इंद्रनील सेनगुप्ता 'जय' के रोल में, परवीन कौर 'नीना' के रोल में, सरायु ब्लू 'रूमा' के रोल में, जस्टिन बार्थ 'एडम' के रोल में, आदि रॉय 'कौशिक' के रोल में, आइला सुंदरसिंह मैकेग 'हेमा' के रोल में और जयंत कृपलानी 'प्रणब' के रोल में हैं। अन्य कलाकारों में इशिता बंसल 'दिव्या' के रोल में, मीरा सिम्हम 'स्वाति' के रोल में, रवि कपूर 'विशाल' के रोल में, स्वयं भाटिया 'सुधा' के रोल में और पलोमी घोष 'अंजलि' के रोल में हैं।'

'अनकस्टमड अर्थ' को वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन ने प्रोड्यूस किया है। यह 17 दिसंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

AAP ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, प्रवेश वर्मा बोले- परिवार को गाली दी तो गुस्से में दी प्रतिक्रिया

सड़क विवाद में मंत्री ने युवक को जड़ा थप्पड़ वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निर्माण को लेकर रविवार को राजनीतिक विवाद उस समय गरमा गया, जब दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा का एक युवक को थप्पड़ मारते हुए वीडियो सामने आया। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कुछ लोग मंत्री से सवाल कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वहां मौजूद एक युवक को थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मंत्री के गार्ड और उनके साथ मौजूद लोगों ने युवक को वहां से दूर कर दिया। घटना के बाद युवक ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने उसके साथ मारपीट की गई और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। युवक की ओर से पुलिस को शिकायत देने की बात कही गई है। आम आदमी पार्टी ने मंत्री से लिखित माफी मांगने की मांग की है और भाजपा से उन्हें निलंबित करने की मांग भी की है। वहीं, विवाद के बाद प्रवेश वर्मा ने करीब 2 मिनट 56 सेकंड का वीडियो जारी कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने आम आदमी पार्टी की ओर से साझा किए गए वीडियो को अधूरा संदर्भ बताते हुए कहा कि पूरे मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए। वर्मा ने आरोप लगाया कि विकासपुरी रिंग रोड पर पिछले कई दिनों से सड़क निर्माण का काम चल रहा है और तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह कथित तौर पर पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों से ठेकेदार से मिलवाने तथा कमीशन की व्यवस्था कराने की मांग कर रहे थे। वर्मा ने कहा कि

उनके विभाग के एक इंजीनियर ने पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। इसके जवाब में जरनैल सिंह कहते हैं कि सड़क बना दीजिए, लेकिन ऐसी नहीं होनी चाहिए जो 15 घंटे भी न चले। इसके बाद प्रवेश वर्मा वहां से अपनी गाड़ी की ओर चले जाते हैं। जरनैल सिंह भी उनके पीछे गाड़ी तक जाते हैं। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक घटना का वीडियो बना रहा था। वीडियो में प्रवेश वर्मा युवक को थप्पड़ मारते नजर आते हैं।

सड़क के टुकड़े दिखाने को लेकर जरनैल से बहस

घटना का एक दूसरा वीडियो भी सामने आया है। इसमें प्रवेश वर्मा और तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह के बीच सड़क की गुणवत्ता को लेकर बहस होती दिखाई देती है। जरनैल सिंह तारकोल से बनी सड़क का हिस्सा दिखाते हुए प्रवेश वर्मा से कहते हैं कि उनके द्वारा बनाई गई सड़क को उखाड़कर दिखा दिया गया है। इस पर प्रवेश वर्मा कहते हैं कि गलत नहीं बोलना चाहिए और 15 साल में सड़क नहीं बना पाने की बात कहते हैं

3 दिन बैंक हड़ताल से कामकाज प्रभावित, 5-डे वर्किंग की मांग पर अड़ीं यूनियनें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रविवार को छुट्टी के बावजूद सरकारी बैंक खुले, लेकिन सोमवार से बुधवार तक बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के कारण बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बैंक कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन काम और दो दिन साप्ताहिक अवकाश की मांग को लेकर हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल में देश की सात बड़ी बैंक यूनियनें शामिल हैं। यूनियनों का दावा है कि 90 प्रतिशत से ज्यादा बैंक कर्मचारी इन संगठनों से जुड़े हैं।

रविवार को आम लोगों के लिए बैंक खुलने का मौका करीब 10 साल बाद आया। इससे पहले वर्ष 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खोले गए थे। उस समय पुराने 500 और 1000 रुपए के नोट बदलने, जमा करने और नकदी निकालने के लिए बैंकों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ को संभालने के लिए रविवार को भी बैंक खोलने का फैसला किया गया था। हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर मासिक मुफ्त सीमा खत्म होने के बाद भी कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। आरबीआई के नियमों के मुताबिक, अपने बैंक के एटीएम से हर महीने पांच बार मुफ्त नकदी निकाली जा सकती है। दूसरे बैंक के एटीएम से दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में महीने में तीन तथा छोटे शहरों में पांच मुफ्त लेन-देन की सीमा है।

आसमान में दिखा दुनिया के लड़ाकू विमानों का दम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर एयरबेस पर वायुसेना का मेगा युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' चल रहा है। इस अभ्यास में पहली बार अमेरिकी वायुसेना का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान एफ-35 लाइटनिंग शामिल हुआ है। आसमान में भारत समेत 8 देशों की वायुसेनाओं के लड़ाकू विमान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। युद्धाभ्यास 12 अक्टूबर तक चलेगा। अमेरिका के 6 अत्याधुनिक एफ-35 लाइटनिंग लड़ाकू विमान और 200 से ज्यादा अमेरिकी वायु सैनिक पहली बार इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जोधपुर पहुंचे हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी जोधपुर पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर युद्धाभ्यास में अमेरिकी वायुसेना की भागीदारी पर खुशी जाहिर की। भारतीय वायुसेना की ओर से सुखोई-30एमकेआई, राफेल, तेजस और जगुआर जैसे लड़ाकू विमान अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात समेत 8 देशों की वायुसेनाएं इसमें शामिल हैं।

अमिताभ बच्चन से मिलने आया हूं, निकम के खुलासे पर बिग बी बोले- घर आता तो गोली मार देते

कसाब ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए कहा था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम ने हाल ही में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले से जुड़ा एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि आतंकी अजमल कसाब ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए कई तरह के दावे किए थे। निकम के अनुसार, कसाब ने यह भी कहा था कि वह मुंबई अमिताभ बच्चन को देखने के लिए आया था। इस पर अमिताभ बच्चन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर कसाब उनके घर आता तो उसे वहीं गोली मार देते। दरअसल, टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में अभिनेता राजकुमार राव और वामिका गब्बी, उज्ज्वल निकम के साथ अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान 26/11 मुंबई आतंकी हमले और उसके बाद हुई कानूनी कार्रवाई का जिक्र हुआ। इसी दौरान निकम ने कसाब से जुड़े कई दावों के बारे में बताया। निकम ने कहा कि कसाब ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए कई झूठ बोले थे। उनके मुताबिक, कसाब ने दावा किया था कि उसे 26/11 हमले के मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया, बल्कि 6 नवंबर को जुहू चौपाटी से पकड़ा गया था। निकम के अनुसार, कसाब ने यह भी कहा था कि वह अमिताभ बच्चन को देखने के लिए मुंबई आया था। इस पर अमिताभ ने कहा कि अगर वह उनके घर आया होता तो वहां से जाने वाला नहीं था और वहीं उसे गोली मार देते। सुनवाई के दौरान कसाब ने खुद को नाबालिग बताते हुए यह दावा भी किया था कि उसे रॉ ने

गिरफ्तार किया है। निकम के अनुसार, इन दावों के कारण मामले में कानूनी चुनौती खड़ी हुई थी, क्योंकि आगे की कार्रवाई से पहले उसकी उम्र साबित करना जरूरी था। शो में अमिताभ बच्चन ने निकम से पूछा कि क्या कसाब को पहले से पता था कि जांच एजेंसियों को किस तरह गुमराह करना है। इस पर निकम ने कहा, 'बिल्कुल। कोर्ट में मैंने बाकायदा अल-कायदा का मैनुअल दिखाया था कि जांच एजेंसी को किस तरह गुमराह करना है। ' यह पूरा प्रसंग 'प्रहारः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' से भी जुड़ा है। यह फिल्म उज्ज्वल निकम के जीवन और उनके चर्चित मुकदमों पर आधारित बायोग्राफिकल ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार राव ने उज्ज्वल निकम की भूमिका निभाई है, जबकि वामिका गब्बी उनकी पत्नी ज्योति निकम के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। कहानी में निकम के करियर के बड़े मामलों, विशेष रूप से 26/11 मुंबई आतंकी हमले के अजमल कसाब मुकदमे और 1993 बॉम्बे ब्लास्ट मामले का जिक्र किया गया है। 26/11 हमले में 10 आतंकियों ने मुंबई में कई जगहों को निशाना बनाया था। 26 नवंबर 2008 को शुरू हुआ यह हमला करीब 60 घंटे तक चला और 29 नवंबर की सुबह समाप्त हुआ। सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड के मुताबिक, हमले में 166 लोगों की मौत हुई और 238 लोग घायल हुए। इनमें 18 पुलिसकर्मी और सुरक्षा बलों के जवान तथा 26 विदेशी नागरिक शामिल थे। 10 हमलावरों में अजमल आमिर कसाब एकमात्र आतंकी था, जिसे जिंदा पकड़ा गया। उसे 27 नवंबर 2008 को गिरफ्तार किया गया, जबकि बाकी नौ हमलावर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक, मामले की जांच में पुलिस की जांच, कसाब के बयान, फोरेंसिक साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत शामिल थे।

कसाब का 'अमिताभ से मिलने' वाला दावा

उज्ज्वल निकम के मुताबिक, अजमल कसाब ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए दावा किया था कि वह अमिताभ बच्चन से मिलने मुंबई आया था। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा कि अगर कसाब उनके घर आता तो उसे वहीं गोली मार देते। निकम ने बताया कि कसाब ने खुद को नाबालिग बताने और रॉ द्वारा गिरफ्तार किए जाने जैसे दावे भी किए थे

28 साल का हुआ गूगलः एक छोटे से प्रोजेक्ट से दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनी बनने की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आज 27 सितंबर को गूगल अपना 28वां जन्मदिन मना रहा है। हालांकि, कंपनी आधिकारिक तौर पर 4 सितंबर 1998 को दर्ज हुई थी। शुरुआती वर्षों में गूगल अलग-अलग तारीखों पर अपना जन्मदिन मनाता रहा, लेकिन 2006 से 27 सितंबर को ही आधिकारिक जन्मदिन के तौर पर मनाया जाने लगा। यह तारीख वेब इंडेक्सिंग से जुड़े एक बड़े रिकॉर्ड की याद से भी जोड़ी जाती है। आज इंटरनेट पर किसी भी सवाल का जवाब खोजने के लिए लोग अक्सर एक ही बात कहते हैं–'गूगल कर लो।' लेकिन एक समय ऐसा था, जब इंटरनेट पर जानकारी ढूंढना इतना आसान नहीं था। इसी जरूरत ने दो युवाओं लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन को एक ऐसे सर्च इंजन पर काम करने के लिए प्रेरित किया, जिसने बाद में इंटरनेट पर जानकारी खोजने का तरीका ही बदल दिया। कहानी की शुरुआत 1995 में हुई, जब मिशिगन के लैरी पेज कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी पहुंचे। उनके माता-पिता कंप्यूटर विशेषज्ञ थे, इसलिए बचपन से ही उन्हें तकनीक और मशीनों में रुचि थी। दूसरी ओर, मॉस्को में जन्मे सर्गेई ब्रिन भी स्टैनफोर्ड में पढ़ रहे थे। उनके पिता गणित के प्रोफेसर और मां नासा की वैज्ञानिक थीं। उनका परिवार यहूदी उत्पीड़न से बचने के लिए उनके बचपन में रूस से अमेरिका आ गया था। सर्गेई नए विद्यार्थियों को कैंपस घुमाने का काम करते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात लैरी पेज से हुई। कैंपस टूर के दौरान दोनों के बीच कई मुद्दों पर बहस हुई और शुरुआत में दोनों एक-दूसरे को खास पसंद नहीं करते थे। लेकिन यही मुलाकात आगे चलकर एक ऐसी साझेदारी में बदल गई, जिसने तकनीकी दुनिया को बदल दिया।

वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के 25 साल के शिष्य की चौथी मंजिल से गिरकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की चौथी मंजिल से गिरने की घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई देता है कि रसिक दुलारी शरण करीब 40 फीट की ऊंचाई से अचानक सड़क पर पैरों के बल गिरते हैं। इसके बाद उनका सिर जमीन से टकराता है और गंभीर चोट लगने से खून बहने लगता है। वह सड़क पर तड़पते दिखाई देते हैं और कुछ ही देर में सड़क पर खून फैल जाता है। इसी दौरान वहां से दो साइकिल सवार गुजर रहे थे। इनमें से एक पीले कपड़े पहने शिष्य था। दोनों अचानक हुई घटना को देखकर सहम गए। उसी समय पानी की सप्लाई करने वाली गाड़ी भी वहां पहुंच गई। रसिक दुलारी शरण ने 25 सितंबर की सुबह करीब 10:35 बजे आत्महत्या की थी। घटना के बाद शनिवार देर शाम पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों ने यमुना किनारे अंतिम संस्कार किया। छोटे भाई मनीष ने मुखाग्नि दी। इस दौरान मां और बहन रोते-रोते बेसुध हो गईं। पोस्टमॉर्टम दो डॉक्टरों के पैनल ने किया और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई।

TMC विधायक कुणाल घोष की कार पर दिनदहाड़े हमला, शीशा तोड़ा और बाहर खींचने की कोशिश का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष ने रविवार को दावा किया कि कोलकाता में दिनदहाड़े उनकी कार को बाइक सवार हथियारबंद लोगों ने घेर लिया और हमला किया। घोष के मुताबिक, हमलावरों ने कार का शीशा तोड़ दिया और उन्हें वाहन से बाहर खींचने की कोशिश की। उन्होंने हमलावरों के पास रिवॉल्वर होने का भी दावा किया। घटना के बाद उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों को भी हथियार निकालने पड़े। कुणाल घोष के अनुसार, घटना के बाद वह सीधे नारकेलडांगा पुलिस थाने पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। क्षतिग्रस्त कार भी पुलिस थाने के बाहर खड़ी दिखाई दी। घटना के बाद इलाके में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। घोष ने इस हमले के लिए भाजपा पर आरोप लगाया और दावा किया कि उनकी हत्या की कोशिश की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। पुलिस शिकायत के बाद अब मामले की जांच की जा रही है। कुणाल घोष ने दावा किया कि पिछले चार महीनों के दौरान उनकी कार पर हमले की यह चौथी घटना है। इससे पहले शनिवार को भी उनकी कार को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई थी। घोष के मुताबिक, वह हुगली के श्रीरामपुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान भीड़ की ओर से उनकी कार पर अंडे और पत्थर फेंके गए। घोष का कहना है कि इस घटना में उनकी कार का पीछे का शीशा भी टूट गया था। इसके एक दिन बाद कोलकाता में उनकी कार पर फिर हमला होने के दावे ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। रविवार की घटना को लेकर घोष ने कहा कि बाइक सवार लोगों ने उनकी कार को चारों तरफ से घेर लिया था। उनके मुताबिक, हमलावर हथियारों से लैस थे और उनके पास रिवॉल्वर थे।

3 दिन बैंक हड़ताल से कामकाज प्रभावित, 5-डे वर्किंग की मांग पर अड़ीं यूनियनें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रविवार को छुट्टी के बावजूद सरकारी बैंक खुले, लेकिन सोमवार से बुधवार तक बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के कारण बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बैंक कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन काम और दो दिन साप्ताहिक अवकाश की मांग को लेकर हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल में देश की सात बड़ी बैंक यूनियनें शामिल हैं। यूनियनों का दावा है कि 90 प्रतिशत से ज्यादा बैंक कर्मचारी इन संगठनों से जुड़े हैं। रविवार को आम लोगों के लिए बैंक खुलने का मौका करीब 10 साल बाद आया। इससे पहले वर्ष 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खोले गए थे। उस समय पुराने 500 और 1000 रुपए के नोट बदलने, जमा करने और नकदी निकालने के लिए बैंकों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ को संभालने के लिए रविवार को भी बैंक खोलने का फैसला किया गया था। हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर मासिक मुफ्त सीमा खत्म होने के बाद भी कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। आरबीआई के नियमों के मुताबिक, अपने बैंक के एटीएम से हर महीने पांच बार मुफ्त नकदी निकाली जा सकती है। दूसरे बैंक के एटीएम से दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में महीने में तीन तथा छोटे शहरों में पांच मुफ्त लेन-देन की सीमा है। सीमा से अधिक निकासी पर हर बार 23 रुपए और जीएसटी शुल्क लगता है। हड़ताल को टालने के लिए वित्तीय सेवा विभाग, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंक प्रबंधन की ओर से की गई अपील को यूनियनों ने ठुकरा दिया है। हड़ताल में एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी शामिल होंगी। यूनियनों का कहना है कि जब तक सरकार पांच-डे वर्किंग लागू करने की पक्की तारीख तय नहीं करती, विरोध जारी रहेगा। वहीं, हड़ताल से पहले सामने आई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि सरकार ने बैंकों में पांच-डे वर्किंग लागू करने का कोई वादा नहीं

किया था। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया कि सैलरी रिवीजन की बातचीत के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई सहमति नहीं बनी थी और यह मांग कर्मचारी यूनियनों की ओर से उठाई गई थी। पांच-डे वर्किंग के अलावा बोनस यानी पीएलआई के नियमों को लेकर भी सरकार और बैंक यूनियनें आमने-सामने हैं। सरकार ने स्केल-4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए नया बोनस नियम लागू किया है, जिसके तहत अच्छा प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को 365 दिन की बेसिक सैलरी के बराबर इंसेंटिव या बोनस मिल सकता है।

यूपी में 70 घंटे की बारिश से हाहाकार, 2 दिन में 63 मौतें; सड़कें बनीं तालाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश में करीब 70 घंटे तक हुई लगातार बारिश से शहरों से लेकर गांवों तक हालात बिगड़ गए हैं। जगह-जगह जलभराव के कारण सड़कें तालाब बन गईं, खेत पानी में डूब गए और कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। आंधी-बारिश के चलते प्रदेश में दो दिन के भीतर 63 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि फिलहाल बारिश थम गई है, लेकिन आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। बाराबंकी में सरयू नदी में करीब 30 दिन से लटकी 150 साल पुरानी मस्जिद आखिरकार तेज बहाव की चपेट में आकर बह गई। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास करीब 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। इसके बाद पंप की मदद से एक्सप्रेस-वे से पानी बाहर निकाला गया। राजधानी लखनऊ में इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई, जबकि कई चौराहों पर पानी भर गया। बख्शी का तालाब इलाके में खेत जलमग्न हो गए और फसलें गिरकर पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर तेज हवाओं और बारिश के कारण पेड़ और बिजली के पोल भी उखड़कर गिर गए। इससे पहले कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और बरेली समेत प्रदेश के लगभग पूरे हिस्से में जोरदार बारिश हुई। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। गांवों, गलियों और मोहल्लों में पानी भर गया। कानपुर-इटावा हाईवे करीब 200 मीटर तक धंस गया। हरदोई में एडीएम की गाड़ी कीचड़ में फंस गई, जिसे लोगों ने धक्का देकर बाहर निकाला। कुशीनगर में गंडक बैराज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए हैं। खराब मौसम के कारण एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को अपना श्रावस्ती दौरा भी रद्द करना पड़ा। बरेली और गोरखपुर में कई गलियों में बाइक और कारें पानी में डूब गईं। हरदोई में कोतवाली परिसर में पानी भर गया और बरसाती पानी एसएचओ के कमरे तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अपनों का ख्याल रखने की अपील की है। मौसम के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 45.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश 1.8 मिलीमीटर मानी जाती है।

भोपाल का मास्टर प्लान 2047 जारी, अब बदलेंगे शहर के नियम-कायदे; सील दुकानों से लेकर पार्किंग तक क्या होगा नया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। भोपाल के मास्टर प्लान 2047 का प्रारूप आखिरकार जारी हो गया है। शहर के लिए नया मास्टर प्लान लंबे समय से अटका हुआ था। पिछला मास्टर प्लान 1995 में बना था और उसकी योजना अवधि वर्ष 2005 तक थी। इसके बाद नया प्लान अंतिम रूप नहीं ले सका। इसका असर शहर की विकास व्यवस्था पर भी पड़ा और यह स्पष्ट नहीं रहा कि किस इलाके में किस तरह की गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं। इसी बीच आवासीय इलाकों में संचालित दुकानों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर सीलिंग की कार्रवाई बड़ा मुद्दा बन गई नए प्रारूप के सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अब सील की गई दुकानों को राहत मिलेगी। फिलहाल ऐसा नहीं है। अभी दुकानों की सीलिंग पर तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा और बंद की गई दुकानें बंद ही रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अंतिम मास्टर प्लान कोर्ट की मंजूरी के बाद ही जारी किया जाएगा। वहीं, सीलिंग के मामले में प्रशासनिक ढिलाई पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताई है। शिकायतें सामने आई थीं कि कुछ दुकानों को सुबह सील किया जाता है और शाम को फिर खोल दिया जाता है। कोर्ट ने नगर निगम को कार्रवाई सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। मामले में अगली सुनवाई 23 नवंबर को है। मास्टर प्लान 2047 में पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए भी कई प्रावधान प्रस्तावित हैं। फिलहाल भोपाल में 29 ऑफ-स्ट्रीट, 11 ऑन-स्ट्रीट और 3 प्रीमियम पार्किंग संचालित हैं। नए प्लान में बहुमंजिला पार्किंग, फ्लाईओवर के नीचे उपलब्ध जगह का पार्किंग के लिए इस्तेमाल और आसपास के कई भूखंड मालिकों को मिलकर साझा बेसमेंट पार्किंग बनाने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। कॉलोनी की आरडब्ल्यूए सड़क पर पार्किंग शुल्क भी वसूल सकेगी, जिससे बाहरी वाहनों को नियंत्रित करने का विकल्प मिलेगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए 51 किलोमीटर लंबा 'ग्रोथ कॉरिडोर' प्रस्तावित है। यह शहर को एयरपोर्ट और बाहरी इलाकों से जोड़ेगा। इसके साथ बसों के लिए आरक्षित लेन यानी बीआरटी की व्यवस्था होगी, ताकि सार्वजनिक परिवहन जाम से प्रभावित न हो। भविष्य में इसे मेट्रो जैसी सेवा में बदलने की संभावना भी रखी गई है। कॉरिडोर के आसपास ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट यानी टीओडी की अवधारणा लागू होगी। इसके तहत परिवहन सुविधा वाले क्षेत्रों के आसपास आवास, दफ्तर और जरूरी सुविधाओं का विकास

किया जाएगा। प्रस्ताव में होटल, अस्पताल, आईटी-एआई-डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, थोक बाजार, मॉल, कॉरपोरेट कार्यालय और शिक्षा संस्थानों के विकास की भी योजना है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.